शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 03 अगस्त 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 116 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

भाजपा विधायकों ने बालू बेचकर जताया विरोध

सदन के बाहर शुक्रवार को भाजपा के विधायकों ने बालू बेचकर विरोध जताया.

सत्ता पक्ष बोला-भाजपा ने देश बेच दिया तो बालू क्या चीज है

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के छठे और आखिरी दिन भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर सांकेतिक रूप से बालू बेचकर धरना-प्रदर्शन किया. भाजपा विधायकों ने झारखंड में बालू की किल्लत और हेमंत सरकार के मुफ्त में बालू देने की घोषणा पर विरोध जताया. धरने पर विधायकों ने कहा कि जिस तरह 5 लाख नौकरी मिली, अन्य योजनाओं का लाभ मिला उसी प्रकार बालू भी मिलेगा. वहीं दूसरी तरफ सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी भाजपा पर तंज कसा है. मंत्री बना गुप्ता ने कहा कि बीजेपी ने देश ही बेच दिया, तो बालू क्या चीज है.

संविधान को बेचने की कोशिश हो रही : बन्ना

बन्ना गुप्ता ने कहा कि बीजेपी ने बीसीसीएल, पोर्ट, बंदरगाह, बीएसएनएल सहित देश की कई संपत्तियों को बेच दिया. भाजपा निजीकरण करके बाबा साहेब के संविधान को बेचने की कोशिश कर रही है. बालू तो बहुत छोटी चीज है. कहा कि इनलोगों का इतिहास ही व्यापार का है. उन्होंने अंग्रेजी में कहा कि इफ यू लूज पेशंस, यू लूज ऑल थिंग. कहा कि आप सदन को हाईजैक करके थोड़ी चलाने सकेंगे.

बालू में जितना ट्रक चलता था, इनका ही था : शिल्पी

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बीजेपी पर तंज करते हुए कहा कि यह बालू बेचेंगे ही. उनके घर में बालू के स्टॉक पड़े हैं. हमारी सरकार का सभी नन टैक्स पेयर को फ्री बालू देना का फैसला बहुत निर्णायक है. ये लोग थोक भाव में बालू बेचते थे, अब बेच नहीं पायेंगे. जितना ट्रक चलता था, इन लोगों का का ही था. मैं तो कहती हूं कि इसकी जांच करानी चाहिए. शिल्पी ने कहा कि अगली बार भी जनता इन्हें चुनकर नहीं भेजेगी, इसलिए नया करियर एक्सप्लोर कर रहे हैं.

442 बालू घाट में सिर्फ 22 घाटों की नीलामी : बिरंची

भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली घटना होगी, जब सदन में 18 विधायकों को निलंबित कर दिया गया हो. अध्यक्ष जी हमारे आवाज को नहीं दबा सकते हैं. बिरंची ने बालू के विषय में कहा कि पांच सालों में राज्य की 442 बालू घाटों में सिर्फ 22 घाटों की नीलामी हुई है. बाकी बचे 420 घाटों पर झामुमो, कांग्रेस और आरजेडी के नेता, कार्यकर्ताओं और बिचौलियों ने सरकार के संरक्षण में संगठित अपराध किया.

जैसे पांच लाख नौकरी दी वैसे ही बालू भी देंगे : नीरा

भाजपा विधायक नीरा यादव ने कहा कि पहले ट्रैक्टर वालों का 100 रुपये का चालान काट कर छोड़ दिया जाता था. लेकिन आज उनका ट्रैक्टर थानों में सड़ रहा है. आज उन्हीं के लिए सरकार के विरोध में बालू बेच रहे हैं. उन्होंने कहा कि एनजीटी ने बालू के उठाव पर 15 जून से ही रोक लगाया है और अभी मुख्यमंत्री जी अनाउंस कर रहे हैं कि बालू मुफ्त में देंगे. हेमंत सरकार ने जिस तरह 5 लाख नौकरी दिया, बेरोजगारी भत्ता दिया, उसी तरह बालू मुफ्त में देंगे.

मॉनसून सत्र: सदन में चार विधेयक पास

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के अंतिम दिन चार विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गए. इन विधेयकों में झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक 2024,झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2024,झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक 2024 और झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक 2024 शामिल हैं. सबसे पहले झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक 2024 को प्रभारी मंत्री बैजनाथ राम ने सदन में रखा. इसपर लंबोदर महतो ने विधेयक को प्रवर समिति में भेजने का आग्रह किया. कहा कि एक दिन पहले ही विधेयक की कॉपी मिली है. इसका अध्ययन नहीं कर पाए हैं. राज्य में अग्निशमन की भयावह स्थिति है. अनुमंडल तक ही दमकल रहता है. प्रखंड तक पहुंचते-पहुंचते सब कुछ जलकर खाक हो जाता है. इसे और अधिक जनोपयोगी बनाना चाहिए था. इसपर प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्तमान और भविष्य की चुनौती को देखते हुए यह विधेयक लाया गया है.

राज्यहित में महत्वपूर्ण है झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक : प्रभारी मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने सदन में झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक पेश किया. इस पर विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि बिना वित्तीय संलेख के वित्त विधेयक का क्या औचित्य है. हड़बड़ी में लाया गया विधेयक है. विनोद सिंह ने कहा कि इस पर जो कर लगाया गया है वह भार आधारित है. यह मूल्य आधारित होना चाहिए. सरयू राय ने कहा कि इस विधेयक से जो आय होगी, उस राशि का खर्च पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में भी खर्च किए जाने का प्रावधान होना चाहिए. इस पर प्रभारी मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि उनमें अन्य उद्देश्यों के लिए राशि खर्च का प्रावधान किया गया है. राज्यहित में यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण विधेयक है.

ये विधेयक हुए पास

- झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक 2024
- झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2024
- झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक 2024
- झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक 2024

जेल प्रणाली का बोझ कम होगाः बैजनाथ राम

प्रभारी मंत्री बैजनाथ राम ने सदन में कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक सदन में रखा. इस पर विधायक लंबोदर महतो और विनोद सिंह ने प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया. लंबोदर महतो ने कहा कि इस विधेयक के जरिए कारा में सुधार के लिए किन प्रावधानों को किया गया है. इसे बताना चाहिए. ओपेन कारा का प्रावधान है या नहीं. इसकी भी जानकारी दी जानी चाहिए. विनोद सिंह ने कहा कि कारा में और भी सुधार की जरूरत है. कैदी बीमार भी न हो तो वे बड़े-बड़े हॉस्पिटल की सेवाओं में रहते हैं. विराधीन कैदियों के परिजनों की मुलाकात काफी मुश्किल हो जाती है. कारा में सुसाइड की घटनाएं बढ़ी हैं. राज्य के जेलों में दो तिहाई कैदी विचाराधीन हैं. इसपर प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस विधेयक से जेल प्रणाली का बोझ कम होगा. कैदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का प्रावधान किया गया है. रिहाई के बाद कैदियों को समाज में प्रवेश करने में सहायता की जाएगी. अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार के मानकों का पालन किया गया है.

निजी विवि. विधेयक से शिक्षा की गुणवत्ता में होगा सुधार

सदन में शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन ने सदन में झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक 2024 रखा. इस पर लंबोदर महतो ने कहा कि यह विधेयक में यूजीसी गाइडलाइन के विपरीत प्रावधान किया गया है. जांच समिति को पूरी तरह से ऑटोनॉमस बना दिया गया है. उच्च शिक्षा के लिए यह जहर की पुड़िया है. 10 करोड़ की सिक्योरिटी मनी का प्रावधान किया जाना राज्यहित में नहीं है. निजी विश्वविद्यालय में सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है. सारी चीज प्राइवेट यूनिवर्सिटी ही करता है. तो सरकार प्राइवेट यूनिवर्सिटी में कुलपति की नियुक्ति क्यों करेगी. इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि विधेयक में सर्च कमेटी के द्वारा कुलपति नियुक्ति का प्रावधान किया गया है. विनोद सिंह ने कहा कि पांच एकड़ में विश्वविद्यालय तो नहीं बल्कि कोचिंग संस्थान ही चल सकता है.

खनिज धारित भूमि उपकर पर समय-समय पर दर में होता रहेगा बदलाव

जिस क्षेत्र में प्राइवेट यूनिवर्सिटी खुलेगी, वहां के सांसद और विधायक सदस्य होंगेः सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

मॉनसून सत्र के अंतिम दिन जब सदन में झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक 2024 रखा गया तो विधायक लंबोदर महतो ने इसे प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया. लंबोदर महतो के संशोधन प्रस्ताव पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि जिस विधान सभा या लोकसभा क्षेत्र में निजी विश्वविद्यालय खुलेगा, उस विश्वविद्यालय में उस क्षेत्र के सांसद और विधायक सदस्य होंगे. वहीं झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक 2024 पर विधायक विनोद सिंह ने कहा कि भार आधारित के जगह मूल्य आधारित कर होना चाहिए. इस पर सीएम ने कहा कि झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक 2024 राज्य के लिए महत्वपूर्ण और बहुउद्देशीय है. इन पर समय-समय पर दर का नोटिफिकेशन निकाल कर बढ़ाया और घटाया जा सकता है.

विधायक चर्चा से वंचित हो रहे हैः बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि विधायकों ने विधेयक में चर्चा का पार्ट बनने के लिए लिख कर दिया था. विधायक चर्चा से वंचित हो रहे हैं. इस पर ध्यान देना चाहिए. नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि मेहनत कर क्वेश्चन डालते हैं. क्वेश्चन ऑवर को स्थगित कर विधेयक आ जाना झारखंड विधानसभा में नया इतिहास लिखने का काम हो रहा है.

'आवश्कता होगी तो लैंड बैंक रखेगी सरकार'

प्रदीप यादव ने अल्पसूचित प्रश्न के तहत भूमि अधिग्रहण कानून पर सवाल पूछा. इस पर मंत्री दीपक बिरूआ ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार को आवश्यकता होगी तो लैंड बैंक रखेगी. केंद्र से चाहते हैं कि भूमि मालिक को भूमि वापस हो जाए. जो भूमि उपयोग में नहीं है वो वापस मिल जाए. इस पर संशेधन के लिए विचार किया जाएगा.

रिम्स के कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम देने पर भी हो रहा काम : बन्ना गुप्ता

निरल पूरती के सवाल पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि रिम्स के प्रशासी परिषद की बैठक में रिम्स कर्मियों के ओल्ड पेंशन स्कीम का प्रस्ताव रखा गया था. इस पर प्रशासी परिषद ने सहमति जताई है. वित्त विभाग ने कहा है कि मामला प्रशासी परिषद का है. इसके लिए एम्स, पीटीआई चंडीगढ़ के नियमों का अध्ययन किया जाएगा. पत्राचार कर मंगाया गया है. वहीं राज्य के सभी कर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू किया गया है.

बन्ना गुप्ता और सरयू राय के बीच हुई तीखी बहस

सदन में जब झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक 2024 रखा गया तो सरयू राय ने कहा कि इसमें 10 करोड़ सिक्योरिटी मनी का प्रावधान किया गया है. अब तो सिर्फ कॉरपोरेट सेक्टर ही यूनिवर्सिटी खोल सकती है. इसके बाद कहा कि फॉर्मेसी काउंसिल में मंत्री ने अपने स्तर से सचिव को मनोनीत किया, जिसकी योग्यता का पता नहीं उसे निबंधक सह सचिव बना दिया. इलेक्शन फंड इरेज करने का काम हो रहा है. इस बन्ना गुप्ता ने भी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की.

झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना

प्रचार-प्रसार वाहन को सीएम ने हरी झंडी दिखाई

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधान सभा परिसर से झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 10 एलईडी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इन सभी एलईडी वाहनों के माध्यम से रांची, रामगढ़ एवं खूंटी जिला के विभिन्न क्षेत्रों में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का प्रचार-प्रसार किया जाएगा. इसके साथ ही रांची, रामगढ़ एवं खूंटी जिले के अलावे राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त द्वारा अपने-अपने जिलों में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के वृहद प्रचार-प्रसार के लिए एलईडी वाहनों हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जा रहा है. इस प्रकार पूरे राज्य में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार की शुरुआत हुई. मौके पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, मंत्री बेबी देवी, विधायक सविता महतो, कल्पना सोरेन, अंबा प्रसाद आदि मौजूद रहे.

भाजपा विधायकों ने प्रभारी सचिव को लिखा पत्र

विस अध्यक्ष को हटाने की मांग

संवाददाता। रांची

भाजपा विधायकों ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो को पद से हटाने के लिए प्रभारी सचिव को पत्र लिखा है. विधायकों ने प्रभारी सचिव से झारखंड विधानसभा की प्रक्रिया व कार्य संचालन के नियम 158 (1) के तहत उन पर कार्रवाई की मांग की है. बता दें कि झारखंड विधासभा सत्र के चौथे दिन बीजेपी विधायकों ने अनुबंध कर्मी और रोजगार के मुद्दे को उठाया था और इस पर सीएम को बोलने की मांग की थी.

सीएम के नहीं बोलने पर भाजपा विधायकों ने सदन में जमकर हंगामा किया था. वहीं स्पीकर द्वारा सदन की कार्यवाही स्थगित करने के बाद भी विधायक देर रात तक वेल में धरने पर बैठे थे. इसके बाद मार्शल कर सभी को बाहर निकाला गया. देर रात करीब 12.45 मार्शल ने विधायकों को लॉबी से बाहर कर दिया. इसके बाद भाजपा के विधायक विधानसभा के सीढ़ियों पर रातभर सोये. पांचवें दिन जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो भाजपा विधायक फिर से सदन में हंगामा करने लगे. इस दौरान भाजपा विधायक शशिभूषण मेहता और रणधीर सिंह लेखक टेबल पर चढ़कर हंगामा करने लगे. हंगामे और विधायकों के इस रवैये से नाराज होकर स्पीकर ने 18 विधायकों को कार्य संचालन नियमावली के तहत 2 अगस्त के दोपहर 12 बजे तक के लिए निलंबित कर दिया था.

विधायकों ने प्रभारी सचिव को लिखे पत्र में कहा : भाजपा विधायकों ने अपने पत्र में लिखा कि झारखंड विधान सभा के वर्तमान अध्यक्ष ने अपने पद का विवेकपूर्ण उपयोग नहीं किया और हेमंत सरकार के इशारे पर भाजपा के 18 विधायकों को निलंबित कर दिया. लिखा कि झारखं विधान सभा के फुटेज से स्पष्ट है कि नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने 31 जुलाई को सदन शुरू होते ही युवाओं और संविदाकर्मियों के विषय पर चर्चा करने और सीएम हेमंत सोरेन से इसका जवाब देने का आग्रह किया था. बाउरी ने कहा था कि अगर रात को भी रुकना पड़े तो भी हम तैयार हैं, लेकिन मुख्यमंत्री का बिना जवाब सुने नहीं जायेंगे.

इन विधायकों को स्पीकर ने सदन से किया निलंबित

स्पीकर ने अनंत कुमार ओझा, रणधीर कुमार सिंह, नारायण दास, नीरा यादव, किशुन दास, केदार हजरा, बिरंची नारायण, अपर्णा सेन गुप्ता, राज सिन्हा, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, समरी लाल, सीपी सिंह, डॉक्टर शशि भूषण मेहता, आलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, अमित मंडल और नवीन जायसवाल को 2 अगस्त दोपहर दो बजे तक के लिए निलंबित कर दिया.

गृह विभाग का आदेश लातेहार के पूर्व कंपनी कमांडर पर करें कार्रवाई

रांची। गृह विभाग ने लातेहार जिला के तत्कालीन कंपनी कमांडर प्रकाश रंजन पर अवैध वसूली, फर्जीवाड़ा करने और विभागीय नियम के खिलाफ कार्य करने की शिकायत पर होमगार्ड के डीजी को पत्र लिखकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. झारखंड सरकार के अवर सचिव उमाशंकर प्रसाद पाल ने होमगार्ड के डीजी को पत्राचार कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा है. इससे पहले भी लातेहार के कंपनी कमांडर प्रकाश रंजन के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया था. लेकिन इस बीच उनको कंपनी कमांडर से इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नत कर दिया गया था. प्रकाश रंजन द्वारा अवैध राशि लेने और देने का वीडियो भी वायरल हुआ था. यह वीडियो होमगार्ड डीजी अनिल पालटा और समादेष्टा अमित सिंह को भी व्हाट्स ऐप व ईमेल के माध्यम से भेजा गया है.

तैयारी | सीईओ ने प्रवर्तन एजेंसियों के साथ की बैठक

विधानसभा चुनाव की तैयारियों का खाका तैयार करें

ब्यूरो। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने शुक्रवार को 21 इंफोर्समेंट एजेंसियों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक की. इस दौरान सीईओ ने चुनाव तैयारियों के संबंध में विशेष निर्देश दिए. सीईओ ने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा के लिए भारत निर्वाचन आयोग का झारखंड दौरा भी संभावित है.इसलिए निर्वाचन विषयों की सुव्यवस्थित तैयारी करते हुए रिपोर्ट तैयार कर ली जाए. उन्होंने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए विधानसभा चुनाव की तैयारियों का ससमय खाका तैयार कर लें.

प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक में अधिकारी.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य एवं जिला स्तरीय प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल पदाधिकारियों की फोन बुक तैयार करने का भी निर्देश दिया. अवैध शराब और प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के रोकथाम पर लोकसभा चुनाव में बेहतर कार्य हुए थे, आगामी विधानसभा चुनाव में भी अवैध शराब, हथियार अथवा पैसे के आवागमन पर नजर रखते हुए इनपर पूरी तरह से रोक लगाने के कार्य हेतु अभी से कार्ययोजना तैयार कर लें. उन्होंने कहा कि यातायात, हवाई अड्डा, वन विभाग, बैंकों से भी निर्वाचन के क्रम में सहयोग की अपेक्षा है. सभी चेकपोस्ट को एक्टिव करते हुए व सीमावर्ती राज्यों के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्य योजना तैयार कर लें.

क्लासिफाइड

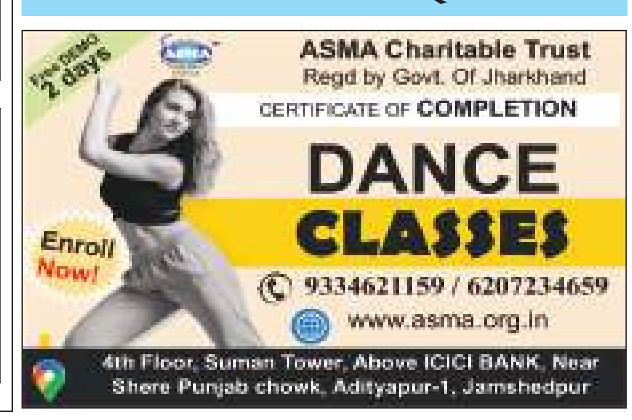

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	28.0	25.9
जमशेदपुर	27.6	24.5
डालटनगंज	28.4	23.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 03 अगस्त 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 116 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष को ललकारा, कहा

देश क्या कहीं से बुला लें नेता, देंगे मुंहतोड़ जवाब

कौशल आनंद। रांची

मौजूदा विधानसभा के अंतिम सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार की शाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सदन में अपनी बातें रखीं. उन्होंने असम के सीएम हिमंता विस्व सरमा का नाम लिए बगैर विपक्ष को ललकारते हुए कहा कि लोग दूसरे प्रदेश से आकर यहां पर नफरत फैलाते हैं. हिंदू-मुस्लिम कर रहे हैं. अपने राज्य में बाढ़ से लोग तबाह हो रहे हैं. वहां की चिंता नहीं है. यहां आकर ये लोग ऊल-जुलूल बातें कर रहे हैं. झारखंड क्या हम, असम से भी उन्हें खदेड़ने का काम करेंगे. देश क्या कहीं से भी नेता बुला लें. हम मुंहतोड़ जवाब देंगे. सोरेन पूरे तैश में थे. उन्होंने एक-एक करके भाजपा, केंद्र सरकार की बखिया उधेड़ी. उन्होंने कहा कि हमारे काम तो जनता के सामने हैं. हमें आपके प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है. आप लोग कर्मचारी संघ के लोगों को बुला कर पूछते हैं कि आप बताइए कि आपकी मांग पूरी हुई या नहीं. वे लोग कहते हैं कि हां 50 प्रतिशत पूरा हो गई. तब आपलोग उन्हें भड़काते हैं और कहते हैं कि पूरा तो नहीं हुआ ना.

मगर आपके भड़काने से वे लोग भी नहीं भड़कते हैं, कहते हैं कि हेमंत सोरेन ही हमारी समस्या का समाधान कर सकते हैं. मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में सदन में दो बड़ी घोषणा भी की. उन्होंने कहा कि यह सत्र अंतिम नहीं है. अगली बार भी हम ही आएंगे. अगली सरकार आने पर हर गरीब परिवार को एक-एक लाख रुपए सालाना देंगे. इसके साथ ही अग्निवीर जवानों की शहादत होने पर उनके परिवार को अनुग्रह राशि और आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी देंगे. सीएम के भाषण और स्पीकर के संबोधन के बाद विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई. जो विपक्षी विधायक तीन दिन से मुख्यमंत्री को सदन में जवाब देने के लिए आंदोलन कर रहे थे, शुक्रवार को जब मुख्यमंत्री अपनी बात सदन में रख रहे थे, तो वो वेल में आकर लगातार नारेबाजी कर रहे थे.

बोले सीएम

आपके पांच साल का काला चिट्ठा मेरे पास है, भाजपा के लोग जमीन के लुटेरे हैं, हमें झूठे आरोप में भेज दिया जेल

बड़ा एलान

अगली बार सत्ता में आने पर हर परिवार को देंगे सालाना एक-एक लाख, शहीद अग्निवीरों को अनुग्रह राशि और उनके आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी

हंगामा रहा जारी

सीएम के बात रखने की तीन दिनों से मांग को लेकर आंदोलन करने वाले भाजपा विधायक उनके भाषण के दौरान वेल में आकर लगातार नारेबाजी करते रहे

कार्यवाही स्थगित

सीएम के संबोधन के साथ ही स्पीकर ने विधानसभा के मॉनसून सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित

रांची, जमशेदपुर, बोकारो, जमशेदपुर और धनबाद में आदिवासी क्यों क्यों घटे बताएं

मुख्यमंत्री भाजपा विधायकों की नारेबाजी के बीच अपनी बात प्रमुखता से रखी. बीच-बीच में विपक्ष को चुनौती देने और ललकारने का भी काम करते रहे. उन्होंने कहा, आपलोग डेमोग्राफी चेंज की बात करते हैं. आप पहले यह बताइए कि रांची, जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद में आदिवासियों की संख्य क्यों घटी? इसका जवाब हमें आप लोग दीजिए. आपलोग डेमोग्राफी के नाम पर आदिवासी-मूलवासियों को बांटने का काम कर रहे हैं. मगर यह होने वाला नहीं है.

हिंदू-मुस्लिम करते-करते अयोध्या हार गए, मगर नहीं चेते आप, विस चुनाव में दिखा देंगे पूरा आईना

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यहीं रुके. कहा कि आपलोग हिंदू-मुस्लिम करके चुनाव लड़ते आए हैं. इस बार भी लोकसभा चुनाव आप भगवान राम के नाम पर लड़े, मगर अयोध्या ही हार गए. उपचुनाव में भी मुंह के खाए. मगर अब भी आपलोग हिंदू-मुस्लिम, आदिवासी, गैर आदिवासी करना बंद नही किए हैं. आपलोग कुछ भी कर लें, लोकसभा चुनाव में हमने आपको आधा आईना दिखाया था. विधानसभा चुनाव में पूरा आईना दिखा देंगे.

आपका काला चिट्ठा मेरे पास है, चिंता न करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपलोग हमारे काम हिसाब मांगते हैं. आपके शासनकाल का काला चिट्ठा मेरे पास है. आपने तो आदिवासी-मूलवासियों की जमीनें लूट लीं. आपलोग लुटेरे हैं. आदिवासी जमीनों पर बड़े भवन बना दिए. ये भवन बनाने का पैसा आपलोगों के पास कहां से, कैसे आया. जमीन के लुटेरे मुझे झूठे जमीन के केस में जेल में डाल दिया. हर चीज का जवाब हमारे पास है. आप चिंता ना करें.

ये बड़े व्यापारियों का कर्जा ही माफ करते हैं

हेमंत ने कहा कि ये वो लोग हैं, जो बड़े कारोबारियों का करोड़ों का कर्ज माफ कर देते हैं, लेकिन इनसे किसानों का कर्ज माफ नहीं किया जाता. लेकिन हमारी सरकार ने किसानों के 50000 हजार के कर्ज माफी का फैसला किया. इसके साथ किसानों के लिए अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा है. हमारी सरकार इस बात पर मंथन कर रही है कि किसानों को और किस तरह से राहत पहुंचाई जा सकती है. कर्ज माफी का दायरा और बढाने की कोशिश करेंगे.

महंगाई इस कदर बढ़ा दी कि यह देश पाकिस्तान बन जाएगा, पूर्वजों की सारी संपत्ति बेच डाली

मुख्यमंत्री ने लगे हाथ केंद्र सरकार को भी निशाने पर लिया. उन्होंने कहा कि आप व्यापारी लोग हैं. पूरे देश को बेचने का काम किया. पूर्वजों की सारी संपत्ति बेचने का काम कर रहे. हर चीज बेच रहे हैं. महंगाई की बात करें, तो पूरा देश इससे कराह रहा है. अगर महंगाई का यही हाल रहा, तो एक दिन यह देश पाकिस्तान बन जाएगा. पहले कहते थे- मोदी की सरकार, भाजपा की सरकार. अब क्या कहेंगे बैशाखी की सरकार.

- शेष पेज 11 पर

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर, 6 तक बारिश होने का अनुमान

शहरी इलाकों में जीवन अस्त-व्यस्त, नदी-नाले उफान पर, सड़कें जलमग्न

रांची में उतरी एनडीआरएफ की टीम, कुछ फंसे लोगों को **बाहर निकाला**

भारी बारिश से झारखंड पानी-पानी

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में शुक्रवार को भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. शहरों की गतिविधियां थम गई, तो गांवों में किसानों के चेहरे खिल गए. इस बारिश से किसानों के खेतों में पानी जमा हो गया. अब धरती की प्यास बुझने से किसानों की खेती में हरियाली आ जाएगी. बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर झारखंड में देखने को मिल रहा है. शुक्रवार को पूरे राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई.

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में मॉनसून गतिविधि अत्यधिक सक्रिय है, आने वाले दिनों में राज्य में अभी और बारिश होगी. शनिवार को राज्य के गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं सिमडेगा, गुमला और लोहरदगा जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. शुक्रवार को राज्य में हुई मूसलाधार बारिश जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. राजधानी रांची, धनबाद, जमशेदपुर, गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, कोडरमा और खूंटी में सुबह से शुरू हुई बारिश देरशाम तक जारी थी. शहरों में सड़कों पर जलभराव से लोगों का चलना दुश्वार हो गया. वहीं निचले स्थानों पर घरों में पानी घुस गया.

वहीं दूसरी ओर बारिश ने शहर कि रफ़्तार पर ब्रेक लगा दिया. पूरे दिन हुई बारिश से लोग जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकले. वहीं ड्रेनेज सही नहीं होने के कारण सड़कों पर जल जमाव रहा, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा.

- पेज 11 भी देखें

किसानों के चेहरे पर खुशी, थम गया शहर

बारिश से किसानों के चेहरे खिल गए है. बारिश नहीं होने से किसान खेती नहीं कर पा रहे थे. लेकिन दो- तीन दिनों में हुई बारिश से किसानों ने धन रोपनी शुरू कर दी. बता दें कि मॉनसून का आगाज होने के बाद से अब तक झारखंड में जून-जुलाई में बारिश कम हुई थी. उम्मीद है कि आनेवाले दिनों में राज्य में बारिश का कोटा पूरा हो जाएगा.

रांची में हुई सबसे अधिक बारिश

इस दौरान राजधानी रांची में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई. रांची में अहले सुबह से पूरे दिन बारिश हुई. बारिश से तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है.

रांची	89 .8 एमएम
खूंटी में	60 .5 एमएम
बोकारो में	58 .5 एमएम
लातेहार में	49 .5 एमएम

फैक्ट फाइल

- रांची में बारिश से सड़कों पर भरा पानी. दीपा टोली इलाके में कुछ फंसे लोगों को निकालने के लिए एनडीआरएफ की टीम उतरी
- **पलामू के पाटन में जुड़वा हरिजन टोला निवासी उमेश भुइंया की चेकडैम में डूबने से मौत हो गई. दो बच्चों को चेकडैम में बचाने उतरे थे, बच्चों को बचा लिया, मगर खुद डूब गए**
- रांची-डाल्टनगंज एनएच 39 पर मुर्गी के पास डायवर्सन क्षतिग्रस्त हो गया है. इस मार्ग पक वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है. इससे रांची से लोहरदगा-डाल्टनगंज मार्ग पर जाने वाली गाड़ियां फंस गई हैं. जाम की स्थिति है. राहगीर परेशान हैं.
- **रजरप्पा में भैरवी नदी का जलस्तर बढ़ा, हजारीबाग में भारी बारिश से शहर में जलजमाव, यातायात प्रभावित**
- लातेहार में औरंगा नदी का जलस्तर बढ़ा, शहर में जलजमाव
- **लोहरदगा में सड़कें जलमग्न, रास्तों में भर गया है पानी**
- धनबाद कोयलांचल में भी भारी बारिश से हर तरफ जलजमाव
- **चतरा-कोडरमा में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,800

ब्रीफ खबरें

भारत ने आस्ट्रेलिया को 3.2 से हराया

पेरिस। कप्तान हरमनप्रीत के दो गोल और श्रीजेश की गोलकीपिंग के दम पर भारत ने पेरिस ओलंपिक के आखिरी पूल मैच में आस्ट्रेलिया को 3.2 से हरा दिया. पुरुष हॉकी में 1972 म्युनिख खेलों के बाद भारत की आस्ट्रेलिया पर यह पहली जीत है.

-पेज 10 भी देखें

घर-घर फहराएं तिरंगा : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने तिरंगे का डिजाइन तैयार करने वाले पिंगली वेंकैया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी. देशवासियों से हर घर तिरंगा का समर्थन करने और 9 से 15 अगस्त के बीच अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की. हर घर तिरंगा डॉट कॉम पर लोगों से अपनी सेल्फी साझा करने की भी अपील की.

आयकर रिटर्न ने बना डाला नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने कहा कि 31 जुलाई की समय-सीमा तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए. कर विभाग ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड संख्या में आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं. यह रिटर्न का नया रिकॉर्ड है.

घरेलू बाजार में पांच दिनों की तेजी थमी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच सत्रों से जारी तेजी का दौर शुक्रवार को थम गया और वैश्विक स्तर पर बिकवाली के दबाव में बाजार के प्रमुख सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए. सेंसेक्स में करीब 886 अंक और निफ्टी में 293 अंक की गिरावट रही.

चंदा लो, धंधा दो के कथित आरोपों की एसआईटी जांच से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा-जब कानून के तहत और भी उपाय हैं, तो हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे

वकील प्रशांत भूषण ने कहा- यह देश का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला, इसकी तह तक पहुंचना चाहिए

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए दान लेने वाले राजनीतिक दलों और दान देनेवाले कॉरपोरेट घरानों के बीच सांठगांठ के कथित आरोपों की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग करनेवाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है.

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस चरण में हस्तक्षेप करना अनुचित और समय पूर्व कार्रवाई होगी. शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस धारणा पर चुनावी बॉण्ड की खरीद की जांच का आदेश नहीं दे

सकती कि यह अनुबंध देने के लिए एक तरह का लेन-देन था. पीठ ने कहा, अदालत ने चुनावी बॉण्ड को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार किया क्योंकि इसमें न्यायिक समीक्षा का पहलू था. लेकिन आपराधिक गड़बड़ियों से जुड़े मामलों को अनुच्छेद 32 के तहत नहीं लाया जाना चाहिए, जब कानून के तहत उपाय उपलब्ध हैं. शीर्ष अदालत गैर सरकारी संगठनों कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) तथा अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. दोनों संगठनों की याचिका में चुनावी बॉण्ड योजना के तहत कथित चंदा लो और धंधा दो की व्यवस्था की न्यायिक निगरानी में जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित करने की मांग की गई थी. वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने गैर सरकारी संगठन की तरफ से मामले में पैरवी की.

बता दें कि इसी साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को गुमनाम फंडिंग की अनुमति देनेवाली चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया था और भारतीय स्टेट बैंक को चुनावी बॉण्ड जारी करना तुरंत बंद करने का आदेश दिया था. इसके साथ ही अदालत ने स्टेट बैंक को सभी दानदाताओं के विवरण सार्वजनिक करने का भी आदेश दिया था.

-शेष पेज 11 पर

अधिवक्ता की दिनदहाड़े चाकू मारकर हत्या

रांची के वकीलों में भारी आक्रोश, नहीं हुआ सिविल कोर्ट में कामकाज

सौरभ सिंह। रांची

अधिवक्ता की शहर में दिनदहाड़े चाकू मारकर हत्या कर दी गई. यह घटना शुक्रवार को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम में हुई है. जहां रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अधिवक्ता गोपाल कृष्ण सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित अपने मधुकम आवास के पास खड़े थे, तभी एक व्यक्ति ने उन पर चाकू से हमला कर दिया.

हमले में बुरी तरह घायल गोपाल कृष्ण को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. दिनदहाड़े अधिवक्ता की हत्या से वकील काफी गुस्से में हैं. रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता काफी गुस्से में हैं. सभी वकीलों को विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया गया है. वहीं घटना की जानकारी मिलने के के बाद सिटी एसपी, कोतवाली डीएसपी समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गए.

-शेष पेज 11 पर

मौके पर पड़ताल करती पुलिस (बाएं) और गोपाल कृष्ण का फाइल फोटो.

वकीलों ने काम किया ठप

रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू की हत्या के बाद सिविल कोर्ट में काम काज ठप हो गया. वकील की हत्या से जिले के अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश है. अपने गुस्से का इजहार करते हुए सिविल कोर्ट के सैकड़ों अधिवक्ताओं ने रांची जिला बार एसोसिएशन से सिविल कोर्ट परिसर में मौन जुलूस निकाला और सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायुक्त से इस मामले में हस्तक्षेप का आग्रह किया. इससे पहले सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने बार भवन में एक बैठक कर अधिवक्ताओं के संग हो रही आपराधिक घटनाओं पर चिंता जाहिर की. एसोसिएशन अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी के लिए रांची एसएसपी से भी बातचीत करेगा. फिलहाल एसोसिएशन ने यह निर्णय लिया है कि शनिवार तक रांची सिविल कोर्ट के सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य का बहिष्कार करते हुए न्यायिक कार्य से दूर रहेंगे. इससे दूर से आए मुवक्किलों को काफी कठिनाई हुई.

-शेष पेज 11 पर

करारा चाबुक एनटीए पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने खड़े किए कई सवाल, कहा-

ढुलमुल रवैया बंद करें, राधाकृष्णन समिति का बढ़ेगा दायरा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी 2024 मामले में कहा कि परीक्षा में कोई व्यवस्थागत उल्लंघन नहीं हुआ है. पेपर लीक सिर्फ पटना और हजारीबाग तक सीमित था.

केंद्र द्वारा गठित समिति परीक्षा प्रणाली की साइबर सुरक्षा में संभावित कमजोरियों की पहचान करेगी और जांच बढ़ाने की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी निगरानी के लिए तकनीकी प्रगति के लिए एसओपी तैयार करेगी. इसके अलावा कोर्ट ने एजेंसी के कामकाज की समीक्षा करने और परीक्षा सुधारों को लेकर पूर्व इसरो प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में केंद्र की तरफ से नियुक्त समिति के दायरे का भी विस्तार किया है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने

बताया कि हमने कहा है कि एनटीए को अब इस मामले में अपने उलट-फेरों से बचना चाहिए. एनटीए के ये उलट-फेर स्टूडेंट्स के लिए अच्छा नहीं है. कोर्ट ने एनटीए से परीक्षा केंद्र बदलने की अनुमति देने और नए पंजीकरण की इजाज़त देने के लिए एक पिछले दरवाजे खोलने के लिए सवाल किया.

चीफ जस्टिस ने एनटीए के 1563 छात्रों को गलत प्रश्न पत्र दिए जाने के कारण हुए समय के नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स देने के फैसले पर भी सवाल खड़े किए.

ग्रेस मार्क्स से लेकर परीक्षा केंद्र बदलने तक हुईं कई गड़बड़ियां

फैसले की खास बातें

- नीट 2024 में एक सवाल को लेकर विवाद हुआ था. इसमें एनटीए ने दो उत्तरों को सही माना गया था. बाद में आईआईटी दिल्ली की एक विशेषज्ञ पैनल ने केवल एक ही सही जवाब होने की पुष्टि की.
- **एजेंसी के फैसले के कारण 44 छात्रों को पूरे 720 अंक मिले.**
- कोर्ट ने एजेंसी की इस गलती की आलोचना की और विशेषज्ञ समिति को नतीजे सुधारने का निर्देश दिया.
- **केंद्र सरकार की तरफ से 22 जून को परीक्षा प्रक्रिया को मजबूत बनाने के उपायों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था.**
- कोर्ट ने समिति को परीक्षा प्रक्रिया में सुरक्षा व्यवस्था, रजिस्ट्रेशन, परीक्षा केंद्रों में बदलाव, ओएमआर शीट की सीलिंग और स्टोरेज आदि के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश दिया.
- **परीक्षा केंद्रों के आवंटन, सीसीटीवी निगरानी, पेपर प्रिंटिंग और परिवहन, सुरक्षित वाहनों का उपयोग, पहचान जांच, नकल रोकने के तकनीकी उपाय आदि पर विचार करने को कहा गया.**
- समिति को 30 सितंबर तक रिपोर्ट तैयार करनी है. शिक्षा मंत्रालय को एक महीने में कार्यक्रम तैयार करना होगा और फिर दो सप्ताह बाद अदालत को सूचित करना होगा.
- **कोर्ट ने पेपर लीक और गड़बड़ी के आरोपों पर नीट 2024 रद्द करने की याचिका खारिज कर दी. कोर्ट ने कहा कि परीक्षा रद्द करने से 23 लाख से अधिक छात्र प्रभावित होंगे और अकादमिक कैलेंडर बिगड़ जाएगा.**

-शेष पेज 11 पर

मेरे खिलाफ ईडी रेड की तैयारी दिल खोलकर इंतजार: राहुल

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन में

चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ ईडी की छापेमारी की तैयारी हो रही है. उन्होंने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगों का दिल खोलकर इंतजार कर रहे हैं तथा उन्हें वह अपनी तरफ से चाय एवं बिस्कुट की पेशकश करेंगे.

कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया, जाहिर है कि 2 इन 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा. ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है. मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं. मेरी तरफ से चाय और बिस्कुट.

इसी से जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने भाजपा सरकार द्वारा राजनीतिक उत्पीड़न के लिए ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों का दुरूपयोग किए जाने पर चर्चा की मांग करते हुए लोकसभा में कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया. राहुल गांधी ने सोमवार को बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए केंद्र सरकार पर हिंदुस्तान को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप लगाया था और कहा था कि विपक्षी इंडिया गठबंधन इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा. उन्होंने यह दावा भी किया था कि इस बजट में चंद पूंजीपतियों के एकाधिकार और लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करने वाले राजनीतिक एकाधिकार को मबजूती प्रदान की गई है, जबकि युवाओं, किसानों तथा मध्यम वर्ग को नजरअंदाज कर दिया गया है.

-शेष पेज 11 पर

▼ ब्रीफ खबरें

नाबालिग से दुष्कर्म का दोषी करार, सजा आज

धनबाद : नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के एक मामले में धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी जमुडिया वर्दमान निवासी जावेद हुसैन को दोषी करार दिया है. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए शनिवार की तारीख निश्चित की है. आरोपी इस मामले में 28 जून 2019 से फरार चल रहा है. उसकी अनुपस्थिति में अदालत ने फैसला सुनाया है. प्राथमिकी पीड़िता के पिता की शिकायत पर निरसा थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 19 जनवरी 2017 को पीड़िता पानी भरने के लिए घर से शाम छह बजे निकली परंतु वापस नहीं आई. जब खोज बिन शुरू किया तो देखा कि एक युवक पीड़िता के गले में रस्सी डालकर एवं मुंह बंद कर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास कर रहा था. हो हल्ला होने पर वह युवक भागने लगा तभी ग्रामीण इकट्ठा हो गए और युवक को पकड़ लिया गया.

बीसीसीएल उत्पादन में भारी गिरावट

धनबाद : भारी बारिश के कारण बीसीसीएल के उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गई है. उत्पादन के साथ-साथ डिस्पैच कार्य भी प्रभावित हुआ है. बीसीसीएल को 1.28 मीट्रिक टन करना था जबकि शुक्रवार को उतपादन 88.1 मीट्रिक टन ही हुआ. डिस्पैच कार्य1.33 मीट्रिक टन था जबकि मात्र 93 मीट्रिक टन हुआ है. इसके अलावा 24 में से 18 रैक ही भेजे जा सके हैं. बीसीसीएल प्रबंधन को शनिवार को भी बारिश का दंश झेलना पड़ेगा.

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में राहत कार्य चलाने का आग्रह

निरसा । लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कुमारधुबी बगान धौडा झिलिया नदी में वर्षा के पानी से बाढ़ की स्थिति के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त और दयनीय हो गया है. जिससे घरों के अंदर भारी पानी जलजमाव के कारण समानों का भारी नुकसान हुआ. झामुमो नेता चंदन बाउरी की सूचना पर झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य अशोक मंडल ने क्षेत्र में दौरा कर आमजनों से मिलकर उनकी बातों सुनकर समस्याओं का हल के लिए बाढ़ स्थल से ही एग्यारकुंड प्रखंड की बीडीओ मधु कुमारी, चिरकुंडा नगर परिषद प्रभारी विजय हांसदा, सीटी प्रबंधक मुकेश सिन्हा आदि पदाधिकारियों को क्षेत्र में बुलाकर राहत कार्य और अन्य सुविधाओं के लिए आग्रह किया. साथ में राजु झा, फारूख अंसारी,रोमी गुप्ता, गौतम, राजेंद्र अस्सी और आदि झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

एमपीएल कामगार यूनियन ने दिया आंदोलन का अल्टीमेटम

निरसा : एमपीएल कामगार यूनियन की बैठक शुक्रवार को निरसा गुरुदास भवन मासस पार्टी कार्यालय में महेश मंडल के अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में 11 अगस्त रविवार को पूर्णि मोड़ में एक विशाल अधिवेशन आयोजित करने पर सहमति बनी. जिसमें हजारों की संख्या में कामगार उपस्थित रहेंगे. बैठक में वक्ताओं ने एमपीएल प्रबंधन पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कमेटी द्वारा 29 जुलाई को पांच सूत्री मांग पत्र को एमपीएल प्रबंधक को सौंपा गया. मांग पत्र में दुर्गापूजा का बोनस 8.33 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने तथा 21 हजार रू से अधिक वेतनमान वाले कामगारों का जिनका ईएसआई नहीं है, उसे स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराने व सभी कामगारों को प्रमोशन देने आदि का उल्लेख है.

कर्मियों की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

रेडिशन इंडीविजुअल

▪ महिला कर्मी के साथ छेड़खानी- प्रताड़ना व नौकरी से निकाल देने के मुकदमे में हैं आरोपी

संवाददाता । धनबाद

धनसार के होटल रेडिशन इंडीविजुअल में कार्यरत महिला कर्मचारी के साथ मानसिक यातना और छेड़खानी करने के मामले के नामजद आरोपियों की जमानत अर्जी पर सुनवाई टल गई है. इस मामले में होटल के प्रतीक मोहन, (होटल मैनेजर,) केएस. मोनालिसा, (ए.टी.आर. मैनेजर) राजीव रंजन गोस्वामी, (असिस्टेंट डायरेक्टर सेल्स), संजीत कुमार, (सुरक्षा मैनेजर), ऐश्वर्या मधुमिता, (मुख्य ऑफिस मैनेजर) के खिलाफ महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. गिरफ्तारी से बचने के लिए इन आरोपियों ने जमानत अग्रिम र्जी दायर की थी. दरअसल प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा की अदालत ने वरीय अधिवक्ता शाहनवाज की दलील सुनने के बाद मामले को सुनवाई के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश दस नीरज कुमार विश्वकर्मा की अदालत में स्थानांतरित कर दिया है. जहां मामले की सुनवाई शनिवार को हो सकती है. बताते चलें कि होटल की महिला सेल्स मैनेजर ने 25 जुलाई 2024 को महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए होटल रेडिशन के जीएम समेत पांच कर्मियों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित, मारपीट और छेड़छाड़ करने की शिकायत महिला थाना में की थी.

तोपचांची झील पर शुभम संदेश की मुहिम का असर, 52 कोठरी 53 द्वार के 10 टूटे दरवाजों को बदला गया

तोपचांची झील की रौनक लौटाने की कवायद शुरू

शुभम संदेश इंपैक्ट

अक्षय चौबे । तोपचांची

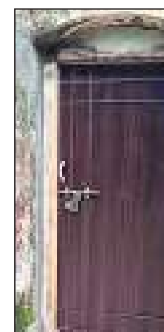

तोपचांची झील में फैली कुव्यवस्था के खिलाफ शुभम संदेश की चलाई गई मुहिम का असर दिखने लगा है. शुभम संदेश की मुहिम के दौरान झील से लेकर यहां के शौचालय, सड़क, प्रधानमंत्री नेहरू की टूटी प्रतिमा, लीची बगान समेत अन्य हालात की बदहाल तस्वीर को आमजनों के बीच रखा गया था. अब तोपचांची झील स्थित 52 कोठरी 53 द्वार का माडा द्वारा जीर्णोद्धार किया जा रहा है. 52 कोठरी 53 द्वार के टूटे दरवाजों को बदला जा रहा है. लगभग अभी तक 10 दरवाजे को बदला गया है.

मथुरा ने पर्यटन मंत्रालय को लिखा पत्र

तोपचांची : टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने तोपचांची झील का सौंदर्यकरण एवं परिसर में स्थित जर्जर पूल-पुलिया, पथ, ग्रीन पार्क, शौचालय आदि का जीर्णोद्धार करने के लिए झारखंड राज्य के पर्यटन एवं कला संस्कृति मंत्री को पत्र लिखा. मथुरा महतो ने पत्र में लिखा कि तोपचांची झील धनबाद जिला का धरोहर के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा पर्यटन स्थल का भी दर्जा प्राप्त है. झील में हजारों की संख्या में राज्य व राज्य के बाहर से पर्यटक पिकनिक एवं प्राकृतिक वादियों का आंनद लेने पहुंचते हैं. वर्तमान समय में झील परिसर में स्थित पुल-पुलिया, पथ, शौचालय आदि अति जर्जर स्थिति में है. जिससे पर्यटकों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है.

तेतुलमारी में सेवानिवृत्त कोल कर्मी के घर डाका

संवाददाता । तेतुलमारी

1. डकैतों ने गृहस्वामी की पत्नी को बंधक बनाकर दस लाख के सामान लूटे
2. आधा दर्जन अपराधियों ने दिया वारदात को अंजाम, पिछला दरवाजा तोड़कर घुसे थे अपराधी
3. एक लाख रुपये नगद समेत नौ लाख के जेवरात ले गए

गुरुवार की रात अपराधियों ने तेतुलमारी पीएसटी रोड निवासी सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी मनी महतो के घर डकैती की घटना को अंजाम दिया है. करीब आधा दर्जन डकैतों ने आवास के पिछले दरवाजा का ताला तोडकर अंदर प्रवेश पाया. इसके बाद मनी महतो की पत्नी कुंती देवी को पिस्टल का भय दिखाकर बंधक बना लिया. घर के अलग-अलग कमरे में रखे तीन अलमीरा को तोड़कर उसमें रखे एक लाख रूपये नकद राशि के अलावा 10 लाख रुपये मूल्य के सोने व चांदी के जेवरात लूटकर चलते बने. विरोध करने पर अपराधियों ने मनी महतो के साथ मारपीट भी की. अपराधकर्मी ने करीब दो घंटे तक आवास में रुक कर वारदात को अंजाम दिया. इधर सुबह घटना की खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और तहकीकात शुरू की गई है. समाचार लिखे जाने तक भुक्तभोगी ने पुलिस को लिखित शिकायत नहीं दी थी. लूटे गये आभूषणों में दो मोबाइल फोन, चार सोने का चेन, तीन जोड़ा सोने का कंगन, तीन गले का नेकलस तीन जोडा चांदी की पायल, तीन जोड़ा कान का टॉप्स आदि शामिल हैं. भुक्तभोगी ने बताया कि रात करीब 12:30 बजे सात अपराधी पिछले दरवाजे से अंदर घुसे थे. फिर वारदात को अंजाम दिया. तेतुलमारी पुलिस ने बताया कि मामले की शिकायत लिखित शिकायत नहीं मिली है. शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी.

केंदुआ-गोधर में दो दुकानों में सेंधमारी

पुटकी । केंदुआ व गोधर की दो दुकानों में गुरुवार की रात सेंधमारी कर चोरों ने करीब दो लाख रुपये का इलेक्ट्रिक व खाद्य प्रदार्थ चुरा ली. दुकान मालिकों की शिकायत पर केंदुआडीह व पुटकी पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर जांच पड़ताल की. गोधर काली मंदिर के पास रमेश विश्वकर्मा की लक्ष्मी इलेक्ट्रिकल्स की दुकान में पीछे से सेंधमारी कर चोर ने पंखा,दो बड़ा व पांच छोटा स्टेबलाइजर, पंख का 50 मोटर,पांच कार्टून एलईडी बल्ब ,तार सहित कई कीमती सामान चुरा लिया. दुकान मालिक के मुताबिक चोरी गए सामानों की कीमत डेढ़ लाख रुपये से ज्यादा है. वे रात साढ़े आठ बजे दुकान बन्दकर बगल गोधर बस्ती आवास चले गए थे .सुबह साढ़े सात बजे उनके दोस्त ने फोन पर दुकान में सेंधमारी की जानकारी दी. दुकान पहुंचे व उसे खोला तो अंदर रखा सामान बिखरा पड़ा था और दीवार में सेंध लगा था. इधर पुटकी थाना क्षेत्र के लोयाबाद कोक प्लांट अंबेडकर चौक के निकट सुजीत कुमार के गणेश स्टोर में सेंधमारी कर अपराधी ने करीब 30 हजार रुपये की संम्पत्ति चुरा ली. चोरों ने दुकान में पीछे से सेंधमारी कर कैश बॉक्स से एक हजार रुपया नकद, 10 बोरा चावल,चार टीना रिफाइन,एक पेटी साबुन ,एक पेटी होर्लिक्स,काजू,बादाम सहित कई अन्य सामान चुरा ले गए. चोरी की सूचना पर पुटकी पुलिस के एसआई बीडी सोरेन,उपेंद्र यादव ने जांच की .पुटकी बाजार चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हीरा लाल शर्मा व सचिव मुर्तजा अंसारी भी पीड़ित दुकानदार से मिले .अध्यक्ष व सचिव ने पुलिस की रात्रि गशती की तरीके में बदलाव की मांग की. कहा कि दिन में तो पुलिस दिखती है पर रात में गश्ती कम करती है. रात में दुकानों पर अड्डेबाजी करनेवालों व अपराधी तत्वों पर कार्रवाई करने की मांग की है.

जेबीवीएनएल की गलती से डीवीसी को नुकसान

मैथनः जेबीवीएनएल के खराब सुरक्षा प्रणाली के कारण गुरुवार की रात डीवीसी के कुमारधुबी फीडर ट्रिप कर गया. जिससे डीवीसी को भारी नुकसान उठाना पड़ा है.डीवीसी के कुमारधुबी एवं पंचेत सब स्टेशन के प्रभारी पार्थसारथी दास ने बताया कि जेबीवीएनएल के 33 केवी कलियासोल फीडर के खराब सुरक्षा प्रणाली के कारण गुरुवार की रात 10:45 बजे डीवीसी के कुमारधुबी फीडर में भारी झटके व वोल्टेज के उतार-चढ़ाव और असामान्य ध्वनि के कारण ट्रिप कर गया. कंट्रोल रूम का स्वीच लाइट फट गया, डीवीसी के 33 के बुस में जगह-जगह हॉटस्पॉट तैयार हो गया, इस कारण डीवीसी को भारी नुकसान पहुंचा है. दास ने बताया कि जब कलियासोल फीडर के प्रभारी अभियंता संतोष मंडल से दूरभाष पर बात की गई तो उन्होंने आश्वस्त किया था कि कलियासोल फीडर को अलग कर दिया गया है. मरम्मत व दुरूस्त करने के बाद ही सिस्टम में डाला जाएगा, इसके बाद रात 11:35 बजे लाइन सामान्य किया गया लेकिन डेड फॉल्ट होने के बावजूद सुबह 4:15 बजे कलियासोल फीडर को दोबारा चालू कर दिया गया, इस कारण कई स्थानों पर जंपर कट गया. जबरदस्त वोल्टेज उतार-चढ़ाव, असामान्य ध्वनि व झटका होता रहा है. इसी तरह बाबा हाईटेक और मैथन सिरामिक लिमिटेड ने भी शिकायत की है कि उनके नियंत्रण प्रणाली को भारी क्षति हुई है.दास ने कहा कि जेबीवीएनएल की कोई भी गलती हो डीवीसी का दोष बता दिया जाता है.

धनबाद में लगातार बढ़ रहे हैं डेंगू के मरीज

▪ दूसरे दिन भी मिला डेंगू का मरीज

संवाददाता । धनबाद

धनबाद : धनबाद में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. दूसरे दिन भी एक डेंगू के मरीज की पुष्टि हुई है. पीड़िता शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज के ओपीडी में इलाज के लिए पहुंची थी. वाहन जांच के बाद डॉक्टरों ने डेंगू के इलाज करने की सलाह दी. डॉक्टर के परामर्श पर मरीज का सैंपल टेस्ट के लिए लाया गया था. मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी लैब की ओर से स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई रिपोर्ट में डेंगू पॉजीटिव पाए जाने की पुष्टि की गई है. फिलहाल बच्ची डॉक्टर अविनाश कुमार की देखरेख में भर्ती की गई है. बता दें कि धनबाद में डेंगू का यह तीसरा मरीज मिलने की पुष्टि हुई है. इससे पहले नया बाजार और केंदुआ के एक- एक मरीज में डेंगू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी. वीवीडी सलाहकार रमेश रमेश सिंह ने बताया कि 11 साल की बच्ची में डेंगू की पुष्टि हुई है. उनकी ट्रैवल हिस्ट्री व अन्य जानकारी जुटाई जाएगी.

मथुरा ने विधानसभा में उठाया टुंडी तोपचांची में हाथियों का मामला

संवाददाता । तोपचांची

टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने तोपचांची व टुंडी क्षेत्र में जंगली हाथियों द्वारा मचाया गया उत्पात को लेकर झारखंड विधानसभा में मुद्दा उठाया. उन्होंने विधानसभा में तोपचांची प्रखंड के पावापुर पंचायत के कल्याणपुर गांव निवासी ज्ञानचंद महतो की हाथियों द्वारा कुचलने से हुई मौत का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि हाथियों के द्वारा गरीबों के मिट्टी के घरों को तोड़ दिया जाता है जिसमें ग्रामीणों को काफी कम मुआवजा राशि मिलता है. उन्होंने हाथियों द्वारा घरों को नुकसान पहुंचाने पर उचित मुआवजा राशि देने की बात कही. हाथियों द्वारा इंसान की मौत पर चार लाख की मुआवजा राशि को अधिक करने की बात भी कही. उन्होंने कहा कि हाथियों के द्वारा तोड़े गए घरों को मुआवजा के तौर पर बहुत कम राशि दी जाती हे. उन्होंने मुआवजा राशि को अधिक देने की बात विधानसभा में उठाया.

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

अधिकारियों को घंटों कमरे में बंद कर किया विरोध प्रदर्शन

▪ अंडर ग्राउंड कटौती से आक्रोशित कर्मियों ने अधिकारियों को बनाया बंधक

संवाददाता । तेतुलमारी

तेतुलमारी कोलियरी के पीएसटी दो नंबर के कर्मियों का अंडर ग्राउंड भक्ता कटौती होने पर नाराज कर्मी ने शुक्रवार को संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जमकर बवाल काटा. इस दौरान आक्रोशित कर्मियों ने परियोजना पदाधिकारी पंकज कुमार व प्रबंधक संतोष चौधरी को बंधक बनाकर एक कमरे में बंद कर दिया और विद्युत आपूर्ति विच्छेद कर दिया. कर्मी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर रहे थे. मोर्चा के शहजाद हुसैन ने कहा कि पीएसटी दो नंबर भुमिगत खदान मे कुल 239 कर्मी कार्य करते हैं. जिसमें मात्र 60 लोगों का नाम अंडर ग्राउंड भत्ता की सूची में नाम शामिल किया गया है जबकि शेष कर्मियों का नाम शामिल नहीं किया गया है, उन्होंने कहा कि 10 दिनों पूर्व समस्या प्रबंधन के समक्ष रखी थी, उस समय प्रबंधन ने समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया था लेकिन आज भी मामला जस का तस है. उन लोगों ने प्रबंधक संतोष चौधरी के खिलाफ भी कई गंभीर आरोप लगाए. करीब ढाई घंटे के बाद कंपनी कोलियरी के पीओ एन प्रसाद मौके पर पहुंचे और मोर्चा समर्थकों को समस्या समाधान करने की बात कही. तब जाकर अधिकारियों को बंधक मुक्त किया गया. मौके पर लक्ष्मण पासवान, मनोज साव,सुरेन्द्र चौहान, सुनील चौहान, भीम महतो, सुरेश महतो, अतुल प्रियदर्शी, चंद्रमा कुमार, पंकज वर्मा अभिनव सिंह आदि शामिल थे.

विद्यालयों के प्रधानाध्यापक की मासिक गुरु गोष्ठी

निरसा । पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत शैक्षणिक अंचल निरसा 3 अंतर्गत सभी कोटि के सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक की मासिक गुरु गोष्ठी-सह- समीक्षात्मक बैठक शुक्रवार को उच्च विद्यालय कुमारधुवी में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी निरसा-3 सपन कुमार मंडल की अध्यक्षता में आयोजित की गयी.बैठक में शत प्रतिशत छात्रों की उपस्थित, नामांकन, वर्ग वार कोटिवार छात्र संख्या, आधार एवं बैंक खाता, विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम विभिन्न गतिविधियां, विद्यालय के सप्ताहिक रूटिंग, शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति, मध्याहन भोजन की समीक्षा, विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, इको क्लब का गठन, बाल विवाह उन्मूलन, प्रोजेक्ट रेल उत्तर पुस्तिका जांच, आगामी विधानसभा निर्वाचन चुनाव के निमित्त अनिवार्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने आदि विषयों पर चर्चा तथा निर्देश दी गई.

जमीन जालसाजी में 2 करोड़ से अधिक की ठगी

संवाददाता । तोपचांची

जमीन जालसाजी में सनाउल जा चुका है जेल

तोपचांची प्रखंड लेदाटांड निवासी सनाउल मुस्तफा पहले भी जमीन जालसाजी के मामले में जेल का हवा खा चुके हैं. फिलहाल बेल पर सनाउल मुस्तफा जेल से बाहर है. इस मामले में भी उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है.

जमीन के नाम दो करोड़ की ठगी का एक मामला तोपचांची थाना क्षेत्र के कोटालअड्डा में प्रकाश में आया है. जहां जमीन दलालों व रैयतों ने रियल एस्टेट क्षेत्र के व्यवसाय को ही चुना लगा दिया है. मामले को लेकर थाने में शिकायत की गई है. पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है. ये है मामला : वर्ष 2020 में रियल एस्टेट के व्यवसाय गिरिडीह निवासी अनिल राज से धनसार निवासी अजीत कुमार ने करीब 33 एकड़ जमीन का एग्रीमेंट किया था. वर्ष 2023 में संबंधित जमीन के एवज में करीब एक करोड़ चौरासी लाख रुपए का भुगतान किया गया. भुगतान के बाद पता चला कि जमीन को रैयतों से बिना एग्रीमेंट का ही एग्रीमेंट कर दिया गया है. ना ही एग्रीमेंट किया और न ही जमीन का कोई रास्ता था.अजीत कुमार के साथी कोरकोट्टा निवासी सुरेश ठाकुर को जमीन के एवज में करीब 32 लाख रुपए का भुगतान किया था. रियल एस्टेट के व्यवसाय अनिल राज ने तोपचांची थाना में पांच नामजद के खिलाफ जमीन में जालसाजी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है. उन्होंने 2 करोड़ से अधिक रुपए का ठगी का आरोप लगाया है.

शहीद शक्ति नाथ महतो की 76 वीं जयंती धूमधाम से संपन्न

संवाददाता । तेतुलमारी

शहीद शक्ति नाथ महतो की 76 वीं जयंती शुक्रवार को बैजकारटांड स्थित शक्ति चौक में धूमधाम के साथ मनाई गई, लगातार हो रही बारिश बावजूद भी लोगों की भीड उमड़ी. लोगों ने बारी-बारी से शहीद के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. ततत्पश्चात स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया. कार्यक्रम के बाद नटूवा नाच का आयोजन किया गया, जरूरतमंदों के बीच अन्न व वस्त्र वितरण किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत शहीद की पत्नी सूची देवी व पुत्री अंजना देवी ने उनकी प्रतिमा की पूजन के साथ की. माल्यार्पण करने वालों में झामुमो के वरीय नेता रतिलाल टुडू, बाघमारा डीएसपी आनंद ज्योति मिंज, मासस नेता हलधर महतो, राजद प्रखंड अध्यक्ष रोहित यादव, राजेंद्र प्रसाद राजा, कंचन महतो, जदयू प्रदेश महासचिव दीपनारायण सिंह, जेबीकेएसस के सुप्रीमो जयराम महतो सहित अन्य ने शाहिद शक्ति नाथ की आदमकद प्रतिमा पर माला अर्पण किया. वक्ताओं ने शक्तिनाथ के विचारधाराओं पर बताते हुए कहा कि शहीद शक्तिनाथ महतो झारखंड के हक-अधिकार के लिए बहुत सा आंदोलन किया था. यूथ फोर्स के दीप नारायण सिंह,कतरास एपीएम रामानुज प्रसाद मजदूर नेता छोटू सिंह शाहिद के पुत्र मनोज महतो, दामाद शिव प्रसाद महतो मौजूद थे.

झामुमो नेता हरेन्द्र चौहान ने दी श्रद्धांजलि

धनबाद । बाघमारा विधानसभा के झामुमो नेता हरेन्द्र चौहान ने शहीद शक्तिनाथ महतो 76वीं जयंती पर उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. मौके पर हरेन्द्र ने कहा कि शहीद शक्ति नाथ महतो ने महज 29 वर्ष की आयु में गुंडों, माफिया, सूदखोर और महजनों से लड़ाई लड़ी. उन्होंने आगे कहा कि गरीब, मजदूर, छात्र, शोषित, पीड़ित के लिए जो काम किया है. वह हमेशा पूरे कोयलांचल में याद किया जायेगा. अरविंद चौहान, अरुण चौहान, मिंटू चौहान, सूरज मंडल, शिबू मंडल, निर्मल चौहान, सोनू कुमार चौहान एवं जुबेर अंसारी ने भी शहीद के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.

सीएम आवास के समक्ष आमरण अनशन को लेकर कसी कमर

संवाददाता । निरसा

5 अगस्त से राज्य समिति के आह्वान पर मुख्यमंत्री आवास के समक्ष होने वाली अनिश्चितकालीन आमरण अनशन की सफलता को लेकर शुक्रवार को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की शैक्षणिक आंचल निरसा 3 प्रखंड स्तरीय समिति की बैठक अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ निरसा 3 इकाई के अध्यक्ष प्रमोद कुमार झा की अध्यक्षता में उच्च विद्यालय कुमारधुवी में संपन्न हुई. बैठक को संबोधित करते हुए अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ निरसा तीन इकाई के अध्यक्ष प्रमोद कुमार झा ने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपनी पुरानी मांग सुनिश्चित वृद्धि उन्नयन योजना, छठे वेतनमान मूल कोटि के लिए न्यूनतम आरंभिक वेतन रुपया 16290 निर्धारित करने, अंतर जिला स्थानांतरण के नियम का सरलीकरण कर शिक्षकों को अपने गृह जिले में पद स्थापित होने का अवसर प्रदान करने की मांग को लेकर राजभवन में रांची के समीप डॉक्टर जाकिर हुसैन पार्क के निकट 5 अगस्त से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन आमरण अनशन में भाग लेने की अपील की. राज्य प्रतिनिधि राजीव रंजन मिश्र ने कहा कि दुर्भाग्य है कि इतने दिनों के बाद भी शिक्षकों की जायज मांगों की ना तो पूर्ति हुई और ना ही सरकारी या विभाग की ओर से सकारात्मक पहल ही दिखाई दी. बैठक में सागर दारिपा, विनोद चौधरी, मोहम्मद सोहेल, शैलेंद्र कुमार, मुराद हुसैन, मंसूर रहमान, शमशेर अंसारी, प्रतिमा धारा, लिपिका दास, एमडी सलीम, कामू प्रसाद, संतलाल बैठा, उत्तम घाटी, संजय कुमार सिंह, अब्दुल सत्तार, विनीत कुमार मिश्रा उपस्थित थे.

नल-जल योजना की सोलर प्लेट चोरी

तोपचांचीः तोपचांची थाना क्षेत्र के तांतरी पंचायत अन्तर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय विष्णु मंदिर में 15वीं वित्त से बना नल जल योजना के सोलर प्लेट को अज्ञात चोरों ने चुरा लिया है. 15वीं वित्त आयोग से विद्यालय में पेयजल आपूर्ति के लिए विद्यालय के छत पर टंकी व सोलर प्लेट लगाया गया था. विद्यालय के शिक्षक सुनील कुमार सिंह चौधरी ने बताया कि सुबह स्कूल खोल अंदर प्रवेश किया.पानी से स्विच ऑन करने गया तब पता चला कि स्कूल के छत में लगा सोलर प्लेट गायब है. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी अज्ञात चोरों द्वारा स्कूल के गैस सिलेंडर व अन्य सामानों की चोरी हो गई थी. थाना में लिखित शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाई. उन्होंने बताया कि थाना द्वारा शिकायत के रिसिविंग लेने के बाद बार-बार घुमाया जाता है. खबर लिखे जाने तक सोलर प्लेट चोरी के संबंध में तोपचांची थाना में शिकायत नहीं दी गई थी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

धनबाद, शनिवार 03 अगस्त 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 116

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

रंजय हत्याकांड

जब्त वस्तुओं को मंगवाने की याचिका

धनबादः विधायक संजीव के करीबी रंजय सिंह ऊर्फ रवि रंजन सिंह की हत्या के मुकदमे में शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीसी अवस्थी की अदालत में सहायक लोक अभियोजक उमेश दीक्षित ने आवेदन देकर पुलिस द्वारा जप्त किए गए वस्तुओं, खून लगा कपड़ा, गोली का खोखा, को मंगवाने की प्रार्थना अदालत से की है. अदालत ने माल खाना प्रभारी को जब्त किए गए वस्तुओं को पेश करने का आदेश दिया है. सुनवाई के दौरान जेल में बंद आरा बेरथ निवासी नंद कुमार सिंह उर्फ बबलू उर्फ रूना सिंह उर्फ मामा को रांची के होटवार जेल से वीसीएस द्वारा पेश किया गया.

नाबालिग के अपहरण दुष्कर्म में दस वर्ष कैद

धनबाद : नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म करने के एक मामले में पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी चांदमारी धनसार निवासी अरूण हाड़ी को दस वर्ष कैद एवं बारह हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है. गुरुवार को अदालत ने उसे दोषी ठहराया था. मामले की प्राथमिकी पीड़ित की मां की शिकायत पर धनसार थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक आठ जनवरी 24 की रात्रि करीब आठ बजे आरोपी अरूण पीड़िता को शादी की नीयत से घर से बहला फुसलाकर अपने चाचा के घर ले गया था और उसके साथ दुष्कर्म किया था.

मैथन में एक घर का ताला तोड़कर चोरी

मैथनः डीवीसी मैथन आवासीय परिसर के एरिया पांच में अभिमन्यु प्रसाद के डीवीसी आवास का ताला तोड़कर चोरों ने गुरुवार की रात पचास हजार रुपये की सम्पत्ति चुरा ली है. घटना के समय गृहमालिक प्रसाद देवघर गये हुए थे. इस संबंध में प्रसाद ने मैथन ओपी में शिकायत दर्ज कराई है. मैथन पुलिस घटनास्थल पहुंचकर मामले की छानबीन की हे. प्रसाद ने बताया कि अलमीरा तोड़कर उसमें रखे 4 सौ ग्राम के चांदी के जेवर एवं 25 चांदी के सिक्के सहित करीब 50 हजार रुपये की संपत्ति चोरी हुई है.

दस वर्षों से फरार आरोपी गिरफ्तार

मैथनः बिहार के पटना जिले के बाढ़ थाना थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम ने गलफरबाड़ी पुलिस के सहयोग से छापामारी कर ठगी के एक मामले में नामजद अभियुक्त कुसुमकनाली निवासी बबलू कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है. कागजी कार्रवाई पूरी कर उसे बाढ़ थाना पुलिस उसे अपने साथ ले गये1 बाढ़ थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार बबलू कुमार के खिलाफ 26 मार्च 2014 को कांड संख्या 105/14 धारा 406, 420 एवं 120 बी के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था. वह पिछले दस साल से फरार चल रहा था. गुप्त सूचना पर कार्रवाई की गयी.

आसमान से बरसी आफत की बूंदें

- दो दिनों से भारी बारिश के कारण कोयलांचल में जनजवीन ठप
- दर्जनों इलाके तालाब में तब्दील, सड़कों पर भी घुटने तक पानी
- रिहाइशी इलाकों का बुरा हाल, अपार्टमेंट के बेसमेंट में खड़ी गाड़ियां डूबी
- अग्नि प्रभावित व भू-धंसान वाले क्षेत्रों में हड़कंप, कई इलाकों में गैस रिसाव
- बीसीसीएल में उत्पादन बुरी तरह प्रभावित, डिस्पैच में भी गिरावट
- भारी बारिश के कारण कई स्कूलों में छुट्टी की घोषणा

सीजन की सर्वाधिक बारिश 94.7 एमएम

संवाददाता। धनबाद

धनबाद : धनबाद और आसपास के इलाकों में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण जन जीवन थम गया है. जिले के कई रिहाइशी इलाकों में भारी बारिश के कारण घरों में पानी प्रवेश कर गया. मैथन में बहनी वाली झिलिया नदी में उफान आ गया है. इस कारण सैंकड़ों घरों में नदी का पानी प्रवेश कर गया है.अग्नि प्रभावित और भू धंसान क्षेत्र में खतरा बढ़ गया है. कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. बीसीसीएल प्रबंधन की सांसें भी अटकी हुई हैं. स्कूलों में भी बच्चों की उपस्थिति पर बारिश ने असर डाल दिया है. कई स्कूलों में शनिवार को छुट्टी की घोषणा कर दी गई है. गुरुवार की शाम से ही जिले में लगातार बारिश हो रही है. पूरी रात बारिश के बाद दिन में जारी बारिश के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया. नबाद शहर भी पूरी तरह पानी से लबालब हो गया है. नालियां और नाले विकराल रूप ले चुके हैं.
नालों के किनारे घर बनाकर रहने वालों के लिए बारिश ने खतरे की घंटी बजा दी है. झरिया के जामाडोबा इलाके के आलमनगर में लगभग दो सौ घरों का इलाका पूरी तरह तालाब बन चुका है.यहां से लोग जान बचाने के लिए दूसरी जगहों पर जा रहे हैं. बारिश का प्रभाव बीसीसीएल की उत्पादन और डिस्पैच भी बुरी तरह पड़ा है. शुक्रवार को उत्पादन लगभग आधा हो गया और डिस्पैच कार्य में भी भारी गिरावट देखने को मिली है. जबकि भू धंसान और अग्नि प्रभावित इलाकों से कोई बड़ी दुर्घटना की खबर नहीं आई है लेकिन यहां के लोगों में खौफ का माहौल कायम है.

झिलिया नदी में उफान
दहशत में सैंकड़ों परिवार

- सैंकड़ों घरों में घुसा नदी का पानी, जान बचाने घर छोड़ कर निकले लोग
- पूर्व विधायक अरूप चटर्जी व प्रखंड विकास पदाधिकारी ने लिया इलाके का जायजा

संवाददाता। मैथन

गुरूवार की रात से क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण झिलिया नदी में उफान आ गया है1 कुमारधुबी क्षेत्र के शिवलीबाड़ी पूरब पंचायत और मैथन क्षेत्र के मेढ़ा पंचायत के झिलिया नदी किनारे बसे

सैकड़ों घरों में पानी घुस गया है. शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत भवन में भी पानी प्रवेश कर गया. पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जान बचाने के लिए लोग आसपास के सुरक्षित घरों में शरण ले रहे हैं.
इल इलाके के लोगों में दहशत का यह आलम है खाना-पानी बंद कर लोग बारिश रुकने की प्रार्थना कर रहे हैं, यदि बारिश नहीं रुकी तो यहां के हालात काफी खराब हो सकते हैं, जान-माल का भारी नुकसान का खतरा बना हुआ है. यहां के हालात की खबर पाकर पूर्व विधायक अरूप चटर्जी, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत कई जनप्रतिनिधियों ने दौरा किया. नदी में उफान का जायजा लेने शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत मुखिया तनवीर आलम व भाकपा माले नेता नागेंद्र कुमार, मनोज यादव आदि ने यहां के लोगों से मुलाकात की. मुखिया आलम ने सुरक्षित जगह पर जाने की लोगों से अपील की है. सिर्फ शिवलीबाड़ी व मेढ़ा ही नहीं बल्कि चिरकुण्डा नगर परिषद के कई घरों में पानी प्रवेश कर चुका है. प्रशासन की देर शाम तक किसी तरह की पहल नहीं होने से लोगों में गुस्सा है. ड़ित परिवारों ने बताया कि वे अपनी जान बचाकर परिवार के साथ घर से निकल गये, परंतु खाद्य सहित अन्य समाग्री बाहर नहीं निकाल पाए. सुरक्षित इलाकों में यहां के लोग जा रहे हैं.

स्कूल भवन में ले रहे शरण

झिलिया नदी में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का एग्यारकुंड बीडीओ मधु कुमारी एवं पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने प्रभावित लोगों से उनकी समस्याएं सुनीं. बीडीओ मधु कुमारी ने प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराने एवं खाने-पीने की व्यवस्था करने की आश्वासन दिया. कुमारधुबी क्षेत्र के बाघाकुड़ी एवं बगानधौड़ा क्षेत्र के करीब सौ घरों में पानी घुस गया है. लोग जहां-तहां शरण ले रहे हैं, नया नगर प्राथमिक विद्यालय में कुछ परिवार शरण लिए हुए हैं.

ये इलाके हुए जलमग्न

धनबाद : वार्ड नं 23 के श्याम विहार कॉलोनी, वार्ड नं 22 अंतर्गत न्यू बैंक कॉलोनी में घरों में पानी घुस गया है. भुईफोड़ मंदिर के पास सड़क पूरी तरह जलमग्न हैं. वार्ड नं 23 के चाणक्य नगर एवं सिम्फ़र में भी जलजमाव से लोगों को काफी परेशानी हुई. हमेशा की तरह रानी बांध एवं ग्रेवाल कॉलोनी में जलजमाव की स्थिति भयावह हो गई है. यहां कई फुट तक पानी भर गया. रानीबांध में घरों में पानी प्रवेश करने से घरों के समान तक तैरने लगे. रानीबांध के हालात को देखकर सुबह से ही सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक खुद खड़े होकर पानी की निकासी का कार्य करवा रहे हैं. निगम के आधा दर्जन कर्मी यहां लगे दिखे. वार्ड 30 के पतराकुल्ही आदर्श नगर, बाबुडीह, राज कालोनी के कई घर में भी पानी घुस गया है.

ग्रेवाल कॉलोनी

आज शाम तक राहत की उम्मीद : डा. यादव

धनबाद : बादलों की ट्रैकिंग करने वाले विज्ञानी डा. एसपी यादव ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से एक साइक्लोन उठा है तो धनबाद से गुजर रहा है, इस कारण धनबाद में जोरदार बारिश हो रही है. धनबाद के बाद संभवताः ये हजारीबाग-रांची होते हुए छत्तीसगढ़ और फिर महाराष्ट्र की तरफ निकल जाएगा. इस कारण इन रास्तों में भारी बारिश होगी. साइक्लोन की ये यात्रा महाराष्ट्र तक पहुंचने में लगभग चार दिन की हो सकती है. धनबाद के बारे में उन्होंने बताया कि शनिवार की शाम तक बारिश से निजात मिल जाएगी. जबकि रांची आदि क्षेत्रों में भारी बारिश जारी रहेगी. खासकर महाराष्ट्र में भारी बारिश की आशंका बनी हुई है.

न्यू बैंक कॉलोनी

आईएसएम के पास

श्याम बिहार कॉलोनी

भुईफोड़ मंदिर के पास

नाले की सफाई करते निगम कर्मी

तबाही तालाब में बदल गया इलाका- जान माल का खतरा, खाने-पीने के सामान भी हो गए खराब

आलमनगर के 200 घरों में घुसा नाले का गंदा पानी

रनजीत कुमार सिंह। धनबाद

झरिया के जामाडोबा स्थित आलमनगर में नगर निगम की लापरवाही से लगातार 12 वर्षों से 200 घरों में ड्रेन का ओवरफ्लो पानी घुस रहा है. इससे यहां रह रहे लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है .जानमाल के साथ-साथ खाद सामग्री भी खराब हो रहे हैं. यही नहीं यहां के लोगों द्वारा कई बार विभाग के अधिकारियों को लिखित शिकायत भी की गई. बावजूद इसके आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई .नतीजा यह है कि प्रत्येक वर्ष बरसात में आलमनगर के सैकड़ों घर ड्रेन के गंदे पानी से तालाब बन जाता हैं. इससे यहां रह रहे लोगों में निगम के

अधिकारियों व सुपरवाइजर के प्रति काफी आक्रोश है.

स्थानीय निवासी पीड़ित **हसीना खातून ने कहा** कि निगम के अधिकारी व सुपरवाइजर की लापरवाही के कारण प्रत्येक वर्ष इलाका तालाब में बदल जाता है.अचानक घरों में नाले का पानी घुसने से खाने-पीने के सामान खराब हो गए, बर्तन तक बह गए. ऐसे हालात में बच्चों के साथ दूसरे घर में शरण लेना पड़ता है. उक्त मामले को लेकर कई बार निगम के अधिकारियों को लिखित शिकायत की गई . पर आज तक आलम नगर के नाले की समस्या का समाधान नही हुआ आज भी स्थिति जस की तस है .

मोहम्मद जसीम ने कहा कि यह समस्या कोई नई नहीं है.पिछले 12 वर्षों से आलमनगर के सैकड़ों घर प्रत्येक बरसात में डूब जाते हैं, तालाब जैसी स्थिति उतपन्न हो जाती है .इसके कारण लोगों को अपने घर छोड़ दूसरे घरों में रहना पड़ता है. वार्ड पार्षद ने भी अपने कार्यकाल में आज तक इस समस्या का निदान नहीं किया और ना ही निगम के अधिकारी व सुपरवाइजर ने इसके बारे में कुछ सोचा.उन्होंने कहा कि अगर निगम के अधिकारी ड्रेनों की साफ-सफाई नियमित रूप से करें तो कभी भी नाले का गंदा पानी घरों में प्रवेश नहीं करेगा. उन्होंने कहा कि घरों में गंदा पानी प्रवेश करने से भयानक बीमारियों के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी नुकसान होता है .विभाग के अधिकारियों को इसके प्रति गंभीर विचार करने की जरूरत है.

गुलशन बानो ने कहा कि मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण पोषण करते हैं . लेकिन प्रत्येक बरसात में घरों की स्थिति बद से बदतर हो जाती है .बर्तन और खाद सामग्री पानी में बह जाता है.ड्रेन का ओवरफ्लो पानी घर में प्रवेश करने से कई बार गंभीर बीमारियां भी हुई है. बावजूद इसके आज तक निगम के किसी अधिकारियों ने आलमनगर के ड्रेनों की साफ-सफाई करने की जरूरत नहीं समझी. इसका नतीजा यह है कि आज भी स्थिति भयावह है.कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है. जिसकी जवाबदेही निगम के अधिकारियों कि होगी.

भारी बारिश को लेकर निगम ने बनाई क्यूआरटी

धनबाद । धनबाद में लगातार हो रही भारी बारिश से होने वाली जलजमाव से निपटने के लिए नगर निगम ने क्यूआरटी का गठन किया है. निगम के सभी अंचलों के लिए अलग-अलग क्विक रेस्पॉन्स टीम बनाई गई है. . सभी टीम में स्थानीय सुपरवाइजर समेत एक नगर प्रबंधक के साथ एक सहायक नगर आयुक्त को प्रतिनियुक्त किया गया है. नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने बताया कि दो दिनों तक भारी बारिश की आशंका जताई गई है. भारी बारिश के कारण निगम क्षेत्रों में जगह जगह जलजमाव से होने वाली समस्याओं से तुरंत निपटने के लिए क्यूआरटी का गठन किया गया है.

निगम ने आश्रयगृह की व्यवस्था कर दी मुफ्त

धनबाद। बारिश में फुटपाथ पर जिंदगी गुजारने वालों के लिए धनबाद नगर निगम अंतर्गत एनयूएलएम योजना के तहत तीन आश्रयगृहों में रहने की व्यवस्था मुफ्त कर दी है. गोल्फ ग्राउण्ड के समीप महिला आश्रयगृह, स्टील गेट के समीप एवं जुबेनाइल होम, बरमसिया के समीप पुरूष आश्रयगृह में ठहरने की मुफ्त सुविधा दी ज रही है. यहां स्वच्छ पेयजल एवं बिजली की व्यवस्था, स्नानागार एवं शौचालय की व्यवस्था, मच्छरदानी, बिस्तर, तकिया एवं कंबल की व्यवस्था तक उपलब्ध कराया जा रहा है. मुख्य सड़क से आश्रयगृह तक जाने के लिए गाड़ी दी जाएगी. खाना बनाने के लिए रसोई की व्यवस्था मुफ्त दी जा रही है. भारी बारिश के कारण आश्रयविहीन व्यक्ति अपना पहचान पत्र दिखा कर आश्रयगृहों की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं.

बारिश का कहर

12 घंटे की बारिश से दुर्गापुर शहर हुआ जलमग्न, लोग परेशान

शुकोपुकुर का बांध टूटा

झानकपुरा एनडीआरएफ की टीम पहुंची

बराकर सिद्धेश्वरी मंदिर

बैराज से छोड़ा गया पानी

जामुड़िया ईसीएल केंदा एरिया डूबा

बर्दवान के कई गांव डूबे

दुर्गापुर में कई घर डूबे

करखानों में घुसा पानी

कुन्नूर नदी में पानी बढ़ने से श्मशान घाट और इलाके डूबे

खास बातें

- लगातार बारिश से कई नदियों का जलस्तर बढ़ा

दुर्गापुर में लगातार 12 घंटे की बारिश ने शहर को जलमग्न कर दिया है। हजारों लोग पानी में फंसे हुए हैं और प्रशासन उनके बचाव के इंतजाम कर रहा है। नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और शहर के विभिन्न हिस्सों में पानी घुस गया है। दुर्गापुर नगर निगम के कई वार्डों में घरों में पानी घुस गया है और सड़कें जलमग्न हैं। प्रशासन ने पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए काम शुरू कर दिया है। जगह-जगह पेड़ गिर गए हैं और दीवारें और कच्चे मकान ढह गए हैं, लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दुर्गापुर की जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और कुन्नूर नदी और अन्य नदियाँ खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। पानी से घिरे लोग भयभीत हैं और प्रशासन ने उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए काम शुरू कर दिया है।

- बर्दवान के कई इलाकों में खेती की जमीन हुई बेकार
- जलजमाव वाले इलाकों के निवासियों ने दुर्गापुर नगर निगम के प्रतिनिधियों के खिलाफ गुस्सा जताया
- दुर्गापुर नगर निगम की मुख्य प्रशासक अनिंदिता मुखोपाध्याय ने आश्वासन दिया है कि पानी में फंसे लोगों को बचाया जाएगा
- आपदा प्रबंधन विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन की नदी तटवर्ती इलाके में विशेष निगरानी शुरू

चक्रवात के कारण अगले 7 दिनों तक पूरे राज्य में भारी बारिश होगी

भारी बारिश के कारण सभी नदियों में पानी बढ़ रहा है. कुनूर नदी भी बह रही है. कांकसर का कुलदिहार श्मशान घाट कुन्नूर और आसपास की कई जमीनें पानी में डूब गई हैं. गुरुवार शाम से लगातार बारिश हो रही है. इस बारिश से कुनूर नदी का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है. पानी कुलदिहार में कुन्नूर ब्रिज और ढाबनी ब्रिज के समान ऊंचाई पर बह रहा है। धावनी, अकंदरा, मालनदिघी सहित कांकसा और पूर्वी बर्दवान के कई इलाकों में खेती की जमीन भी कुन्नूर नदी के पानी में डूबी हुई है, जलजमाव वाले इलाकों के निवासियों ने दुर्गापुर नगर निगम के प्रतिनिधियों के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया है। उनकी शिकायत है कि वे जल संकट से जूझ चुके हैं, लेकिन शहर के प्रतिनिधि अब तक नहीं मिले हैं हालांकि, दुर्गापुर नगर निगम की मुख्य प्रशासक अनिंदिता मुखोपाध्याय ने ईटीवी भारत को फोन पर बताया, रमैं सभी इलाकों में जाऊंगी. पानी में फंसे लोगों को बचाया जाएगा और स्थानांतरित किया जाएगा.

राज्य में बारिश का कहर बनी बाढ़ जैसी स्थिति

एनडीआरएफ की टीम ने लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा

- बारिश में निचले भूभाग पर रहने वाले लोगों का हाल बेहाल
- चुना भट्टी क्षेत्र में हर साल वर्षा काल में यह स्थिति होती है उत्पन्न
- नगर निगम की ओर से अभियंताओं की टीम ने समस्या के समाधान हेतु कदम उठाए थे, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है

संवाददाता । बराकर

सावन मास की बारिश ने निचले भूभाग पर रहने वाले लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। लोगों के घर वर्षा के पानी में डूब रहे हैं और उन इलाकों में बाढ़ जैसी हालात उत्पन्न हो गई है। पुलिस प्रशासन की ओर से पीड़ित लोगों को पानी वाले इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। गुरुवार से शुरू हुई लगातार झमाझम वारिस ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। निचले भूभाग में रहने वाले लोगों के घरों में वर्षा का पानी प्रवेश कर गया है और कई घर पानी में डूब चुके हैं। गलियों की सड़कों पर तेज रफ्तार में पानी की धारा प्रवाहित हो रही है। पुलिस प्रशासन ने धीवर पाड़ा के युवकों को लेकर जलमग्न इलाकों में पहुंचकर लोगों को पानी से बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान पर भेजने का कार्य आरंभ कर दिया है। पीड़ित लोगों ने बताया कि पुलिस प्रशासन के सहयोग से उन्हें मदद पहुंचाया जा रहा है। वहीं युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रवि यादव ने नगर निगम पर सवाल खड़े किए और कहा कि जल निकासी की व्यवस्था अच्छी नहीं होने के कारण यह जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने नगर निगम के मेयर से अनुरोध किया है कि वार्डों में हो रहे विकास कार्य का निरीक्षण करना चाहिए।

जामुड़िया में हुआ जीना मुहाल

जामुड़िया : लगातार हो रही बारिश के कारण जामुड़िया में जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। गुरुवार रात से लगातार हो रही बारिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है और लोगों में भय व दहशत बना हुआ है। कोयलांचल इलाकों में रह रहे लोग किसी भी अनहोनी घटना होने से सहमे हुए हैं। इसी बीच, ईसीएल केंदा एरिया अंतर्गत न्यू केंदा कोलियरी के ईस्ट केंदा गोसाई बाबा मंदिर के पास स्थित एक चिल्ड्रन पार्क में गोफ बनने से लोग आतंकित हैं। जैसे-जैसे बारिश हो रही है, वैसे-वैसे गोफ का दायरा बढ़ता चला जा रहा है, जो लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। स्थानीय जानकारों का कहना है कि गोसाई बाबा मंदिर के पास दशकों पहले ईसीएल के एक इनक्लाइन कोयला खदान चलता था, जो अभी बंद पड़ा हुआ है। हो सकता है कि इनक्लाइन की भराई ईसीएल द्वारा सही से नहीं कराए जाने के कारण भू-धंसान व गोफ बनने की घटना घटित हो रही है। गोफ का दायरा धीरे-धीरे बढ़ने और लगातार हो रही बारिश लोगों के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। भू-धंसान प्रभावित इलाका केंदा में अनगिनत बार जमीन बैठने, गोफ बनने, जमीन के नीचे से आग, धुवां निकलने की घटना घटित हो चुकी है।

दुर्गापुर में बारिश से तबाही, बैराज से छोड़ा गया पानी

दुर्गापुर : आसनसोल के साथ-साथ इस्पात नगरी दुर्गापुर शहर के विभिन्न इलाके भी भारी बारिश के कारण जलमग्न हो गए हैं। दुर्गापुर के सभी 43 वार्डों में बारिश के कारण हुए जलजमाव से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। मेनगेट से सटा तमला नदी के पानी में डूब गया है, घरों में भी पानी घुस गया है और लोगों ने अन्यत्र शरण ली है। भारी बारिश के बाद दुर्गापुर बैराज से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। दोपहर तक 20 हजार 625 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था।

शुकोपुकुर का बांध टूटा, बाढ़ का खतरा

अंडाल : भारी बारिश और बाढ़ के कारण उखरा गांव के सुको तालाब का बांध टूट गया. पानी के साथ कुछ क्विंटल मछलियाँ तालाब से बाहर आ गईं। बांध टूटने से आसपास के कुछ गांवों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. गुरुवार दोपहर से बारिश शुरू हो गई। रात भर हुई बारिश से उखरा गांव के सुको तालाब का बांध गुरुवार की देर रात टूट गया. पानी के साथ कुछ क्विंटल मछलियाँ तालाब से बाहर आ गईं।

सृष्टि प्रकल्प के तहत महिलाओं को 150 बतख मिले

सांकतोड़िया: नितुरिया प्रखंड के हांसा पाथर में माटी सृष्टि प्रकल्प के तहत महिलाओं को उन्नत तकनीक से हंस पालन करने के लिए 150 बतख और उनका भोजन सौंपा गया। इस कार्यक्रम में नितुरिया पंचायत समिति के अध्यक्ष शांतिभूषण प्रसाद यादव, ब्लॉक प्राणी संपदा उन्नयन अधिकारी शुभंकर महतो, पूर्त कर्माध्यक्ष याकूद अंसारी, नितुरिया ब्लॉक के संयुक्त बीडीओ सुब्रत विस्वास सहित अन्य लोग उपस्थित थे। पशु संसाधन विकास अधिकारी शुभंकर महतो ने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार की आत्मा परियोजना के वित्तीय सहयोग से नितुरिया ब्लॉक के हांसापाथर माटी सृष्टि प्रकल्प में इस फार्म स्कूल में 25 उपभोक्ताओं को बेहतर तरीके से बत्तख पालने का तरीका सिखाया गया है। इन बत्तखों को पालकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।

पुरुलिया के सैकड़ों परिवार परेशानी में

पुरुलिया। जिले में दिन-रात वर्षा के कारण झालदा दारदा ग्राम पंचायत के देवानडेरा गांव के नामो पाड़ा झुग्गी बस्ती में सड़कों पर जलजमाव हो गया है, जिससे सैकड़ों परिवारों को सड़क पार करने में भारी परेशानियां हो रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि देवंडेरा गांव में झालदा 2 नंबर ब्लॉक और झालदा 1 नंबर ब्लॉक मोड़ का पक्की करण कुछ दिन पहले ही किया गया था, लेकिन झालदा 1 नंबर ब्लॉक के झालदा दारदा ग्राम पंचायत के देवंडेरा नामोपाड़ा स्थित सड़क के किनारे पानी की निकासी नहीं होने से पानी का जमाव हो गया है, जिससे सड़क का उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि समस्या का तुरंत समाधान किया जाए ताकि सड़क चलने लायक हो सके।

दुर्गापुर स्टील फैक्ट्री में गैस रिसाव से दो बीमार

अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया

संवाददाता । दुर्गापुर

राज्य के स्वामित्व वाली दुर्गापुर स्टील फैक्ट्री में फिर से गैस रिसाव हुआ। दो गंभीर रूप से बीमार हुए. गंभीर रूप से बीमार दो कर्मचारी स्वरूप घोषाल और उत्तम मुर्मू बताए गए हैं। ईलाज के लिए दोनो को दुर्गापुर इस्पात अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना से कार्यकर्ताओं में काफी आक्रोश फैल गया. कांग्रेस श्रमिक संगठन हिंदुस्तान स्टील वर्कर्स यूनियन के संयुक्त सचिव रजत दीक्षित ने शिकायत की, स्वरुप घोषाल उत्तम मुर्मू रात की पाली के बाद शुक्रवार सुबह स्टील फैक्ट्री के कोक ओवन प्लांट में काम कर रहे थे। तभी गैस रिसाव हुआ। सुबह हमें खबर मिली कि दो स्थायी कर्मचारी स्वरूप घोषाल और उत्तम मुर्मू को गैस के कारण बेहोश हो गये। उन्होने कहा की इस तरह का घटना बार बार प्लांट के भीतर हो रही है अगर भविष्य में ऐसी घटनाएं हुईं तो हम उनके खिलाफ बड़े आंदोलन की राह पर चलेंगे." स्टील प्लांट के अधिकारियों ने गैस रिसाव के कारणों की पूरी जांच का आश्वासन दिया है। दोनों मजदूरों की हालत स्थिर बताई जा रही है.

इंस्टॉलेशन समारोह में पूरे जिले के लायस सदस्य पहुंचे

रानीगंज। लायंस क्लब का दुर्गापुर का इंस्टॉलेशन समारोह संपन्न हुआ विभिन्न स्थानों से लायंस क्लब के पदाधिकारी उपस्थित हुए। कई भूतपूर्व लायंस जिला गवर्नर समारोह में उपस्थित होकर संस्था के गतिविधियों के बारे में प्रकाश डाला। रानीगंज लायंस क्लब के अध्यक्ष राजेश साव, मनजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, एवं और भी कई अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी पूर्व जिला पाल का स्वागत किया गया।

पश्चिम बंगाल में रोबोटिक सिस्टम से हुई सफल सर्जरी

एसएस इनोवेशन्स का उद्देश्य देश भर में आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी को सुलभ बनाना

खास बातें

- कम दर्द, कम खून का नुकसान, कम जटिलताएं और जल्दी ठीक होने जैसे कई फायदे

संवाददाता । आसनसोल

आसनसोल, पश्चिम बंगाल में हेल्थवर्ल्ड हॉस्पिटल्स में एसएस इनोवेशन्स द्वारा स्थापित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के साथ सफल सर्जरियां की गईं। यह भारत में निर्मित पहला सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम है जो मरीजों को बेहतर परिणाम देता है और सर्जनों को बेहतर सटीकता और नियंत्रण प्रदान करता है। एसएस इनोवेशन्स का उद्देश्य देश भर में आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी को सुलभ बनाना है, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिले और सर्जनों को बेहतर सटीकता और नियंत्रण प्राप्त हो।

एसएसआई मंत्रा की विशेषताएं

- रोबोट-असिस्टेड मिनिमल इनवेसिव सर्जरी में मरीज को दर्द कम होता है, खून का नुकसान कम होता है, जटिलताओं की संभावना कम हो जाती है और मरीज जल्दी ठीक होता है।
- इसमें 3-5 रोबोटिक आर्म्स का उपयोग किया जाता है, साथ ही इसमें ओपन-फेस अर्गोनोमिक सर्जन कमांड सेंटर, 32 इंच का बड़ा 3डी एचडी मॉनिटर, 23 इंच का 2 डी टच पैनल होता है।
- मॉड्युलर रोबोटिक आर्म के द्वारा आवश्यकतानुसार आर्म्स का उपयोग किया जा सकता है, जिससे सर्जिकल ऑपरेशन्स में किसी तरह के टकराव की संभावना नहीं रहती।
- इसमें 30 विभिन्न प्रकार के रोबोटिक एंडो सर्जिकल उपकरण होते हैं, जिनका उपयोग कार्डियक सर्जरी सहित विभिन्न प्रकार की सर्जरियों में किया जा सकता है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की उपायुक्त ने की समीक्षा

संवाददाता । बोकारो

न्याय सदन सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव ने शुक्रवार को बोकारो एवं चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ), बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ के साथ बैठक की. इस दौरान मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर) 2024 के तहत किए गए कार्य प्रगति जैसे बूथवार प्राप्त फॉर्म संख्या 6, 7 और 8 से संबंधित कार्यों का निष्पादन, बीएलओ रजिस्टर, हाउस टू हाउस सर्वे, स्टीकर चस्पा की क्रमवार समीक्षा की गई. इस दौरान कुछ बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर के हाउस टू हाउस सर्वे संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई. उन्होंने 75 फीसदी से कम हाउस टू हाउस सर्वे करने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया. वहीं इस कार्य की निगरानी नहीं करने पर संबंधित एईआरओ का वेतन 15 दिनों के लिए स्थगित करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि एसएसआर 2024 के तहत मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन हो गया है. सूची में कहीं कोई त्रुटि नहीं हो तो इसे 26 अगस्त तक सुधारा जा सकता है.

धनवार विधानसभा बना हॉट सीट, निरंजन राय की एंट्री ने मचाई खलबली

निगाह बाबूलाल मरांडी पर, क्षेत्र बदलने पर कौन होंगे भाजपा प्रत्याशी

खास बातें

- निरंजन राय को भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर बढ़ सकती है भाजपा की मुश्किलें

संवाददाता । अभय वर्मा

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के 6 विधानसभा सीटों में से फिलहाल सबसे हॉट धनवार विधानसभा बन गई है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का गृह नगर होने के कारण उनके चहेतों के चुनाव लड़ने की आकांक्षा उफान पर है. इन्हीं में शामिल हैं राज्य के बड़े संवेदक निरंजन राय. चार दिनों पूर्व धनवार विधानसभा क्षेत्र के पपीलो गांव आयोजित एक सभा में उन्होंने अपने समर्थकों के बीच चीख-चीख कर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया. फिलहाल बाबूलाल मरांडी धनवार के विधायक हैं. उनके क्षेत्र बदलने की चर्चा के बीच यहां भाजपा के कई उम्मीदवार चुनावी मैदान में कूदने का इरादा जता चुके हैं. पूर्व में यहां से भाजपा की टिकट पर पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह और रविंद्र राय चुनावी समर में कूद चुके हैं. दोनों राजनीति में अभी भी सक्रिय हैं. रविंद्र राय धनवार से दो बार विधायक और कोडरमा से एक बार सांसद रह चुके हैं. वहीं लक्ष्मण प्रसाद सिंह धनवार से दो बार चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन दोनों बार उन्हें शिकस्त मिली. हालांकि बाबूलाल के क्षेत्र बदलने की चर्चा के बीच लक्ष्मण सिंह भी अपनी उम्मीदवारी की आस लगाए बैठे हैं, पर दो बार चुनावी शिकस्त के बाद रविंद्र राय को राजनीतिक जीवनदान मिलने की उम्मीद है. ऐसे में निरंजन की दावेदारी ने लक्ष्मण और रविंद्र दोनों की नींद उड़ा दी है. यहां यह बताना लाजिमी है कि निरंजन राय बाबूलाल के खास सिपहसालार रहे हैं. झारखंड विकास मोर्चा से लेकर भाजपा में बाबूलाल की वापसी तक निरंजन उनके भरोसेमंद रहे हैं. इधर यह चर्चा भी जोरों पर है कि बगैर मरांडी के इशारा किए निरंजन चुनाव लड़ने को लेकर इतने उतावले नहीं हो सकते. निरंजन ने समर्थकों के बीच यहां तक ऐलान कर दिया कि भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ूंगा. अगर भाजपा टिकट नहीं देगी तो निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ूंगा. पार्टी सूत्रों की मानें तो लक्ष्मण सिंह पर कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी की छत्रछाया है. वहीं धन कुबेर संवेदक निरंजन राय पर मरांडी की विशेष कृपा रही है. बाबूलाल के राज्य के पहले मुख्यमंत्री बनने पर रविंद्र राय शैडो मुख्यमंत्री कहलाते थे. मरांडी की भाजपा से रुसवाई के बाद रविंद्र इन पर हमलावर रहे थे. बाबूलाल अपने दिल में वह टिस रखे होंगे तो रविंद्र राय के लिए टिकट पाना आसान नहीं होगा. फिलहाल देखना यह है कि बाबूलाल क्षेत्र बदलते हैं या नहीं? क्षेत्र बदलने पर इन्हीं तीनों में से किसी एक को टिकट मिलने की संभावना है. वहीं निरंजन राय को भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर यदि वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे तो भाजपा की मुश्किलें बढ़ेगी.

ब्रीफ खबरें

बीएसएल खिलाफ मजदूरों का धरना

बोकारो । बोकारो में इस्पात मजदूर मोर्चा (सीटू) के बैनर तले बीएसएल कैन्टीन के छंटनी ग्रस्त मजदूरों ने महात्मा गांधी गोलंबर सेक्टर 4 के समीप धरना दिया। मजदूरों ने बोकारो स्टील प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ विरोध जताया और अपनी मांगों के लिए शांतिपूर्ण आन्दोलन किया। युनियन के संयुक्त महामंत्री बीडी प्रसाद ने कहा कि 1978 में 128 कैंटीन मजदूरों की छंटनी की गई थी और 2009 में इंडस्ट्रियल ट्रीब्युनल राँची ने मजदूरों के पक्ष में फैसला दिया था।

डोनेट किए पांच पंखे

बोकारो। बॉक्सन ट्रस्ट ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सेक्टर 2 सी को पांच सीलिंग फैन डोनेट किया. इसके अलावा स्कूल के सभी बच्चों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी कराई. ट्रस्ट के सुशांत (96 बैच) ने अपनी बेटी की जन्मदिन पर भोजन की व्यवस्था की थी. इस अवसर पर उन्होंने अपनी बेटी का जन्मदिन भी केक काट कर मनाया.

बीएमएस के कई पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

कथारा । कथारा में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ के कई वरीय पदाधिकारियों ने अपना इस्तीफा दे दिया है। इसमें पूर्व जेसीसी सदस्य आर इग्नेश, पूर्व सेफ्टी सदस्य, पूर्व कल्याण सदस्य, और संगठन के पूर्व क्षेत्र सचिव राज कुमार मंडल शामिल हैं। इसके अलावा, पूर्व क्षेत्र सह सचिव देवनारायण यादव और कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी अपना इस्तीफा दे चुके हैं। श्रमिक नेता राज कुमार मंडल ने बताया कि संघ के केंद्रीय कार्य समिति के चुनाव में एक विवादास्पद व्यक्ति को पदाधिकारी बनाया गया था, जिसका क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने विरोध किया था। इसके बावजूद, केंद्रीय नेतृत्व ने उस व्यक्ति को संघ का केंद्रीय पदाधिकारी बना दिया,

मुख्यमंत्री मंईयां योजना पर कार्यशाला

गावां (गिरिडीह)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में शुक्रवार को मुख्यमंत्री मंईयां योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं, पंचायत सचिवों तथा प्रज्ञा केंद्र संचालकों ने भाग लिया. कार्यशाला में बताया गया कि पंचायत स्तर पर 3 से 10 अगस्त तक मुख्यमंत्री मंईयां शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वांछित प्रमाण पत्रों के साथ आवेदन जमा लिया जाएगा. शिविर में ही आवेदिकाओं का फोटो लिया जाएगा. बीडीओ महेंद्र रविदास ने सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को अपने-अपने निर्धारित पोषक क्षेत्रों में सर्वे पंजी कराने का निर्देश दिया, जिससे कोई भी योग्य लाभुक सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना से वंचित न रहे.

गोड्डा में हृदय जांच शिविर का आयोजन

गोड्डा। गोड्डा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की गोड्डा शाखा और पीयरलेस के सहयोग से एक मुफ्त हृदय जांच शिविर का आयोजन शनिवार को किया जा रहा है। सभापति मुकेश कुमार गाडिया ने बताया कि यह शिविर स्थानीय अग्रसेन भवन में दोपहर एक बजे से चार बजे तक चलेगा। पीयरलेस हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर कोलकाता के कार्डियक विशेषज्ञ डॉ प्रियदर्शन कोनार और उनकी टीम जांच करेंगे। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद ही जांच की जाएगी। शिविर के सफल संचालन के लिए पदाधिकारियों के साथ एक आवश्यक बैठक की गई है।

भारी बारीश से कई जगह जल जमाव, लोग परेशान

नाली के निर्माण से मिलेगा जल जमाव से छुटकारा

संवाददाता । गिरिडीह

गिरिडीह जिले के धनवार में भारी बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो गई हैं और गांधी चौक से राजधनवार तक जाने वाली मुख्य सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। जल जमाव के कारण राहगीरों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। इसके अलावा, नाली से पानी निकासी के लिए सड़क पर बने पुलिया को एक दूसरे से जोड़ा नहीं गया है, जिससे नाली की सारी गंदगी इरगा नदी में जा रही है और नदी का पानी दूषित होने की संभावना बनी हुई है। स्थानीय निवासी मंजूर अंसारी ने प्रशासन से मांग की है कि कोड़ाडीह मोड़ से केंदुआ तक नाली का निर्माण किया जाए, जिससे जल जमाव की परेशानी से छुटकारा पाया जा सके।

बारिश से जारंगडीह कथारा में जनजीवन अस्त-व्यस्त

जारंगडीह । कथारा में भी बीते गुरुवार की देर रात से हो रही लगातार मुसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बाजारों की रौनक भी फिकी बनीं रही।हो रही बारिश से लोग घरों में दूबके रहे ।अति आवश्यक पड़ने पर ही घरों से लोग निकले। दूसरी ओर दिहाड़ी मजदूर का कार्य लगातार हो रही बारिश से पूर्ण रूप से प्रभावित रहा। जारंगडीह सब्जी बाजार में भी सब्जी विक्रेता कमोवेश पहुंचे। लेकिन ग्राहकों को पहुंचता नहीं देख वे भी धीरे-धीरे अपनी दुकानें बंद कर घर चलते बने।

अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की हत्या की उच्च स्तरीय जांच की मांग

बोकारो। बोकारो में अधिवक्ताओं ने रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की हत्या के विरोध में एक मिनट का मौन रखा और श्रद्धांजलि दी। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी और उच्च स्तरीय जांच की मांग की। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि दो दिनों के अंदर हत्यारे नहीं पकड़े जाते हैं, तो पूरे राज्य के अधिवक्ता न्यायिक कार्य का बहिष्कार करेंगे। श्रद्धांजलि देने वालों में सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद थे।

बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज इस्पात मंत्री से मिला

बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधि मंडल धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के नेतृत्व में शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री श्री एचडी कुमार स्वामी से उनके कार्यालय में मिला। चेंबर की सप्लायर उप समिति के संयोजक असीम गोराई ने इस्पात मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र की नीतियों के कारण बियाडा औद्योगिक क्षेत्र को समुचित कार्यादेश नहीं मिल रहे हैं। असीम ने मंत्री को बताया कि पूर्व में एल-1 की दर पर स्थानीय उद्योग को 75% कार्यादेश मिल जाता था लेकिन अब केवल 25% तक ही कार्यादेश दिए जा रहे हैं। इसके अलावा बोकारो हवाई अड्डे को शीघ्र चालू करने, बोकारो जनरल अस्पताल में रियायती दर पर उद्यमी व्यवसाईयों का इलाज, बोकारो इस्पात संयंत्र के क्वाटर लीज अथवा भाड़े पर उद्यमी व्यवसाईयों को आवंटित करने का आग्रह मंत्री से किया।

डुमरी में प्रखंड 20 सूत्री कमिटी की बैठक संपन्न

गिरिडीह । जिले के डुमरी प्रखंड में शुक्रवार को प्रखंड 20 सूत्री कमिटी की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता कमिटी के अध्यक्ष डेगलाल महतो ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे और पिछले बैठक में लिए गए प्रस्तावों की समीक्षा की गई। बैठक में सदस्यों ने कई मामले उठाए, जिनमें पीएन कॉलेज के समीप संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को हटाने, शराब में अंकित प्रिन्ट रेट से अधिक लेने पर रोक लगाने, इसरी बाजार चौक और स्टेशन रोड में लगने वाले जाम को नियंत्रित करने, प्रखंड में संचालित पेयजल आपूर्ति योजना में गड़बड़ियों को दूर करने, बंद पड़े जामतारा पेयजल आपूर्ति योजना को चालू करने, हर घर नल जल योजना में लूट पर अंकुश लगाने, प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के जर्जर तार पोल को बदलने और बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार करने आदि शामिल हैं। बैठक में निर्देश दिया गया कि तय समयसीमा के अंदर कार्रवाई करके कृत कार्रवाई से सदन को अवगत कराना होगा। इसके अलावा, वन विभाग को निमियाघाट जीटी रोड से जमुनिया नदी लोहेडीह तक वृक्षारोपण करने का निर्देश दिया गया है।

अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

गिरिडीह। रेलवे के वरीय अधिकारियों ने शुक्रवार को गिरिडीह रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया. अधिकारियों में सीनियर सेक्शन इंजीनियर मधुपुर बीके सिन्हा, गिरिडीह रेलवे स्टेशन प्रबंधक जाकिर हुसैन समेत कई अधिकारी शामिल थे. अधिकारियों को स्टेशन में व्याप्त समस्याओं से अवगत सूचना अधिकार कार्यकर्ता सुनील खंडेलवाल ने कराया था. निरीक्षण के क्रम में प्लेटफार्म पर बारिश का पानी जमा होना, प्लेटफार्म पर गंदगी का अंबार, गंदा डस्टबिन, प्लेटफार्म का जगह-जगह अतिक्रमण, सर्कुलेटिंग एरिया की सड़क जर्जर, सड़क में गड्ढे समेत अन्य कई गड़बड़ियां पाई गई. अधिकारियों ने सभी समस्याओं को सूचीबद्ध किया. सुनील खंडेलवाल ने रेल प्रशासन से सभी समस्याओं के जल्द से जल्द निराकरण की मांग की है.

बीएकेएस ने सेल चेयरमैन को लिखा पत्र वेज रिविजन पूरा करने की मांग

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने करीब 91 माह से अधूरा वेज रीविजन को जल्द पूरा करने के लिए सेल चेयरमैन को पत्र लिखा है. पत्र में वेज रीविजन के साथ-साथ अन्य मुद्दों का भी जिक्र है. गौरतलब है कि बीएसपी सहित सेल अनाधिशासी कर्मचारियों का वेज रीविजन जनवरी 2017 से अधूरा है. अक्टूबर 2021 में एनजेसीएस के संविधान का उल्लंघन कर एमओयू किया गया, लेकिन इसके बाद बाद आज तक एमओए नहीं हुआ है. बीएकेएस के महासचिव दिलीप कुमार ने कहा कि एक तरफ प्रबंधन सेल को मिले ग्रेट प्लेस ऑफ वर्क का प्रचार कर रहा है, तो दूसरी तरफ बीएकेएस अब तक 200 से अधिक मांग पत्र दे चुकी है. अपने अधिकारों के लिए यूनियन डीएलसी, सीएलसी तथा मंत्रालय में गुहार लगाने के बाद न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी है.

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ ने सिंदुर पेठी गांव में नंद घरों का किया दौरा

बोकारो। वेदांता के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की सोच है कि कोई भी बच्चा भूखा न सोए. इसी सोच के तहत बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने और संपूर्ण विकास के लिए वेदांता के सभी नंद घरों में खाना खाया क्या कार्यक्रम चलाया जा रहा है. कंपनी की इस पहल से आम जनता को परिचित कराने के लिए वेदांता ईएसएल के सीईओ ने सियालजोरी के सिंदूर पेठी ग्राम स्थित नंद घरों का दौरा किया. इस पहल के तहत कंपनी भारत के सभी नागरिकों से अनुरोध करती है कि वे दान देकर, स्वयंसेवा करके, साझेदारी करके, अनुभव करके या यहां तक कि खाना खाया क्या कार्यक्रम का प्रचार कर कंपनी की सहायता करें. सीईओ गुप्ता ने आसपास के समुदायों के प्रति वेदांता ईएसएल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, मजबूत सीएसआर पहल के माध्यम सामुदायिक विकास के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया.

वायनाड में प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की आत्मा की शांति के लिए शांति सभा का आयोजन

गिरिडीह

।गिरिडीह में सर जेसी बोस मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय में शुक्रवार को केरल के वायनाड में भीषण प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति के लिए एक शांति सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, बाल संसद के पदाधिकारी और छात्राएं मौजूद थे। वायनाड में प्राकृतिक आपदा में सैकड़ों लोगों की जान गई है और कई लोग अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। विद्यालय परिवार ने मानवीय मूल्यों को जिंदा रखते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से कामना की और बेघर हुए परिवारों को हिम्मत देने की कामना की। प्राचार्य मुन्ना प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं हमारे लिए विनाशकारी होती हैं और प्रकृति से

देवघर में परिसर की झांकी बनाने वाले कलाकार सम्मानीत

संवाददाता । देवघर

में राजकीय श्रावणी मेला 2024 के अवसर पर शिवलोक परिसर में निर्मित झांकी मेला का मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस झांकी के सर्जक कॉर्णिक के पांच कलाकारों - पावन राय, अमरेश कुमार सिंह, अभिषेक, उमेश धनराज और अंजन चटर्जी को मदर्स टच स्कूल की निर्देशक डॉ रूपा श्री ने चादर और बेल के पौधे देकर सम्मानित किया। डॉ रूपा श्री ने कहा कि सावन माह में देवघर आने वाले श्रद्धालु शिवलोक परिसर की झांकी को देखने अवश्य आते हैं। यह झांकी शिवलोक परिसर ही नहीं, श्रावणी मेला का एक मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसमें हिमालय से लेकर देवघर शिवलिंग की झांकी बख़ूबी उतरी गई है।

झामुमो महिला मोर्चा की बैठक

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर चर्चा

संवाददाता । गिरिडीह

झामुमो महिला मोर्चा की बैठक शुक्रवार को पार्टी के जिला कार्यालय में हुई. पार्टी की महिला नेत्री प्रमिला मेहरा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य अतिथि जिला समिति अध्यक्ष सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष संजय सिंह थे. बैठक में महिला मोर्चा को सशक्त बनाने, सांगठनिक विस्तार और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर चर्चा चली. जिला समिति अध्यक्ष संजय सिंह ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए झारखंड सरकार की योजनाओं का गांव-गांव में महिलाओं के बीच प्रचार-प्रसार करने को कहा. साथ ही कहा कि 3 अगस्त से हेमंत सरकार नारी सम्मान सुरक्षा योजना शुरू करने जा रही है. इसके लिए आयु सीमा 21 से 49 वर्ष निर्धारित है. बैठक को प्रमिला मेहरा ने भी संबोधित किया. सभी की सहमति से बेंगाबाद महिला मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष अंजलि किस्कू, सचिव संजू मुर्मू, उपाध्यक्ष सोनाली किस्कू मनोनीत की गई. वहीं जमुआ महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष पद पर सुमित्रा देवी, सचिव देवयंती भारती, उपाध्यक्ष कुसुम देवी का मनोनयन हुआ. डुमरी महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष पद पर अंजू सोनी, सचिव सनोवर बीवी, उपाध्यक्ष सरिता देवी मनोनीत की गई. गिरिडीह नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष पद पर ललिता देवी, सचिव अफसाना परवीन का मनोनयन हुआ. मौके पर ज्योति सोरेन, वीणा देवी, अफसाना परवीण, सोनाली किस्कू, उषा ठाकुर, देवंती देवी, अंजू सोनी, अंजली किस्कू समेत महिला मोर्चा की दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थी.

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण

साहिबगंज । हावड़ा पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद के. देउस्कर ने शुक्रवार को मालदा मंडल के किउल, जमालपुर, भागलपुर, साहिबगंज और बरहरवा खंड स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत योजना से बन रहे रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और कई प्रतिष्ठानों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने साहिबगंज में यात्री सुविधाओं, ओएसओपी स्टॉल, रनिंग रूम, कोचिंग सुविधाओं, अमृत भारत के तहत स्टेशन प्रांगण में चल रहे कार्यों और यार्ड रीमॉडलिंग कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न यात्री संघों के जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत की और ईस्टर्न झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की। महाप्रबंधक ने साहिबगंज सेक्शन में चल रहे विकास कार्यों के बारे में प्रेस और मीडिया को जानकारी दी।

बोकारो से चोरी पिकअप आरा से बरामद, चार गिरफ्तार

संवाददाता । बोकारो

बालीडीह थाना पुलिस ने 19 जुलाई को कुर्मीडीह से चोरी गई पिकअप वाहन को अंततः बरामद कर, चार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की. पुलिस ने इसकी जानकारी शुक्रवार को बालीडीह थाना में एक प्रेस कांफ्रेंस कर दिया. गिरफ्तार सभी आरोपी बालीडीह थाना क्षेत्र के कुर्मीडीह का ही निवासी है. इनमें से तीन का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है. प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पुलिस ने बताया कि 19 जुलाई की रात बालीडीह थाना क्षेत्र के कुर्मीडीह निवासी ब्रजेश चौरसिया का पिक अप वाहन रजि० न0-JH10AL-8278 को घर के बाहर से अज्ञात अपराधीयों द्वारा चोरी कर लिया गया था. आवेदक ब्रजेश चौरसिया के थाना में दिए गए आवेदन के अधार पर बालीडीह थाना कांड सं0-202/24 दर्ज कर, अनुसंधान प्रराम्भ किया गया था. घटना की गंभिरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बोकारो के द्वारा मामले का त्वरित उद्भेदन, अपराधियो की गिरफ्तारी, चोरी गए पिकअप वाहन की बरामदगी एवं गुणवता पूर्ण अनुसंधान हेतु पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था. टीम के द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए मानवीय आसूचना के आधार पर इस कांड का त्वरीत उद्भेदन करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया. वहीं, इनके निशानदेही पर चोरी गए पिक अप वाहन को आरा (बिहार) से बरामद किया गया. गिरफ्तार तीन अपराधियो के विरूद्ध अपराधिक इतिहास दर्ज है.

गिरफ्तार व्यक्तिओं का विवरण

गोपाल कुमार साह उर्फ कोयला उम्र करीब 21 वर्ष, अजय कुमार गुप्ता 26 वर्ष, संतोष कुमार यादव 27 वर्ष तथा अंकित सिंह 20 वर्ष, चारों बालीडीह थाना क्षेत्र स्थित कुर्मीडीह का निवासी है. इसके साथ ही पुलिस ने चोरी गए पिक अप वाहन रजि0 न0-JH10AL-8278 तथा घटना में प्रयुक्त दो मोबाईल फोन भी जब्त किया गया. छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकार एवं कर्मियो की सूची-

पुलिस निरीक्षक सह बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, पुअनि विरमणी कुमार, पुअनि संदीप कुमार, पुअनि शशिकांत ठाकुर, पुअनि अभिषेक रंजन, पुअनि अजय कुमार राय, सहायक अवर निरीक्षक नवीन कुमार, आरक्षी अमीत कुमार सिंह, आरक्षी राजेश पासवान तथा आरक्षी मरियानुस जोजो सभी बालीडीह थाना के शामिल थे

पौड़ेयाहाट प्रखंड के बूथों का किया निरीक्षण

गोड्डा। संथाल परगना प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद डाडेल शुक्रवार को गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट प्रखंड पहुंचे. इस दौरान उन्होंने विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया. जिन मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया उसमें केंद्र संख्या- 117, प्राथमिक विद्यालय कारुडीह, मध्य विद्यालय पोड़ैयाहाट, मध्य विद्यालय द्रोपद और मतदान केंद्र संख्या-70/71, मध्य विद्यालय पसई शामिल है. निरीक्षण के क्रम में उन्होंने पुरुष एवं महिला समेत कुल मतदाताओं की जानकारी ली. मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पेयजल, शौचालय की उपलब्धता का भी निरीक्षण किया. उन्होंने मतदाता सूची द्वितीय विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रपत्र-6,7,8 में हुई कार्य प्रगति की जानकारी संबंधित बीएलओ से मांगी गई. मतदान केंद्र संख्या-117 के बीएलओ को प्रपत्र-8 कम संग्रहण करने पर डोर-टू-डोर सर्वे का निर्देश दिया. मतदान केंद्र संख्या-112 एवं 113 के बीएलओ शिखा रक्षित एवं विनीत सुधा रानी द्वारा अधिक प्रपत्र संग्रहण करने पर उन्होंने प्रशंसा की. इसके बाद प्रमंडलीय आयुक्त ने प्रखंड मुख्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया.

किसने किसे बंधक बनाया जानें ना!

24 साल पहले झारखंड राज्य के गठन के समय माननीयों ने भरोसा दिलाया था कि यहां की विधानसभा को आदर्श बनायेंगे. सारा आदर्श बहुत जल्द भरभरा गया. चलते सत्र में सत्ताधारी कई माननीय-सम्माननीय अपोजिशन बेंच पर बैठकर तख्ता पलट का खेल-तमाशा करते नजर आये. आसन पर रखा राष्ट्रीय ध्वज फेंक दिया. कभी आसन की ओर जूते-चप्पल उछाले गये. हाल के वर्षों में शायद ही ऐसा कोई सत्र गुजरा हो, जो केवल और केवल जनता के सवालों को लेकर संजीदगी से चला हो.

• देश-काल

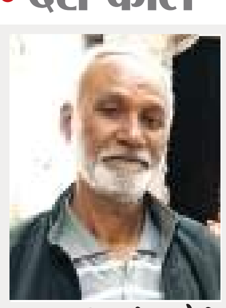

श्याम किशोर चौबे

पांचवीं झारखंड विधानसभा का सात दिवसीय अंतिम 17 वां सत्र दो अगस्त को संपन्न हुआ. राज्य में लगातार तीसरे वर्ष सूखे पर इस सत्र में सार्थक चर्चा होनी थी, लेकिन हंगामे की भेंट चढ़ निरर्थक हो गई. इससे परे मतांतरण, बेरोजगारी, अनुबंधकर्मियों के नियमितीकरण जैसे मुद्दों पर 31 जुलाई को सदन में ऐतिहासिक हंगामा हुआ. प्रतिपक्षी एनडीए में भाजपा के 24, आजसू के तीन तथा एनसीपी के एक सदस्य हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर वादाखिलाफी का आरोप मढ़ प्रतिपक्ष तत्काल जवाब मांगने पर आमादा हो गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जवाब देंगे, लेकिन नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी का कहना था, सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री अपनी बातें कह चलते बनेंगे, ऐसा हम नहीं होने देंगे. जवाब अभी चाहिए. ऐसा न होना था, न हुआ. प्रतिपक्षी सदस्य वेल में धरना देने लगे. सदन की कार्यवाही समाप्त होने के घंटों बाद मार्शलों ने उनको निकाल बाहर किया तो वे लॉबी में जम गए. देर शाम मुख्यमंत्री उनको मनाने पहुंचे, लेकिन बात बनी नहीं. देर रात मार्शलों ने उनको लॉबी से बाहर कर दिया तो वे सीढ़ियों पर जम गये. जो टिके, वे पोर्टिको में सो रहे.
भाजपा के कतिपय विधायकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो क्लिप जारी कर बताया कि उनको अंधेरे में रखा गया है, एसी बंद कर दिया गया है. उनको बंधक बना लिया गया, जबकि सत्ता पक्ष का कहना था कि प्रतिपक्षी विधायकों ने सदन को बंधक बना लिया.
समझते रहें, कौन बंधक बना. पिछले हफ्ते कर्नाटक में प्रतिपक्षी भाजपा विधायकों ने विधानसभा में ऐसे ही रात भर धरना दिया था. इसके पहले बिहार में दो मर्तबा सरकार के विरुद्ध प्रतिपक्ष ने सदन में रात्रि धरना दिया था. 2020 में तीन कृषि कानूनों को राज्यसभा में बिना चर्चा पारित कराये जाने के विरोध में प्रतिपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर रात भर धरना दिया था. सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप पर साल भर बाद एनडीए सरकार ने इन कानूनों को वापस ले लिया था. संसद के उसी कार्यकाल के अंतिम दिनों में 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था. झारखंड विधानसभा में भी इस बार कुछ ऐसा ही वाक्या पेश आया. जब विपक्षी विधायक दूसरे दिन यानी पहली अगस्त को भी सदन के अंदर हंगामे पर आमादा हो गए, वेल में मांगपत्र की प्रतियां फाड़ने लगे तो एकसाथ 18 भाजपा विधायकों को दो अगस्त के दो बजे दिन तक के लिए निलंबित किया गया. संसद की कार्यवाहियों के आईने में क्या भाजपा इस विधानसभा की कार्यवाहियों पर गौर फरमा पाएगी? संसद में प्रतिपक्ष यानी गैर एनडीए दलों/सदस्यों की जो गतिविधियां असंसदीय मानी जाती हैं, विधानसभा में उनसे कहीं बढ़कर किये जा रहे कृत्य कैसे संसदीय मर्यादाओं के अनुकूल माने जाएंगे? 'अघोषित आपातकाल' की दो परिभाषाएं नहीं हो सकतीं न!
24 साल पहले झारखंड राज्य के गठन के समय माननीयों ने भरोसा दिलाया था कि यहां की विधानसभा को आदर्श बनायेंगे. सारा आदर्श बहुत जल्द भरभरा गया. चलते सत्र में सत्ताधारी कई माननीय-सम्माननीय अपोजिशन बेंच पर बैठकर तख्ता पलट का खेल-तमाशा करते नजर आये. आसन पर रखा राष्ट्रीय ध्वज फेंक दिया. कभी आसन की ओर जूते-चप्पल उछाले गये. हाल के वर्षों में शायद ही ऐसा कोई सत्र गुजरा हो, जो केवल और केवल जनता के सवालों को लेकर संजीदगी से चला हो.
राजनीतिक दलों और सरकारों के वादों पर इस सत्र में एनडीए ने सही रास्ता दिखाया है. चुनाव सन्निकट है. सभी उम्मीदवारों से, खासकर जो विधायक रह चुके हैं, जनता को सवाल करना चाहिए कि उनकी और उनके दल की परफार्मेंस कैसी रही, जो उन पर कुर्बान हुआ जाय. पूर्व के चुनावी वादों का हिसाब लिया जाय, सदन में अबतक की सभी 13 सरकारों के आश्वासनों का हिसाब लिया जाय और यहां तक कि कैबिनेट फैसलों का भी हिसाब लिया जाय. सदन में विभिन्न सरकारों के सैकड़ों आश्वासन कोरे साबित हो चुके हैं. प्रतिपक्ष को सत्ता पक्ष से जवाब पाने का बेशक हक है. अवाम को अपने विधायक-सांसद से जवाब पाने का उससे ज्यादा हक है. हक यह पूछने का भी है कि वे जिनको दल विशेष के लिए चुन कर माननीय बनाते हैं, वे रातोंरात सर्वथा विपरीत गुण-धर्म वाले दल में कैसे और क्यों मतांतरित हो जाते हैं. उनके इस मतांतरण से सेवकाई के चुनावी वादे का तालमेल कैसे है.
झारखंड विधानसभा में माननीयों का ताजा कृत्य परंपरागत संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कतई नहीं आता. सत्ता पक्ष हो कि प्रतिपक्ष, चाहे जितना गाल बजा ले, यह एक काला अध्याय ही था. चुनावी फायदे के लिए राजनीतिक दल और नेता क्या-क्या नहीं कर गुजरेंगे? जनता कोई सवाल न कर भी सब समझती है. यह वही जनता है, जो हर चुनाव में अमूमन 50 फीसदी विधायकों को घर बैठने को विवश कर देती रही है.
पुनश्चः ऐसा भी नहीं है कि झारखंड में सारा कुछ चंगा है जी, लेकिन सवाल तो बनता ही है. असम के मुख्यमंत्री और झारखंड के चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा को पहली अगस्त को पाकुड़ के गोपीनाथपुर जाने से प्रशासन ने कानून-व्यवस्था के नाम पर रोका तो उनका कहना था कि भारत का नागरिक हूं, कहीं भी जा सकता हूं. कुछ ही महीनों पहले जब राहुल गांधी को असम के श्रीश्री शंकरदेव मंदिर जाने से कानून-व्यवस्था के नाम पर रोका गया था, तब क्या इन्हीं सरमा महोदय को याद नहीं था कि राहुल भी भारत के नागरिक हैं. झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ समस्या है तो क्या यही समस्या असम में नहीं है? वहां एनआरसी-एनआरसी क्यों खेला जा रहा है?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ऐतिहासिक फैसला

अनुसूचित जाति और जनजाति आरक्षण के वर्गीकरण और क्रिमीलेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करने की दिशा में सर्वोच्च अदालत के सात सदस्यीय संविधान पीठ ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है. आरक्षण के भीतर आरक्षण देने की प्रक्रिया में अब राज्यों की भूमिका भी सर्वोच्च अदालत ने बढ़ा दी है. राज्य को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है. सुप्रीम कोर्ट के सात जजों की संविधान पीठ ने बहुमत से यह फैसला दिया. संविधान पीठ ने 2004 में ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए पांच जजों के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी/एसटी में उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से दिए एक फैसले में कहा कि राज्यों के पास अधिक वंचित जातियों के उत्थान के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति में उप-वर्गीकरण करने की शक्तियां हैं. भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि राज्यों को अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) में उप-वर्गीकरण करने की अनुमति दी जा सकती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन समूहों के भीतर और अधिक पिछड़ी जातियों को आरक्षण दिया जाए. जस्टिस बेला त्रिवेदी ने बाकी जजों से असहमति जताते हुए आदेश पारित किया. मुख्य न्यायधीश ने कहा कि 'हमने ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए फैसले को खारिज कर दिया है.

> न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने असहमति जताते हुए अपने फैसले में कहा कि कार्यपालिका या विधायी शक्ति के अभाव में राज्यों के पास जातियों को उप-वर्गीकृत करने और अनुसूचित जातियों के सभी लोगों के लिए आरक्षित लाभों को उप-वर्गीकृत करने की कोई क्षमता नहीं है.

उप वर्गीकरण अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं करता है, क्योंकि उपवर्गों को सूची से बाहर नहीं रखा गया है.' फैसला पढ़ते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 'वर्गों से अनुसूचित जातियों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मानदंड से ही पता चलता है कि वर्गों के भीतर विविधता है.' उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 15, 16 में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो राज्य को किसी जाति को उप-वर्गीकृत करने से रोकता हो. हालांकि, शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा है कि उप वर्गीकरण का आधार राज्यों द्वारा मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों द्वारा उचित ठहराया जाना चाहिए, वह अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकता. न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने असहमति जताते हुए अपने फैसले में कहा कि कार्यपालिका या विधायी शक्ति के अभाव में राज्यों के पास जातियों को उप-वर्गीकृत करने और अनुसूचित जातियों के सभी लोगों के लिए आरक्षित लाभों को उप-वर्गीकृत करने की कोई क्षमता नहीं है. राज्यों द्वारा उप-वर्गीकरण अनुच्छेद 341(2) के तहत राष्ट्रपति की अधिसूचना के साथ छेड़छाड़ के समान होगा. अदालत के न्यायमूर्ति बीआर गवई ने कहा कि राज्यों को एससी, एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए. वहीं, शीर्ष अदालत ने कहा कि कोटा के लिए एससी, एसटी में उप-वर्गीकरण का आधार राज्यों द्वारा मानकों एवं आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराया जाना चाहिए. बहुमत के फैसले में कहा गया कि राज्यों द्वारा उप-वर्गीकरण को मानकों एवं आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराया जाना चाहिए. पीठ में न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा शामिल थे.

सुभाषित

यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रियाः।
चित्ते वाचि क्रियायां च साधुनामेकरूपता॥

जो चित्त (मन) में हो वही वाणी से प्रकट होना चाहिए और जो वाणी से प्रकट हो उसके अनुरूप ही कार्य करना चाहिए. जिनके चित्त, वाणी और कर्म में एकरूपता होती है वही साधुजन होते हैं. जिसके मन, वचन और कर्म एक दूसरे से भिन्न होते हैं, वैसे दुर्जनों से सावधान रहना चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

पर्यावरण और अहिंसा

पर्यावरण आज विश्व की गम्भीर समस्या हो गई है. प्रकृति को बचाना अब हमारी ज्वलंत प्राथमिकता है, लेकिन प्राकृतिक सन्तुलन को विकृत करने में स्वयं मानव का ही हाथ है. पर्यावरण और प्रदूषण मानव की पैदा की हुई समस्या है. प्रारम्भ में पृथ्वी घने वनों से भरी थी, लेकिन जनसंख्या वृद्धि और मनुष्य के सुविधाभोगी मानस ने, बसाहट, खेती-बाडी आदि के लिए वनों की कटाई शुरू की. औद्योगिकीकरण के दौर में मानव ने पर्यावरण को पूरी तरह अनदेखा कर दिया. जीवों के आश्रय स्थल उजाड़ दिए गये. न केवल वन सम्पदा और जैव सम्पदा का विनाश किया, बल्कि मानव ने जल और वायु को भी प्रदूषित कर दिया. कभी ईंधन के नाम पर तो कभी इमारतों के नाम पर. कभी खेती के नाम पर तो कभी जनसुविधा के नाम पर, मानव प्राकृतिक संसाधनों का विनाशक दोहन करता रहा. वन सम्पदा में पशु-पक्षी आदि, प्राकृतिक सन्तुलन के अभिन्न अंग होते हैं. प्रकृति की एक समग्र जैव व्यवस्था होती है. उसमें मानव का स्वार्थपूर्ण दखल पूरी व्यवस्था को विचलित कर देता है. मनुष्य को कोई अधिकार नहीं प्रकृति की उस व्यवस्था को अपने स्वाद, सुविधा और सुन्दरता के लिए खण्डित कर दे. अप्राकृतिक रूप से जब इस कड़ी को खण्डित करने का दुष्कर्म होता है, प्रकृति में विनाशक विकृति उत्पन्न होती है, जो अन्ततः स्वयं मानव अस्तित्व के लिए ही चुनौती बन खड़ी हो जाती है. जीव-जन्तु हमारी ही भांति इस प्रकृति के आयोजन-नियोजन का अटूट हिस्सा होते हैं. वे पूरे सिस्टम को आधार प्रदान करते हैं. प्रकृति पर केवल मानव का मालिकाना हक़ नहीं है. मानव को समस्त प्रकृति के संरक्षण की शर्तों के साथ ही अतिरिक्त उपयोग बुद्धि मिली है. मानव पर, प्रकृति के नियंत्रित उपयोगार्थ विधानों का आरोपण किया गया है, जिसे हम धर्मोपदेश के नाम से जानते है. वे शर्तें और विधान, यह सुनिश्चित करते हैं कि सुख सभी को समान रूप से उपलब्ध रहे. इसीलिए विश्व के सभी धर्मों के प्रणेता व महापुरूष, हिंसा, क्रूरता, जीवों को अकारण कष्ट व पीड़ा देने को गुनाह कहते है. वे प्रकृति के संसाधनों के मर्यादित उपभोग की सलाह देते है. अपरिग्रह का उपदेश देते हैं. मन वचन काया से संयमित, अनुशासित रहने की प्रेरणा देते हैं. इसी भावना से वे प्राणी मात्र में अपनी आत्मा सम झलक देखते/दिखलाते हैं. जब वे कण कण में भगवान होने की बात करते है तो अहिंसा का ही आशय होता है. सभी को सुख प्रदान करने के उद्देश्य से ही वे यह सूत्र देते हैं कि 'आत्मा सो परमात्मा' या हर जीव में परमात्मा का अंश होता है.

अग्निपथ योजना में सुधार की काफी गुंजाइश

• विमर्श

मनोज जोशी

द्रास में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर अग्निपथ मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य सेना को युवा बनाए रखना है... एक ऐसी सेना जो युद्ध के लिए निरंतर चुस्त रहे. उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुडे इतने संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है. उन्होंने इससे भी कड़े शब्द बरते, लेकिन सवाल है कि यह सब कहने के लिए क्या यह अवसर उचित था? आदर्श रूप में, इस पवित्र दिन को मनाने के लिए मंच पर विपक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों को एक साथ होना चाहिए था. परंतु यह अपेक्षा शायद कुछ ज्यादा ही हो गई. इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 10 सालों में सेना के स्वरूप में काफी सुधार किया गया है. चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, सैन्य मामलों के लिए अलग विभाग का गठन, सुधरे रूप में सैन्य खरीद नीति, रक्षा उद्योग को स्वदेशी तकनीक विकसित करने की बाध्यता, रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी को अनुमति और इन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास राशि का 25 फीसदी मुहैया करवाना जैसे अनेक उपाय किए गए हैं. लेकिन सेना को लेकर अग्निपथ योजना अपने आपमें सबसे अधिक महत्वाकांक्षी है. इस योजना के तहत एक युवा की सेना में भर्ती 17-21 साल के बीच होनी है, उसका सेवाकाल चार साल का होगा और सेवामुक्ति उपरांत एकमुश्त रकम मिलनी है. चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को सेना में आगे 15 साल या अधिक कार्यकाल की पेशकश होगी, लेकिन बाकी बचे 75 फीसदी के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी का विकल्प हो सकता है, जहां भर्ती में उन्हें तरजीह मिलेगी. इस योजना पर विवाद उस वक्त उठ खड़ा हुआ, जब पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवाणे ने विमोचन के लिए लंबित अपनी पुस्तक में कहा कि यह योजना नौसेना और वायुसेना के लिए 'बिन बादलों की बिजली गिरना' बनकर आई और खुद उन्होंने जो प्रारूप सरकार को सौंपा था, वह केवल थल सेना के लिए था और उसमें भी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फौज में आगे बने रहना था, केवल शेष 25 फीसदी को सेवामुक्त करना था. परंतु रक्षा मंत्रालय ने इसको एकदम उलटा कर दिया, यानी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को कार्यमुक्ति और 25 फीसदी को सेना में बनाए रखने वाला प्रावधान बना डाला. भारतीय सेना में भर्ती की कुछ हकीकतें हैं. देखा गया है कि जो युवा जल्दी भर्ती होते हैं, अक्सर उनका भार और पौष्टिकता स्तर उनकी

> चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को सेना में आगे 15 साल या अधिक कार्यकाल की पेशकश होगी, लेकिन बाकी बचे 75 फीसदी के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी का विकल्प हो सकता है, जहां भर्ती में उन्हें तरजीह मिलेगी. इस योजना पर विवाद उस वक्त उठ खड़ा हुआ.

पृष्ठभूमि में विविधता के हिसाब से कम होता है. पहले नौ महीने का प्राथमिक प्रशिक्षण चरण हुआ करता था, उसमें शुरुआत नए सिरे से करनी पड़ती थी, जिसमें यह वक्त उसे शारीरिक रूप से तगड़ा करने और अनुशासन में ढालने में निकल जाता था. इसके बाद शुरू होता व्यावसायिक प्रशिक्षण, चाहे उसे अग्रिम दस्ते का फौजी बनाना हो या अधिक तकनीकी हुनरयुक्त जवान, मसलन, टैंक, तोप, वायु रक्षा प्रणाली चलाने वाला. इनमें मामूली योग्यता पाने के लिए भी एक और साल खपता है, जबकि अब महज छह महीने के प्रशिक्षण के बाद अग्निवीर को सेना में भर्ती किया जा रहा है. रंगरूट की ग्रामीण पृष्ठभूमि, शिक्षा का स्तर और किसी उम्र में भर्ती हुई, इनके परिप्रेक्ष्य में लगता नहीं कि अग्निवीर कोई बहुत बढ़िया कौशल विकसित कर पाएंगे. जो देश हम से आगे हैं, वहां नया रंगरूट पहले से किसी न किसी कौशल से युक्त होता है जैसे कि वाहन चलाने का हुनर, लेकिन भारत में इसके लिए भी तीन महीने तक लग सकते हैं. युवा सैन्य बल बनाने की मांगों के चलते जरूरी नहीं कि फायदे के बदले नुकसान करवा बैठें. इस योजना को बंद करने की बजाय सरकार इसमें बदलाव लाए और खामियों को दूर करे, मसलन, प्रशिक्षण और कौशल विकास के विषय में. अग्निवीर का कार्यकाल चार साल से बढ़ाकर सात वर्ष करने का सुझाव अच्छा हो सकता है, और पिछले कुछ समय से इसकी मांग हो रही है. इससे प्रशिक्षण के लिए समुचित वक्त मिल पाएगा और ऐसा फौजी सैन्य बल को प्रभावशाली योगदान भी दे पाएगा. इस नए प्रावधान के मुताबिक जब तक कोई अग्निवीर सेवामुक्त होगा, तब उसकी उम्र 24-28 साल के बीच होगी, जो नौकरी के विभिन्न मौकों के लिए आदर्श होगी, कुछ वक्त लगेगा, पर ऐसे अवसर उनके लिए बनते चले जाएंगे और यहां सनद रहे, कारगिल युद्ध-1999 में 550 से अधिक जो फौजी शहीद हुए थे, वे सभी पूरी तरह प्रशिक्षित, तपकर निकले और प्रतिबद्ध सैनिक थे, न कि अग्निवीर. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

कहीं यह अवसाद बीमारी तो नहीं

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

एक 48 वर्षीय महिला अपने पति के साथ मेरे पास चिकित्सा के लिए आई. देखने से बहुत परेशान लग रही थी. कुछ बताने से पहले ही वह रोने लग रही थी. कुछ कहना चाह रही थी, लेकिन कह नहीं पा रही थी. मेरे आश्वासन देने के बाद उसने कहना शुरू किया कि वह अपनी जिंदगी से बहुत परेशान है और मर जाना चाहती है. मैंने उन्हें समझाया- मरना जिंदगी के प्रश्न का उत्तर नहीं है. यदि समस्याएं हैं तो समाधान भी है और कोई भी समस्या ऐसी नहीं है, जिसका समाधान नहीं हो. आप अपनी समस्या बताइए. फिर उसने मुझे बताया- उसके पति का इग्नोर करना उसे बहुत खराब लगता है. वह अपने पति के व्यवहार से बहुत दुखी थी और इधर मैंने पाया कि पति अपनी पत्नी को ही गलत समझ रहा था. पति ने मुझे बताया कि हर समय नासमझी वाली बात करती रहती है. कुछ भी समझती नहीं है. मैंने देखा उनके बीच आपसी संबंधों में सामंजस्य नहीं है, जिसके कारण महिला के अंदर अवसाद ने जन्म ले लिया था. पहले सेशन में ही महिला के अंदर बहुत अधिक सुधार हुआ. विपरीत परिस्थितियों से कैसे सामना करें, यह उसने सीखा. स्वयं के अंदर प्रोबलम सॉल्विंग स्किल को कैसे डेवलप करें, यह मैंने उसे बताया. कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए भी टिप्स दिए. अपनी हॉबी डेवलप करने और व्यस्त जीवन शैली अपनाने को कहा. प्रत्येक दिन मेडिटेशन योग करने से उसके जीवन में ऊर्जा भर गई. अभी वह थेरेपी के साथ बेहतर अनुभव कर रही है. आपको भी ऐसा सुनाई देता है तो उनकी मदद कीजिए. उन्हें बताइए, कहीं ऐसा न हो वे किसी दुर्घटना के शिकार हो जाएं और वे अपनी खूबसूरत जिंदगी से हाथ धो बैठे आइए बात करते हैं डिप्रेशन या अवसाद के बारे में. मन में घबराहट होना होना, बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगना, किसी काम में मन नहीं लगना, जल्दी जल्दी थक जाना, नींद नहीं आना, बात करने का मन नहीं करना, एकांत में बैठे रहना, दुख भरे गीत सुनना, भूख नहीं लगना और कभी-कभी जिंदगी समाप्त कर लेने की बातें करना. यदि ऐसे लक्षण 10 से 15 दिनों से ज्यादा हो रहा है, हो सकता है आप डिप्रेशन की शिकार हो रहे हों या फिर आपके आसपास आपके किसी दोस्त को, रिश्तेदार को या फिर किसी अनजान व्यक्ति को ही ऐसे लक्षण अगर दिखाई देते हैं तो बिना देर किए किसी मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से सलाह अवश्य लेनी चाहिए. डिप्रेशन के कई प्रकार हैं, जो कभी-कभी घातक रूप ले लेते हैं. आज व्यक्ति इमोशनली बहुत ही कमजोर हो गया है. इसमें परिस्थितियों से सामना करने की

> स्वयं के अंदर प्रोबलम सॉल्विंग स्किल को कैसे डेवलप करें, यह मैंने उसे बताया. कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए भी टिप्स दिए. अपनी हॉबी डेवलप करने और व्यस्त जीवन शैली अपनाने को कहा. प्रत्येक दिन मेडिटेशन योग करने से उसके जीवन में ऊर्जा भर गई. अभी वह थेरेपी के साथ बेहतर अनुभव कर रही है. आपको भी ऐसा सुनाई देता है तो उनकी मदद कीजिए.

उतनी क्षमता नहीं है, जितनी कि होनी चाहिए. वह जल्दी ही अपनी जिंदगी से हार मान लेता है और जिंदगी को समाप्त करने की सोच लेता है. डिप्रेशन होने के कारण भी अनेक हैं. आजकल तो छोटे-छोटे बच्चों में भी डिप्रेशन के लक्षण दिखाई देते हैं. हर पांचवां व्यक्ति डिप्रेशन से ग्रस्त होता है. कारण अनुवांशिक, जैविक, मनोवैज्ञानिक कुछ भी हो सकता है. इसका साइकोसोशल फैक्टर भी है. यदि व्यक्ति के परिवार में कभी न कभी किसी को अगर इस तरह की बीमारी रही हो तो उसी हाल में होने के चांसेस रहते हैं. थायराइड की समस्या जैसे कि हाइपोथाइरॉएडिज्म से पीड़ित है तो भी डिप्रेशन संभव है. यदि हमारे ब्रेन में न्यूरोट्रांसमीटर्स ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, वे बैलेंस नहीं है, जैसे कि सेरोटोनिन का कम होना, डिक्रीज होना डिप्रेशन की ओर इंगित करता है. यदि घर में किसी की मौत हो जाती है, उससे भी वह दुखी होकर डिप्रेशन की ओर चला जाता है या फिर कोई ऐसी दुर्घटना हुई रहती है, जिसे वह सह नहीं पाता तो उसके मन में डिप्रेशन के भाव आने लगते हैं. अचानक से शादी का टूटना, नौकरी का जाना या फिर अत्यधिक नशा करना, जिसका व्यवसाय में नुकसान होना ऐसे बहुत से कारण हैं, जो कि डिप्रेशन का कारण हो सकता है. कभी-कभी ऐसा भी होता है. अत्यधिक अच्छा बच्चा होने और पढ़ने में अच्छे होने के बावजूद कम अंक आते हैं. इससे उसका मनोबल टूट जाता है. वह हताश हो जाता है और उसमें अवसाद की भावना घर करने लगती है. परिवार की ओर से सपोर्ट न मिलना, सहानुभूति ना मिलना, यह भी एक बहुत बड़ा कारण होता है अवसाद का. ऐसे बहुत से कारण है जो डिप्रेशन को जन्म देते हैं डिप्रेशन का अगर सही समय पर इलाज नहीं किया जाए तो यह बहुत घातक रूप ले लेता है. लोग ऐसी मानसिक बीमारी से पीड़ित हो जाते हैं, जो जीवन भर दवाइयां खाने को मजबूर कर देती हैं और जीवन तहस-नहस हो जाता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

नए नियमों से एफऐंडओ में बड़ा बदलाव

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्टॉक एक्सचेंजों पर डेरिवेटिव खंड (वायदा एवं विकल्प) में बदलाव के लिए एक परामर्श पत्र जारी किया है. इस पत्र में सात प्रस्तावों का उल्लेख किया गया है. इन प्रस्तावों में डेरिवेटिव अनुबंधों के न्यूनतम आकार में वृद्धि, किसी विकल्प (ऑप्शन) पर उपलब्ध स्ट्राइक (विकल्प कारोबार में एक्सपायरी से पहले जिस मूल्य पर कोई प्रतिभूति बेची या खरीदी जाती है) कम करना, कारोबार के दौरान (इंट्रा-डे) पोजीशन लिमिट पर निगरानी शुरू करना, प्रीमियम के लिए मार्जिन पहले लेना, एक्सपायरी के दिन अधिक चरम हानि मार्जिन (एक्स्ट्रीम लॉस मार्जिन) वसूलना और एक्सपायरी दिनों पर कैलेंडर स्प्रेड से जुड़े लाभ समाप्त करना शामिल हैं. इन उपायों का असर एफएंडओ खंड में कारोबार के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना एवं नकदी की आवश्यकताएं पूरी करने के रूप में दिखेगा. इस तरह, सेबी के इन उपायों से एफएंडओ खंड में नियमित कारोबार करने वाले 92 लाख खुदरा कारोबारी बाहर हो जाएंगे. सेबी का मानना है कि अतिरिक्त मार्जिन की शर्त से एक्सपायरी के दिन बाजार की स्थिरता प्रभावित करने वाली किसी चरम घटना से सुरक्षा मिलेगी. बाजार नियामक किसी सौदे की एक्सपायरी के अंतिम घंटों में कयास पर अंकुश लगाने का भी प्रयास कर रहा है. माना जा रहा है कि इन प्रस्तावों के प्रभावी होने के बाद एफएंडओ खंड में कारोबार में कमी आएगी, क्योंकि इन प्रस्तावों का एक मतलब यह भी हो सकता है कि प्रीमियम पर स्प्रेड काफी बढ़ जाएगा. ये प्रस्ताव हेजिंग करने वालों और प्रस्तावित नई सेबी परिसंपत्ति श्रेणी के दायरे में आने वाले संस्थानों के लिए खर्च बढ़ा देंगे. चूंकि, डॉलर में गिफ्ट निफ्टी ऑप्शन पर कोई असर नहीं हुआ है, इसलिए वहां कारोबार और अधिक बढ़ सकता है. एफएंडओ खंड पर संस्थानों का प्रभाव अधिक बढ़ जाएगा और साप्ताहिक विकल्प खंड में खास तौर पर कम कारोबार दिखेगा और स्प्रेड का दायरा बढ़ जाएगा. बाजार में अस्थिरता का जोखिम कम करने के साथ ही सेबी के ये उपाय अपर्याप्त पूंजी वाले खुदरा कारोबारियों के हितों की रक्षा करेंगे. सेबी के परामर्श पत्र में आंकड़ों का हवाला देते हुए यह समझाया गया है कि भारत में एफएंडओ कारोबार का अनुपात काफी अधिक है. पिछले कुछ समय से एफएंडओ कारोबार काफी बढ़ा है. वर्ष 2023-24 में एफएंडओ अनुबंधों के कारोबार का अनुमानित मूल्य नकदी बाजार के कारोबार का 367 गुना था, जबकि एफएंडओ में हुए कारोबार का प्रीमियम मूल्य नकदी बाजार का लगभग 2.2 गुना था. व्यक्तिगत कारोबारियों की बात करें तो उनके कारोबारी मूल्य का लगभग 41 हिस्सा इंडेक्स ऑप्शन में था और उन पोजीशन में 80 प्रतिशत से अधिक एक्सपायरी के दिन लिए जाते हैं.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कचरा/कचरी

इन दिनों एक गाना लोकप्रियता के आकाश को छू रहा है. बड़े लोग सुनते हैं तो उनके होठों पर मधुर मुस्कान थिरक उठती है, वहीं बच्चे सुनते हैं तो अपने माता-पिता या दादा-दादी के सामने यह गाना गा-गाकर नाचने लगते हैं. वह गाना है-गाड़ी वाला आया घर से कचरा निकाल. वास्तविकता तो यह है कि यह गाना केवल मनोरंजन के उद्देश्य से बनाया भी नहीं गया है, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों को सतर्क करना होता है, जिसे सुनते ही लोग घर में रखे कचर के डब्बे के साथ गेट से बाहर खड़े हो जाते हैं. फिर इसी गाने को बजाते हुए कचरेवाली गाड़ी आ जाती है. यह गाना कुछ देर के लिए थम जाता है और कचरे के डब्बों को खाली करने के बाद गाड़ी गाना गाते हुए आगे बढ़ जाती है-गाड़ी वाला आया घर से कचरा निकाल. यह भी सच है कि इस गाने ने कचरे को भी उतना ही लोकप्रिय बना दिया. कचरा को बहुत सारे लोग कचड़ा भी बोलते हैं या लिखते हैं, जो सही नहीं है. इसलिए शब्दकोशों में कचरा शब्द को ही मान्यता मिली है कचड़ा को नहीं. कचरा संज्ञा पुल्लिंग और अनेकार्थक शब्द है. हिंदी शब्दसागर के अनुसार कचरा का मतलब वह तो होता ही है, जो कचरेवाली गाड़ी गाने के माध्यम से आपसे मांगती है. यानी कूड़ा-करकट, रद्दी चीजें. इसके अलावा कचड़ा का मतलब है कच्चा खरबूजा, फूट का कच्चा फल, ककड़ी, सेमल का डंडा, रुई का बिनौना, जो धुनने पर अलग कर दिया जाता है, उरद या चने की पीठी, सेवार जो समुद्र में होती है, पत्थर का झांड़. इसके जैसा ही दूसरा शब्द है कचरी, जो संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है ककड़ी की जाति की एक बेल जो खेतों में फैलती है, पेंहटा, पेंहटुल, गुरुम्ही, संधिया, काटकर सुखाये हुए फल, मूल आदि जो तरकारी के लिए रखे जाते हैं, छिलकेदार दाल, रुई का बिनौला. सूरदास जी ने कहा है-कुंदरू और ककोड़ा कौरे, कचरी चार चचेड़ा सौरे.

अब देखिए, मूंछों का साइड इफेक्ट

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

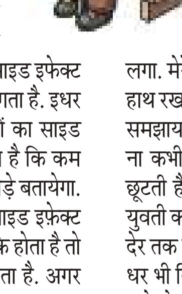

कौन जानता था कि एक दिन ऐसा आ जायेगा, जब पुरुषों व महिलाओं को एक दूसरे की जरूरत धीरे-धीरे कम होती जाएगी तथा वे एक दूसरे के वेशभूषा के दीवाने हो जायेंगे. सब समय का फेर है. समय बदलने से राजा रंक व रंक राजा बन जाता है. मित्र शत्रु तथा शत्रु मित्र बन जाते हैं. कभी मूंछ भी मित्र थी, आन-बान, शान और पुरुषत्व की प्रतीक थी. आज वही मूंछ बहुतों के लिए शत्रु से कम नहीं है. जैसे-जैसे मानव ने विकास किया. उसे प्रकृति की नाइंसाफी भी समझ में आने लगी. जब तक अनजान था, प्रकृति के गोद में खेलता था. आज प्रकृति से खेलने लगा है. इधर विज्ञान ने प्रगति की, उचित शिक्षा-दीक्षा मिली, जिससे जानकारी बढ़ी और अच्छे-बुरे का उचित ज्ञान हुआ. लाभ-हानि के गणित समझ में आने लगे. किस चीज का कैसा साइड इफेक्ट होता है. इस पर काफी शोध हुआ. एलोपैथिक दवाइयों के चलन में आने से लोग जान पाए कि इनका भी साइड इफेक्ट होता है. एक रोग की दवा करो तो दूसरा पनपने लगता है. इधर कुछ ज्ञानियों ने उड़ाया कि होमियोपैथिक दवाओं का साइड इफ़ेक्ट नहीं होता. होता क्यों नहीं, यह हो सकता है कि कम होता हो. लेकिन उसके डॉक्टर से पूछोगे तो वह थोड़े बतायेगा. उसे तो दोनों तरफ से खतरा है. यदि कह दे कि साइड इफ़ेक्ट होता है तो कुछ मरीज यह सोचकर कट सकते हैं कि होता है तो एलोपैथी में क्या बुरा है? आराम भी जल्दी मिलता है. अगर कह दे नहीं होता है. तब भी मरीजों के कट जाने का खतरा रहता है कि कहीं मरीज अपने आप ही खोज बीन कर दवा न शुरू कर दे और मेरी फीस भी मुझे न मिले. आज तो आयुर्वेदिक दवाओं का भी साइड इफ़ेक्ट है. बिषैले रसायनों व तरह-तरह के प्रदूषणों की मार से पेड़-पौधे, जड़ी-बूटियाँ भला कैसे अछूती रह सकती हैं? सच तो यह है कि आज हर चीज का कोई ना कोई साइड इफ़ेक्ट होता है. खैर, धीरे-धीरे महिलाओं को, पुरुषों के तथा पुरुषों को महिलाओं की वेशभूषा में दिन-दिन दिलचस्पी बढती गयी. आज के समय में 'जिसे जो भाए वो वह कर जाये' का चलन है. सबकी पसंद अलग-अलग होती ही है. इसलिए महिलाओं में किसी ने पुरुषों के कच्छा-बनियान वाला पोशाक अपनाया तो किसी को छोटे-छोटे बालों ने लुभाया. किसी ने मांग से सिन्दूर को तो किसी ने हाथ की चूड़ी को अलविदा कहा. किसी ने दुपट्टे से तौबा की, किसी ने जींस-पैंट और टीशर्ट को गले लगाया. इससे बहुत लोगों को महिलाओं में पुरुष का भ्रम भी होने लगा. मेरे एक साथी हैं जो साथ में पैदल चलें तो कभी कंधे पर हाथ रख देंगे तो कभी पकड़ कर झूल जायेंगे. मैंने कई बार उन्हें समझाया कि अब इस आदत को अलविदा कहो, नहीं तो कभी ना कभी पिट भी सकते हो. लेकिन आदत कहां आसानी से छूटती है? अभी हाल में ये पिटने से बचे. हुआ यूं कि एक युवती को युवक समझकर साथ चलते हुए बतला रहे थे. काफी देर तक पता ही नहीं लग सका कि यह युवती है. एक बार हाथ धर भी दिए. शायद पकड़ कर लचक भी गये होते कि इतने में गले से नीचे ध्यान चला गया तो किसी तरह से भगवान को धन्यवाद देते हुए भाग निकले.

बायोस्कोप

किसी प्रोड्यूसर ने किशोर कुमार को बतौर मेहनताना आधा पैसा ही दिया था और फिल्म की शूटिंग खत्म होने को थी. इस बात से किशोर कुमार खफा थे. एक दिन आधे सिर की हजामत बनवा कर सेट पर पहुंच गए. जब डायरेक्टर ने उनसे पूरे सिर की हजामत कराने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि 'आधा पैसा, आधा काम. पूरा पैसा, पूरा काम'. ऐसे ही थे किशोर दा चार अगस्त को उनका जन्मदिवस है. आइए इस मौके पर ऐसे ही रोचक किस्सों से अवगत हों

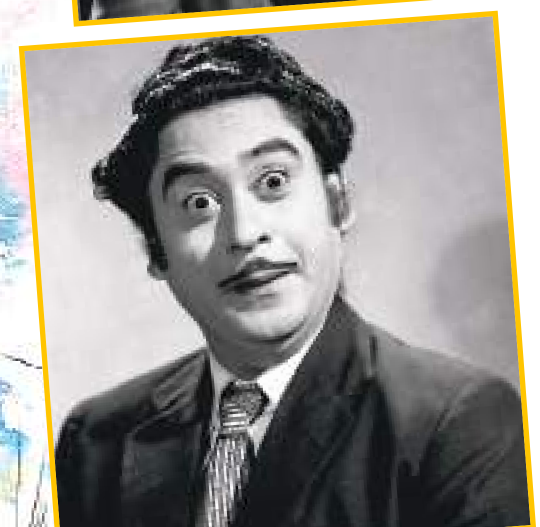

जन्मदिन : 4 अगस्त

हरफनमौला किशोर कुमार

बहुत शुभ रही वह गुनगुनाहट

यह साल 1948 की बात है. एक बार वे अशोक कुमार के बॉम्बे टॉकीज़ वाले दफ़्तर गए. उस दफ़्तर के अहाते में वो सहगल का एक गाना गुनगुना रहे थे. तभी संगीतकार खेमचंद प्रकाश 'ज़िद्दी' फ़िल्म की धुन पर काम करने के बाद थोड़ा आराम करने के लिए बाहर निकल आए. उन्होंने किशोर को गुनगुनाते सुन लिया और बहुत प्रभावित हुए. उन्होंने उनसे अंदर आकर मिलने के लिए कहा. किशोर कुमार के अंदर आने पर उन्होंने उनके सामने हारमोनियम रखा और वो गीत गाने के लिए कहा जो वो बाहर गा रहे थे. थोड़ी देर सुनने के बाद उन्होंने किशोर को ऑफ़र किया कि क्या वो उनकी फ़िल्म 'ज़िद्दी' के लिए गाना गाएंगे? इस तरह उनके शानदार करियर की शुरुआत हुई.

चार बार दूल्हा बने

किशोर कुमार ने चार शादियां की थी. पहली शादी बंगाली सिंगर और एक्ट्रेस रूमा गुहा ठाकुरता से हुई. रूमा से तलाक के बाद उन्होंने मधुबाला से शादी की. मधुबाला की मौत के बाद तीसरी शादी एक्ट्रेस योगिता बाली से हुई लेकिन दो साल बाद ही दोनों का तलाक हो गया. तब किशोर कुमार ने एक्ट्रेस लीना चंदावरकर से चौथी शादी की थी, जो हमेशा कायम रही.

नौ महीने की गर्भवती से शादी

लीना चंदावरकर से जब किशोर कुमार की शादी हुई तब लीना 9 महीने की प्रेगनेंट थीं. दरअसल लीना की पहली शादी 1975 में बिजनेसमैन सिद्धार्थ बंडोडकर से हुई थी. लेकिन शादी के 11 दिन बाद ही एक हादसे में सिद्धार्थ की मौत हो गई. उनकी मौत के बाद लीना अवसादग्रस्त हो गई थीं. उसी दौरान किशोर कुमार ने उन्हें प्रपोज किया. पर तीन-तीन पर शादी करने वाले किशोर कुमार से लीना के पिता अपनी बेटी का ब्याह नहीं करना चाहते थे. बाद में किशोर कुमार ने उन्हें मना लिया और दोनों की शादी हो गई.

ताकि घर नहीं पहुंचे अधिक लोग

किशोर कुमार कुछ मामलों में बेहद अक्खड़ कहे जाते थे. अधिक लोग उनके घर नहीं पहुंचे इसलिए उन्होंने अपने घर के बाहरी हिस्से में हड्डियां और खोपड़ी लगा रखी थी. लोग इस सजावट से डर कर घर नहीं पहुंचे, यही मंशा थी.

हे तलवार, दे दे मेरे आठ हजार

पैसों के मामले में किशोर कुमार कोई समझौता करने को तैयार नहीं थे. अपने पैसे वसूलने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहते थे. एक बार प्रोड्यूसर आर.सी.तलवार ने उनके मेहनताना के कुछ पैसे देने का नाम ही नहीं ले रहे थे. रोज आज-कल पर टाले जा रहे थे. एक दिन अपनी प्रकृति के अनुसार हाथ में एक खिलौना वाला तलवार लहराते पहुंच गए प्रोड्यूसर के घर के सामने और गाना शुरू कर दिया- ₹हे तलवार, दे दे मेरे आठ हजार... हे तलवार, दे दे मेरे आठ हजार...

ऐसे बनी लता मंगेशकर गुरु

महबूब फिल्म का एक गाना रिकॉर्ड होना था -मेरे नैना सावन भादो यह गीत राग शिवरंजनी पर था जो हिंदुस्तानी संगीत के सबसे कठिन रागों में से एक माना जाता है. कई ने आरडी बर्मन यानी पंचम दा को कहा कि ये गाना मोहम्मद रफी से रिकोर्ड कराया जाए, क्योंकि किशोर कुमार इसे नहीं गा सकेंगे, लेकिन पंचम दा को पूरा यकीन था कि किशोर कुमार इसे गाएंगे और बढियां गाएंगे. जब पंचम दा ने किशोर कुमार को पूरी बात बताई तो उन्होंने कहा कि वे पहले लता जी से ये गाना रिकोर्ड कराएं, फिर वे उसे वैसे के वैसे ही रिकोर्ड कर देंगे. फिर क्या था आर डी बर्मन ने लता मंगेशकर से ये गाना रिकोर्ड कराया और रिकॉर्डिंग किशोर कुमार को भेज दी. किशोर कुमार ने 7 दिनों तक यह गाना प्रैक्टिस किया. जब वे इस गाने को रिकोर्ड करने पहुंचे तो सब के सब ये गाना सुनकर हैरान रह गए, क्योंकि किशोर कुमार ने इस गाने को बिलकुल लता मंगेशकर की तरह गाया था.

पांच रुपैया बारा आना का कर्जा

किशोर कुमार और मधुबाला का नटखट गाना 'पहले दे दो मेरा, पांच रुपैया बारा आना', आज भी हमारे चेहरे पर हंसी ले आता है. गाने के पीछे एक दलिचस्प कहानी है. इंदौर कॉलेज की कैंटीन के एक हॉस्टल में उन पर 5.75 रुपये का कर्ज था. यह कर्ज तब तक नहीं चुका था और इसे याद कर इसी कॉन्सेप्ट पर यह गाना तैयार हुआ था.

लता मंगेशकर रहती थीं उनसे परेशान

लता मंगेशकर ने किसी इंटरव्यू में कहा था कि डुएट गाने में सबसे अधिक एंजॉय उन्होंने किशोर कुमार के साथ किया. पर साथ ही यह कहने से भी नहीं रुकीं कि किशोर के साथ डुएट गाना कई बार बहुत मुश्किल भरा भी होता था. आखिर क्यों? लता ने जवाब में कहा था कि ₹गाते समय उनके संगीत और गायन को लेकर कोई समस्या नहीं होती थी, मगर जिस तरह वे हंसाते हंसाते पेट में दर्द करा देते थे, उसको संभालना मुश्किल होता था. आप कितना भी सीरियस क्यों न हों, जब आप अंतरों में तान ले रहे हों या हरकत दिखा रहे हों, किशोर दा कोई ऐसा बेवकूफ़ी भरा इशारा करते थे, जिससे आपका ध्यान गाने से हट जाए.₹

अदृश्य लड़के से बातचीत

इस बारे में जिक्र करते हुए एक बार आशा भोंसले ने एक इंटरव्यू में बताया था कि- " किशोर दा अक्सर एक ऐसे लड़के के साथ रिकॉर्डिंग करवाने आते थे जो दिखाई नहीं देता था. वे उससे लगातार बातें करते, चुटकले सुनाते और ज़ोर का ठहाका लगाते. कभी-कभी वो मुझे भी उन दोनों की बातचीत में शामिल होने का न्योता देते. मुझे ये थोड़ा अजीब ज़रूर लगता लेकिन हम लोगों का ज़बरदस्त मनोरंजन हुआ करता. कई बार हम लोग गाने को बीच में रुकवा कर उनसे मिन्नतें करते थे कि दादा पहले शांति से गाना रिकॉर्ड करवा दो, फिर ये सब कर लेना. दिलचस्प बात ये थी कि वो कितना भी उछलकूद और हंसोड़ हरकतें क्यों न कर रहे हों, खुद उन सब से बाहर रह कर गंभीर मुद्रा में गाते थे.₹

पंखे की जगह बंदर टांगने का निर्देश

एक बार अंग्रेज़ीदां क़िस्म का इंटीरियर डेकोरेटर जून महीने के गर्मी भरे दिन में ऊनी कपड़े का थ्री-पीस सूट पहने उनसे मिलने पहुंचा. किशोर कुमार को हैरत हुई कि कोई आदमी पसीने-पसीने होते हुए सूट पहन कर कैसे बैठ सकता है लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा. जब वह आधे घंटे तक नकली अमेरिकी लहजे में अंग्रेज़ी में बकबक करता रहा तो किशोर ने उसे सबक सिखाने की ठानी. उन्होंने उससे कहा कि वे चाहते हैं उनके ड्राइंग रूम की दीवारों पर पेन्टिंग्स के बदले जिंदा कौवे टांगे जाएं और पंखों की जगह बन्दर लटक रहे हों जो समय-समय पर वायु-विसर्जन करते रहें. बेचारा इंटीरियर डेकोरेटर किसी तरह वहां से भागा.

जब चौकीदार उनसे डर गया

लीना ने कभी किसी इंटरव्यू के दौरान बताया कि किशोर कुमार एकदम बच्चों जैसे थे. छोटी छोटी बातों से ख़ुश हो जाते थे. उन्हें लोगों को चौंकाने में बहुत ही आनंद आता था. विदेश से कई तरह के मुखौटे लाए थे. एक बार इन्हीं में से एक मुखौटे पहन ऐसी हरकत करने लगे कि उनका चौकीदार ही उनको देखकर डर गया. ऐसी शरारतें करने मे वो माहिर थे.

हस्ताक्षर

सावन में झूले पड़े, तुम चले आओ

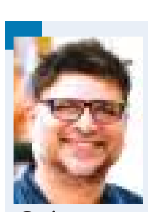

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

'सावन का महीना पवन करे शोर, जियरा रे झूमे ऐसे जैसे वन मा नाचे मोर', सच है कि न तो आज वह सावन रहा, न ही पवन का शोर सुनाई दे सकने वाली शांति, न ही बचे हैं वन और न ही उसमें नाचने वाले मोर, बावजूद इसके आज भी ये गीत हमारे मन प्राणों को स्पंदित करते हैं तो इसका कारण वह सुखद स्मृतियां हैं, वह कल्पनाएं हैं जिसे गढ़ने में कालीदास से लेकर निराला तक ने अपने हृदय की समस्त कोमलता उड़ेल दी हैं.

भारतीय जीवन में सावन सिर्फ मौसम में एक बदलाव का प्रतीक नहीं रहा है. यह सुख, समृद्धि, सौहाद्र और प्रेम का द्योतक रहा है. प्रेमचंद की कृति 'गोदान' पर बनी फिल्म में भी किसानों के जीवन में सावन को उल्लास का संचार करते देखा जा सकता है. 'पूरबा के झोंकवा ने लायो रे संदेशवा कि चल आज देशवा की ओर'. रोजी रोटी कमाने शहर आये मजदूरों को सावन की पहली दस्तक ही उम्मीद देती है कि समृद्धि अब अपने गांवों तक भी पहुंच गई होगी. 'मदर इंडिया' के 'हो सावन का संदेशा लेकर निकली अपने घर से, जो कोई इसके प्यार को तरसे वहीं नवेली बरसे' से लेकर 'लगान' के 'घनन-घनन घिर आए बदरा तक', सिर्फ शब्द संयोजन में परिवर्तन भले ही दिखता हो, गीतों के मूल स्वर एक ही हैं, दुखों के बीच उत्साह का संचार, यही है सावन. 'पूरब और पश्चिम' में मनोज कुमार यूं ही नहीं कहते 'पूरवा सुहानी आयी रे', वे सावन को राष्ट्रीय पहचान से जोड़कर देखते हैं. पूरवा के बहाने पूरब की श्रेष्ठता उद्‌घोषित की जा रही है यहां. संतोष आनंद जाहिर करने की कोशिश करते हैं कि सावन का वरदान सिर्फ हमें ही मिला है. यह सच भी तो है.

सावन के साथ जुड़ा है उत्साह, और उत्साह के साथ प्रेम. आश्चर्य नहीं कि सावन का सुखद वातावरण पूरी प्रकृति में प्रेम का लय तरंगित कर देता है, जो कभी कालीदास को भी प्रेरित करती थी और मजरूह को भी करती रही. 'चुपके-चुपके' में नायिका इस प्यास को शालीनता से अभिव्यक्ति देती हैं, 'अबकी बरस सावन में, आग लगेगी बदन में'. सावन जितना मिलन का प्रतीक रहा है, उससे कहीं अधिक विरह का. लता मंगेशकर गाती थी 'अब के ना सावन बरसे, अबके बरस तो बरसेगी अंखियां' या फिर मोहम्मद रफी,' अजहू न आए बालम, सावन बीता जाय'. 'बरसात की एक रात' में नायिका हारती नहीं, उम्मीद रखती है, 'सावन के झूले पड़े, तुम चले आओ...' उम्मीद हम भी रखते हैं. बीते वर्षों में हिन्दी फिल्मों ने अपना स्वरूप बदला तो इसका सावन भी बदला है.

हिन्दी फिल्में महानगरीय हो गई हैं. और महानगरों में सावन के साथ कोमल अहसास नहीं जगते, उमड़ते नाले याद आते हैं. वहां सीमाएं लांघने के लिए अब किसी सावन की जरूरत नहीं. डिस्को दरवाजे सालो भर सभी मौसमों में खुले हैं. 'दूध उबालोगे तो झाग लगेगी और जो सावन में ऐसे नाचोगी तो आग लगेगी आग...' जैसी बेसिर पैर की तुकबंदी के साथ बगैर बारिश, और बगैर सावन के अब गाया जाता है, "सावन में लग गई आग". जाहिर है '1942 ए लव स्टोरी' जैसी 'रिम झिम रिम झिम रूम झूम रूम झूम' अबगाहे बगाहे सुनायी देती है.

'अयोध्या' और 'मिथिला' मुंबई में हो रहे तैयार

नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'रामायण' सुर्खियों में बनी रहती है. फिल्म में भगवान राम के किरदार में जहां रणबीर कपूर और मां सीता के किरदार में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी हैं. रावण का किरदार केजीएफ के यश, लारा दत्ता कैकेई, सनी देओल हनुमान का किरदार निभाते नजर आएंगे. शूट की कुछ तस्वीरें लीक होती रहती हैं. अब नई अपडेट रामायण की मिथिला और अयोध्या के बारे में है.

3डी फॉर्मेट में बन रहे सेट्स

रिपोर्ट्स की मानें तो अयोध्या और मिथिला दोनों की मुंबई में बनाए जाएंगे. यह सभी सेट 15 अगस्त तक बनकर तैयार हो जाएंगे. इन सेट्स में खास बात यह है कि यह 3डी फॉर्मेट में बनकर तैयार हो रहे हैं. रणबीर कपूर अगस्त के आखिरी हफ्ते से शूटिंग पर आएंगे. फिल्म का शेड्यूल पूरे 350 दिनों का है जिसमें मेन किरदार के अलावा अन्य किरदारों की भी शूटिंग शेड्यूल की गई है.

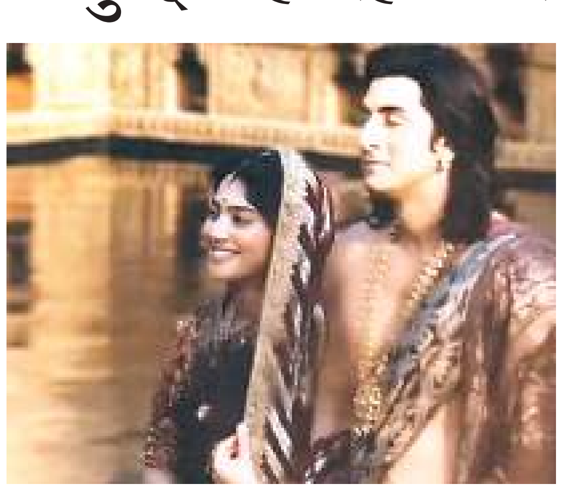

जब जाह्नवी को बेडरूम में बॉयफ्रेंड के साथ पापा ने पकड़ा

जाह्नवी कपूर इन दिनों चर्चा में हैं. एक तरफ रेखा का उनपर मातृवत प्यार लुटाता फोटो वायरल हो रहा है, वहीं बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया की मां का उनके प्रति केयरिंग व्यवहार चर्चा में है. शुक्रवार को उनकी फिल्म उलझ सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. आइए, इस मौके पर जाह्नवी कपूर के कुछ सुने-अनसुने किस्सों की करें चर्चा...

मां श्रीदेवी अब इस दुनिया में नहीं रहीं, पर उनकी बताई बातों को आज भी जाह्नवी पूरा करने की कोशिश करती हैं. आज भी उनकी हर इच्छा को पूरा करती हैं और जो उन्हें नहीं पसंद वह तो बिल्कुल नहीं करती हैं. जाह्नवी के दिल में उनकी मां हमेशा जीवित हैं. अक्सर मीडिया से बातचीत के दौरान भी जाह्नवी मां की चर्चा कर देती है. हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी मां के लिए वह कभी फिल्म में एक चीज नहीं करेंगी चाहे कितना ही अच्छा रोल क्यों ना हो, चाहे कितना ही बड़ा मौका ना हो. आगे कहती हैं कि वह कभी फिल्म में गंजी नहीं होंगी, चाहे वो कितना ही बड़ा किरदार हो या कितनी ही बड़ी फिल्म, लेकिन वह कभी गंजी नहीं होंगी. इस निर्णय के पीछे उनकी प्यारी मां की कही बातें हैं जिन्हें जाह्नवी के बाल बेहद पसंद थे. जाह्नवी ने कहा कि मेकर्स कोई न कोई हल निकाल लेंगे चाहे वीएफएक्स यूज करें, लेकिन बाल नहीं काटने वालीं. उन्होंने बताया कि फिल्म उलझ के मेकर्स ने उन्हें बाल कटवाने को कहा था, लेकिन वह नहीं मानीं. जाह्नवी ने कहा, इस फिल्म के लिए मेरे डेडिकेशन पर कोई सवाल नहीं उठा सकता. मैंने अपना कंधा तुड़वा दिया था, खून बहाया है, खुद को बहुत ट्रॉमा और टॉर्चर में डाला है, लेकिन कभी गंजी नहीं होने वाली.

धड़क के दौरान मां ने लगाई थी डांट

जाह्नवी ने आगे बताया, 'फिल्म धड़क के दौरान फिल्म की मांग पर जब मैंने अपने बाल कट किया था तो मां बहुत चिल्लाई थीं. उन्होंने कहा था तुम ऐसा कैसे कर सकती हो. किसी भी किरदार के लिए कभी बाल मत कटवाना. वह हफ्ते में दो-तीन दिन मेरे बालों में तेल लगा कर खुद मसाज करती थीं. उनको मेरे बाल बहुत पसंद थे इसलिए मैं कभी अपने बाल नहीं कटवाने वाली.'

बेडरूम की खिड़की से कूदा बॉयफ्रेंड

एक बार जब घर में कोई नहीं था, जाह्नवी ने अपने बॉयफ्रेंड को अपने घर बुला लिया और सीधे अपने बेडरूम में बैठा लिया. दोनों वहां बैठ कर बातें कर रहे थे, तभी पापा अचानक घर आ गए. घबराहट में जाह्नवी ने उस लड़के को दरवाजे की जगह खिड़की से नीचे कूदा दिया. उम्मीद थी कि अब पापा को कुछ पता नहीं चलेगा. लेकिन पापा ने सीसीटीवी कैमरे में सबकुछ देख लिया था और जाह्नवी का प्लान उल्टा पड़ गया. जाह्नवी ने बताया कि, पापा ने उस घटना के लिए मुझे सजा भी दी थी. उन्होंने घर की सभी खिड़कियों में ग्रिल लगवा दी थी.

पहाड़िया खानदान की बनेंगी बहू?

पिछले दिनों एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर को फूड प्वॉइजनिंग हो गया था, इसकारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था. उस समय उनके पिता बोनी कपूर देश से बाहर कहीं यात्रा पर थे. तब अस्पताल में भर्ती जाह्नवी की देखभाल उनके कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया की मां स्मृति शिंदे ने की. बता दें कि जाह्नवी कपूर को अकसर शिखर पहाड़िया इवेंट्स में देखा जाता है. उनके फैंस का मानना है कि वो दोनों रिलेशनशिप में हैं. अब जब बीमारी में जाह्नवी की देखभाल शिखर की मां ने की तो ऐसे में ये कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द ही जाह्नवी कपूर पहाड़िया खानदान की बहू बनने वाली हैं.

श्रीदेवी ने किया था प्यार से दूर

जाह्नवी ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण सीजन 8 में खुलासा किया था कि वह शिखर को प्यार से शिखू बुलाती हैं. दोनों में से किसी ने अपने रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई. हालांकि एक-दो बार जाह्नवी को कस्टामइज्ड नेकलेस में देखा गया जिसमें शिखर का नाम 'शिक्खू' लिखा हुआ था. शिखर के साथ जाह्नवी का रिश्ता एक बार टूटा भी था. जैसा कि एक इंटरव्यू में जाह्नवी ने खुद बताया था कि जब जाह्नवी ने इंडस्ट्री में कदम रखा था तो श्रीदेवी ने उन्हें किसी भी रिलेशनशिप के लिए मना कर काम पर फोकस करने के लिए कहा था. इसकारण जाह्नवी ने शिखर से दूरी बना ली थी. बाद में ईशान खट्टर के साथ भी उनका कुछ झुकाव हुआ पर जाह्नवी को बाद में एहसास हुआ था कि शिखर ही उनका सच्चा प्यार हैं और दोनों फिर से साथ आ गए. कॉफी विद करण में जाह्नवी ने खुलासा किया था कि शिखर को उनके परिवार वाले भी काफी पसंद करते हैं और वह पिता बोनी कपूर और बहन खुशी के बेहद करीब हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

एक और इतिहास रच सकती हैं मनु

- 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंची, आज दोपहर साधेंगी निशाना

एजेंसी। पेरिस

मनु भाकर शनिवार को फिर से एक और इतिहास रच सकती हैं. इस ओलंपिक में मनु कमाल ही कर दिया है. दो ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद अब ये शूटर तीसरे मेडल के भी बेहद करीब पहुंच चुकी हैं. मनु भाकर ने शुक्रवार को 25 मीटर पिस्टल इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में कमाल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई. मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में दूसरे स्थान पर रहीं. मनु भाकर ने क्वालिफिकेशन राउंड में 590-24x अंक हासिल किए वहीं दूसरी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह फाइनल तक पहुंचने में नाकाम रहीं. ईशा सिंह 18वें स्थान पर रहीं. टॉप 8 शूटर ही फाइनल में जगह बना पाते हैं और मनु भाकर को क्वालिफाई करने में कोई दिक्कत पेश नहीं आई.

आज होगी स्पर्द्धा

मनु भाकर ने अगर 25 मीटर पिस्टल इवेंट में भी मेडल जीत लिया तो वो इतिहास रच देंगी. पहले कभी किसी भारतीय ने एक ओलंपिक में लगातार तीन मेडल नहीं जीते हैं और मनु के पास ये काम करने का मौका है. मनु भाकर ने अगर तीसरा मेडल जीत लिया तो वो भारतीय इतिहास की पहली खिलाड़ी होंगी जिनके नाम तीन ओलंपिक मेडल होंगे. फिलहाल हो सुशील कुमार, पीवी सिंधु की तरह 2 ओलंपिक मेडल जीत चुकी हैं. मनु जिस तरह की फॉर्म में हैं उसे देखकर ये काम नामुमकिन भी नहीं लग रहा है.

मनु भाकर लगाएंगी मेडल की हैट्रिक!

मनु भाकर ने अबतक ओलंपिक में दो कांस्य पदक अपने नाम किए हैं. हरियाणा की इस युवा शूटर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में पहला पदक जीता था और इसके बाद वो 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर ब्रॉन्ज मेडल जीतीं. अब 25 मीटर इवेंट में वो फिर मेडल जीत सकती हैं.

हार के बाद कहा : मैं वो नतीजा नहीं दे पाई, जिसकी मुझे उम्मीद थी

तीसरे मेडल का सपना चूर, ब्रेक चाहती हैं सिंधू

एजेंसी। पेरिस

भारतीय स्टार शटलर पीवी. सिंधू ओलंपिक के एकल मुकाबले से बाहर हो गयीं. बैडमिंटन के वुमेंस सिंगल के प्री क्वार्टर फाइनल यानी राउंड 16 में सिंधू को चीन की बिंग जियाओ के खिलाफ हार झेलनी पड़ी. इसके साथ ही ओलंपिक में अपने तीसरे पदक का उनका सपना पेरिस में टूट गया. हार के बाद सिंधु ने अपने संन्यास को लेकर बड़ा अपडेट दिया. उन्होंने 2028 में खेले जाने वाले ओलंपिक को लेकर बात की. सिंधू के लिए पेरिस ओलंपिक किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा. राउंड 16 में सिंधु को चीन की बिंग जियाओ के खिलाफ 21-19, 21-14 से हार झेलनी पड़ी. हार के बाद सिंधु से 2028 के लॉस एंजिल्स के ओलंपिक के बारे में पूछा गया. सिंधू ने जवाब देते हुए कहा, अभी अगले ओलंपिक में चार साल हैं. मैं वापस जाकर थोड़ा आराम करूंगी. ब्रेक लेने के बाद देखूंगी कि क्या करना है. चार साल बहुत लंबा वक्त है. फिलहाल वापस जाने का वक्त है. मैं वो नतीजा नहीं दे पाई, जिसकी मुझे उम्मीद थी. यह दुखद है, लेकिन यह एक सफर है. इसके अलावा भारतीय स्टार ने मुकाबले को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि कैसे वह खुद पर काबू नहीं रख सकीं.

भारतीय शटलर ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे अपनी गलतियों पर काबू रखना चाहिए, खासकर दूसरे मैच में. यह दुखद है कि मैं इसे जीत में नहीं बदल पाई. पहले मैच में स्कोर एक वक्त पर 19-19 था. मैं हर प्वाइंट के लिए लड़ती रही. हम दोनों ही लड़ रहे थे. आप आसान खेल या आसान अंक की उम्मीद नहीं कर सकते. मुझे डिफेंसिव छोर पर गलतियों पर काबू रखना चाहिए.

पिछले दो ओलंपिक में जीते थे मेडल

पीवी सिंधु ने पिछले दोनों ओलंपिक में मेडल जीते थे. 2016 के रियो ओलंपिक में भारतीय शटलर ने सिल्वर मेडल जीता था. इसके अलावा 2020 को टोक्यो ओलंपिक में सिंधु ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्ज़ा किया था. इस बार पेरिस ओलंपिक में उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद की जा रही थी. हालांकि इस ओलंपिक में उनके हाथ कोई भी मेडल नहीं लग सका.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	12	7	7	26
2. अमेरिका	9	17	14	40
3. ब्रिटेन	9	8	8	25
4. फ्रांस	8	11	10	29
5. ऑस्ट्रेलिया	8	6	5	19
6. जापान	8	3	6	17
7. द. कोरिया	6	3	3	12
8. इटली	5	18	4	17
9. नीदरलैंड	4	2	2	8
10. कनाडा	3	2	4	9
45. भारत	0	0	3	3

पेरिस ओलंपिक में आज भारत

- **निशानेबाजी :** स्कीट स्पर्धा में महिला खिलाड़ियों का क्वालिफिकेशन खेला जाएगा, इसमें भारत के लिए रायजा ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान खेलती हुईं नजर आएंगे, दोपहर 12 :30 बजे से.
- **तीरंदाजी :** स्टार खिलाड़ी दीपिका कुमारी दोपहर 1 :52 बजे खेलती हुईं नजर आएंगी. यह महिला एकल का एलिमिनेशन राउंड होगा, दीपिका जर्मनी की मिशेल क्रॉपेन के खिलाफ खेलने उतरेंगी, भजन कौर भी तीरंदाजी में अपना मुकाबला खेलेंगी, दोपहर 2 :05 बजे उनका महिला एकल एलिमिनेशन राउंड मुकाबला खेला जाएगा, उनके सामने इंडोनेशिया की डायनांदा चोइरुनिसा होगा.
- **रेस :** सेलिंग में शाम 5 :55 बजे नेत्रा कुमानन अपने 5वें रेस में उतरेंगी. इसी खेल में विष्णु सरवणन दोपहर 3 :45 बजे अपना मुकाबला खेलेंगे.

अबतक आतंकी खतरे का पता नहीं लगा

पेरिस। फ्रांस के आंतरिक मंत्री गेराल्ड दरमानिन ने शुक्रवार को कहा कि अधिकारियों ने ओलंपिक खेलों के पहले हफ्ते में किसी भी आतंकी खतरे का पता नहीं लगाया है, हालांकि इस दौरान विभिन्न अपराधों के लिए सुरक्षा बलों ने लगभग 200 लोगों को गिरफ्तार किया है. दरमानिन ने पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा जारी किया.

पेरिस ओलंपिक : धीरज-अंकिता की जोड़ी फाइनल में हारी

धीरज और अंकिता की मिश्रित जोड़ी कांस्य पदक से चुकीं

भाषा। पेरिस

भारत के धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत पेरिस ओलंपिक में मिश्रित युगल तीरंदाजी में शुक्रवार को पदक से चूक गए जिन्हें कांस्य के पदक मुकाबले में अमेरिका की कैसी कॉफहोल्ड और ब्रैडी एलिसन की जोड़ी ने 6 . 2 से हराया .धीरज और अंकिता की पांचवीं वरीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहला सेट जीतने के बावजूद किम वूजिन और लिम सिहियोन की दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीय जोड़ी से 2-6 से हारने से कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंची थी.अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही जिसमें उन्होंने पहले दो सेट गंवा दिये. भारतीय तीरंदाजों ने तीसरा सेट जीतकर वापसी की उम्मीद जगाई लेकिन कैसी और ब्रैडी की जोड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और 38-37, 37-35, 34-38, 37-35 से कांस्य पदक जीत लिया.इससे पहले धीरज और अंकिता को दक्षिण कोरियाई जोड़ी से 38-36, 35-38, 36-38, 38-39 से हार झेलनी पड़ी.

पुरुष एकल स्कल्स में भारत के बलराज पंवार 23वें स्थान पर : भारतीय नौकायन खिलाड़ी बलराज पंवार ने शुक्रवार को यहां फाइनल डी में पांचवें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में अपने अभियान का अंत 23वें स्थान के साथ किया. हरियाणा के 25 साल के बलराज ने फाइनल डी में सात मिनट 2.37 सेकेंड का समय लिया.

तूलिका मान पहले दौर में हार के साथ हुईं बाहर

पेरिस। भारतीय जूडो खिलाड़ी तूलिका मान पेरिस ओलंपिक की महिलाओं की 78 किग्रा से अधिक स्पर्धा के पहले दौर में शुक्रवार को यहां लंदन ओलंपिक की चैंपियन क्यूबा की इडेलिस ओर्टिज के खिलाफ शिकस्त के साथ बाहर हो गईं. राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता दिल्ली की 22 साल की तूलिका को क्यूबा की खिलाड़ी के खिलाफ इप्पोन से 0–10 से शिकस्त का सामना करना पड़ा.

स्पेन के कार्लोस अल्काराज पुरुष टेनिस एकल मुकाबले के फाइनल में पहुंचे

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-1, 6-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक की पुरुष टेनिस एकल स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया. इससे वह ओलंपिक की टेनिस स्पर्धा का एकल स्वर्ण पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने से महज एक जीत दूर हैं. अब उनका सामना सर्बिया के स्टार नोवाक जोकोविच और इटली के लोरेंजो मुसेटी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा. महिलाओं का एकल फाइनल शनिवार को होगा, जिसमें चीन की झेंग किनवेन का सामना डोना वेकिच से होगा. इससे पहले, कार्लोस अल्काराज पेरिस ओलंपिक की पुरुष टेनिस स्पर्धा में अमेरिका के टॉमी पॉल को से हराकर 2008 में नोवाक जोकोविच के बाद एकल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए. अल्काराज ने 11 मैचों में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए पॉल को 6-3, 7-6 (7) से हराया. फ्रेंच ओपन के मौजूदा चैंपियन स्पेन के 21 साल के इस खिलाड़ी ने जीत के बाद कहा, रोलां गैरों में मेरे दो सप्ताह सचमुच बहुत अच्छे रहे है.

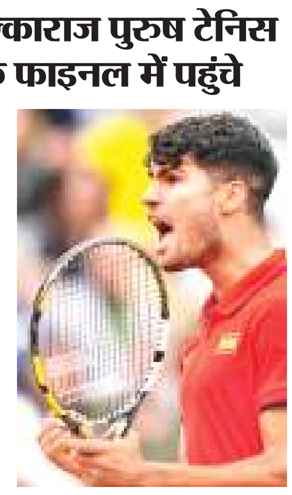

रूस की आंद्रीवा और श्नेडर सेमीफाइनल में

पेरिस। रूस की टेनिस खिलाड़ी माइरा आंद्रीवा और डायना श्नेडर पेरिस ओलंपिक के महिला युगल सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, जिससे एआईएन नाम से तटस्थ व्यक्तिगत खिलाड़ियों के रूप में खेल रहे देश के खिलाड़ियों को पहला पदक जीतने का मौका मिला है. आंद्रीवा और श्नेडर की जोड़ी ने कैटरीना सिनिकोवा और बारबरा क्रेसिकोवा की चेक गणराज्य की दूसरी वरीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में 6–1, 7–5 से हराया.

पेरिस में यूक्रेन के ओलंपिक एथलीटों का सम्मान

पेरिस। पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो ने 2024 ओलंपिक के दौरान एकजुटता दिखाने के लिए यूक्रेन के खिलाड़ियों को फ्रांस की राजधानी के सर्वोच्च गौरव ग्रैंड वर्मील पदक से सम्मानित किया. हिडाल्गो ने कहा, मैं आज आपके दुख और गर्व दोनों की कल्पना कर सकती हूं. यह जानकर दुख हुआ कि आपके देश पर अभी भी हमला हो रहा है और वह युद्ध में है. आपके कई दोस्त, आपके रिश्तेदार अग्रिम पंक्ति में हैं और लड़ रहे हैं.

भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराया

ओलंपिक हॉकी में 52 साल बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

भाषा। पेरिस

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पीआर श्रीजेश की अद्भुत गोलकीपिंग के दम पर भारत ने पेरिस ओलंपिक के आखिरी पूल मैच में शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा दिया. ओलंपिक पुरुष हॉकी में 1972 म्यूनिख खेलों के बाद भारत की ऑस्ट्रेलिया पर यह पहली जीत है. आखिरी बार भारत ने सिडनी ओलंपिक 2000 में 2-2 से ड्रॉ खेला था. टोक्यो ओलंपिक 2020 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पूल चरण में 7-1 से हराया था. भारत के लिए अभिषेक ने 12वें, हरमनप्रीत ने 13वें और 32वें मिनट में गोल किये. ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रेग थॉमस ने 25वें और ब्लैक गोवर्स ने 55वें मिनट में गोल दागा. पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने डिफेंस की अपनी ड्यूटी संभालने के साथ ही लगातार पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी स्ट्रोक्स से गोल दागकर टीम को जीत दिलाते रहे. यही कमाल उन्होंने उस ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ भी किया, जिसने पिछले कई सालों में ओलंपिक, वर्ल्ड कप और कॉमनवेल्थ गेम्स में टीम इंडिया को बहुत दर्द दिया था. आखिरकार 1972 के बाद पहली बार टीम इंडिया ने ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया से अपनी कई हारों का बदला ले ही लिया.

एक दिन पहले ही बेल्जियम के खिलाफ कड़े मुकाबले में 1-2 से हारने के बाद टीम इंडिया के सामने अपने ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया की मुश्किल चुनौती थी. ऑस्ट्रेलिया ही इस मैच में जीत की दावेदार मानी जा रही थी लेकिन टीम इंडिया ने पहले क्वार्टर से ही फ्रंट फुट पर खेलना शुरू किया और दो मिनट के अंदर दो गोल दागकर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली. इसने हर किसी को हैरान कर दिया. टीम के लिए 12वें मिनट में अभिषेक ने फील्ड गोल दागा और फिर अगले ही मिनट कप्तान हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में बदल दिया.

पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह का हिस्सा होंगे टॉम क्रूज

भाषा। लॉस एंजिलिस

हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज के 11 अगस्त को पेरिस ओलंपिक के समारोपन समारोह में हिस्सा लेने की उम्मीद है. मिशन इम्पॉसिबल सीरीज, टॉप गन और ऐज ऑफ टुमॉरो जैसी बेहद सफल फिल्मों में काम करने वाले एक्शन हीरो टॉम क्रूज के समापन समारोह में एक स्टंट करने की उम्मीद है, जब ओलंपिक ध्वज 2028 ओलंपिक के मेजबान शहर लॉस एंजिलिस को सौंपा जाएगा. डेडलाइन प्रकाशन ने विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी. डेडलाइन ने सूत्रों के हवाले से कहा, आप हॉलीवुड प्रोडक्शन की बड़ी भूमिका होने की उम्मीद कर सकते हैं. कार्यक्रम की जानकारी को गोपनीय रखा गया है लेकिन इस दौरान पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो ओलंपिक ध्वज को लॉस एंजिलिस की मेयर केरेन बास को सौंपेंगी. हॉलीवुड वेबसाइट टीएमजेड ने समापन समारोह में क्रूज के हिस्सा लेने की जानकारी सबसे पहले दी थी.

ओलंपिक में हार के बाद एंडी मरे ने लिया संन्यास

पेरिस। ओलंपिक के पुरुष युगल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे का शानदार पेशेवर करियर खत्म हो गया. वह इस खेल को अलविदा कहने के लिए जब कोर्ट पर उतरे तो उनकी आंखें नम थीं. इस 37 साल के खिलाड़ी ने पहले ही कहा था कि 2024 ग्रीष्मकालीन खेल उनके लिए आखिरी पेशेवर मुकाबला होगा. उन्हें और उनके साथी डैन इवांस को गुरुवार रात कोर्ट सुजैन लेंगले में टेलर फ्रिट्ज और टॉमी पॉल की अमेरिका की जोड़ी ने 6-2, 6-4 से हराया. ओलंपिक टेनिस एकल स्पर्धा दो बार के इकलौते स्वर्ण पदक ने कहा, मुझे पता था कि यह पल आने वाला है. यह अगर आज नहीं हुआ होता तो कुछ दिनों के बाद होने वाला था. मैं इसके लिए तैयार था. जाहिर है, मैं भावुक हूं क्योंकि यह आखिरी बार था जब मैंने किसी प्रतिस्पर्धी मैच को खेला. मैं वास्तव में अभी खुश हूं. तीन ग्रैंड स्लैम खिताब के इस विजेता ने कहा, मुझे बहुत खुशी मिली है.

नौकायन : स्पूर्स-फ्रांसिस के जीत दर्ज करने के तुरंत अपने बच्चों को गोद में उठा लिये

तीन माताओं ने पदक जीतकर बच्चों के साथ मनाया जश्न

- न्यूजीलैंड की ये दोनों खिलाड़ी अपने बच्चों की देखभाल के मुश्किल समय के दौरान एक–दूसरे को प्रेरित करने के लिए अभ्यास सत्र के दौरान बच्चों के गीत गाते थे

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में तीन माताओं के लिए नौकायन स्पर्धा में पदक जीतने के बाद अपने बच्चों के साथ जश्न मनाना बेहद खास रहा. ब्रिटेन की अनुभवी हेलेन ग्लोवर और न्यूजीलैंड की लुसी स्पूर्स तथा ब्रुक फ्रांसिस बच्चे को जन्म देने के दो साल से भी कम समय के अंदर ओलंपिक पदक जीतने में सफल रहीं. स्पूर्स तथा फ्रांसिस की जोड़ी ने महिला युगल स्कल्स में स्वर्ण पदक जीता, जबकि तीन बच्चों की मां ग्लोवर महिला फोर स्पर्धा में रजत पदक हासिल करने में सफल रही. स्पूर्स और फ्रांसिस के जीत दर्ज करने के तुरंत बाद दर्शक दीर्घा में बैठे अपने बच्चों को गोद में उठा लिये. फ्रांसिस ने कहा, मैंने उन्हें स्टैंड में देखा और उन्हें गले लगाने में भी कामयाब रही. मुझे लगता है कि वे अपनी मां के वापस आने का इंतजार कर रहे थे. न्यूजीलैंड की ये दोनों खिलाड़ी अपने बच्चों की देखभाल के मुश्किल समय के दौरान एक-दूसरे को प्रेरित करने के लिए अभ्यास सत्र के दौरान बच्चों के गीत गाते थे. वे अपने परिवारों को पेरिस ले आए ताकि प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित कर सकें. फ्रांसिस ने कहा, यह शानदार एहसास है. बच्चों का पालन-पोषण करना आसान नहीं है. हमें इसमें परिवार और दूसरे खिलाड़ियों का भी साथ मिला हैं . यह इसे और भी अधिक खास बनाता है. हमारा परिवार यहां है और हमारे बच्चों को अब यह विरासत देखने को मिलती है.

स्पूर्स ने कहा कि उन्हें और फ्रांसिस को प्रतिस्पर्धियों और अन्य टीमों से समर्थन के संदेश मिल रहे थे, जिसमें कहा गया था कि वे उनका कितना सम्मान करते हैं. स्पूर्स ने कहा, फ्रांसिस और मेरी स्थिति बिल्कुल एक जैसी है. मुझे लगता है कि हम जानते हैं कि हम दोनों किस दौर से गुजर रहे हैं. इससे हमें अच्छा करने की और अधिक प्रेरणा मिली. ग्लोवर ने अभ्यास के दौरान अपने बच्चों को स्तनपान कराने की चुनौती के बारे में बात की है. वह अपनी रेस पूरी करने के बाद सीधे अपने बच्चों को हाई-फाइव करने गईं. उन्होंने पदक समारोह के बाद भी अपने बच्चों गले लगाया. ग्लोवर ने कहा, उन्हें यह (मेरा दूसरे स्थान पर रहना और पदक मिलना) बहुत अच्छा रहा है. ग्लोवर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों को सकारात्मक संदेश देगी.

मुझे लगता है कि इसे (स्तनपान) सामान्य बनाना वास्तव में महत्वपूर्ण है. मुझे लगता है कि यह दिखाता है कि आप (मां बनने के बाद) वापसी कर सकते हैं, चाहे वह कुछ भी हो, चाहे वह काम हो, शौक हो, खेल हो या कुछ और. आप बच्चे होने के बावजूद उत्कृष्टता प्राप्त नहीं कर सकते. मुझे लगता है कि यह समाज के लिए एक संदेश है और महिलाएं जो चाहती हैं वह बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए.

पेरिस में खेल मंत्रालय ने लगवाये 40 एसी

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में गर्मी और उमस से परेशान भारतीय खिलाड़ियों को राहत देने के लिये खेल मंत्रालय ने खेलगांव में उनके कमरों में 40 पोर्टेबल एसी लगवाये हैं. मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यहां फ्रेंच दूतावास और भारतीय ओलंपिक संघ से बातचीत के बाद खेलगांव में एसी भेजे गए. ओलंपिक खेलगांव में गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों की परेशानी को देखते हुए खेल मंत्रालय ने वहां भारतीय खिलाड़ियों के लिये 40 एसी लगवाने का फैसला किया है. पेरिस और शेटराउ में तापमान बहुत अधिक है. शेटराउ में निशानेबाजी के दौरान कल भारत के लिए 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले को पसीने में भीगा हुआ देखा जा सकता था. पेरिस में तापमान 40 डिगी के पार भी गया है. कई देशों ने पेरिस के मौसम को देखते हुए खेलगांव को पर्यावरण अनुकूल रखने के लिए एसी नहीं लगवाने के आयोजकों के फैसले पर चिंता जताई थी.

श्रीलंका के खिलाड़ियों को मैच के साथ ढलने की जरूरत : जयसूर्या

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 श्रीलंका में हार के बाद उनके खिलाड़ियों को अपनी क्रिकेट जागरूकता में सुधार करने पर काम करना होगा. श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला के दौरान कई बार अच्छी स्थिति में होने के बाद लगातार विकेट गंवाए और टीम को 0-3 से हार झेलनी पड़ी. जयसूर्या ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, मुझे प्रतिबद्धता की कमी नहीं दिखती, लेकिन उन्हें दबाव से बेहतर तरीके से निपटना होगा. उन्हें मैच की परिस्थितियों को लेकर अपनी क्रिकेट जागरूकता को बेहतर करने की जरूरत है. हम इस हार की जिम्मेदारी ले रहे हैं. आप इससे दूर नहीं जा सकते. जब तक उन्हें इस बात का एहसास होगा, हमें तब तक उन्हें विश्वास और समर्थन देते रहना होगा. बल्लेबाजों को लगातार छक्के लगाने की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि श्रीलंका के मैदान बड़े है और चौके व दो रन दौड़कर लेने के पर्याप्त मौके देते हैं. जब आप पावर हिटिंग के बारे में बात करते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपको (श्रीलंका में) इसकी उतनी आवश्यकता है. अगर आप पर्याप्त चौके और पर्याप्त दो रन लगाते हैं, तो आपको वह स्कोर मिल जाता है जिसकी आपको जरूरत है.

टूटकर बरसा पानी, जलजमाव से बढ़ी लोगों की परेशानी

खूंटी में नदियां उफान पर, कई रिहायशी इलाके टापू में तब्दील

लगातार बारिश से खूंटी में नदियां उफान पर, कई रिहायशी इलाके टापू में तब्दील.

संवाददाता । खूंटी

सावन महीने के दूसरे सप्ताह में लगातार हो रही लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र की नदियां उफान पर हैं.

कारो, छाता, बनई सहित अन्य नदियों के जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है. लगातार बारिशा से कई घरों में बरसात का पानी घुस गया है. कई क्षेत्र तो टापू की तरह नजर आ रहे हैं. इसके कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है. कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम कृषि वैज्ञानिक डॉ राजन चौधरी ने बताया कि जिले में पिछले तीन दिनों में लगभग 145 मिलीमीटर बारिश हुई है. बुधवार और गुरुवार को सबसे अधिक 140 मिमी बारिश तोरपा प्रखंड में दर्ज की गई है. खूंटी में 71 मिमी, रनिया में 89, मुरहू में 99.5 और अड़की में 42.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है. निचले इलाके में बने पार्क, खेल के मैदान आदि झील में बदल चुके हैं.

झारखंड के कई जिलों में पिछले 24 घंटे से झमाझम बारिश हो रही है. बारिश गुरुवार की रात से ही शुरू हुई, जो शुक्रवार की सुबह से लेकर देर शाम तक लगातार जारी रही. रांची, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, पलामू, गढ़वा, सिमडेगा, हजारीबाग, रामगढ़ जिले में मूसलाधार बारिश हो रही है. इससे इन जिलों में बहने वाली नदियां उफान पर है. तालाब भर गए हैं. लगातार बारिश होने से प्रभावित जिलों के शहर व गांव जलमग्न हो गए हैं. यातायात बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. मौसम विभाग ने भी अलर्ट जारी किया है.

चक्रधरपुर में दो दिन की बारिश से जगह-जगह जलजमाव

संवाददाता । हजारीबाग

जिले में लगभग 30 घंटे से रुक रुक कर बारिश हो रही है. शहर के कई स्थानों अब जल जमाव हो गया है. लगातार वर्षा से लोगों जीवन अस्त व्यस्त हो गए हैं ,वहीं किसानों के चेहरे में भी रौनक झलकने लगी है. बताते चले कि पूरा जुलाई बारिश नहीं होने के कारण किसान काफी परेशान थे. वह धान की खेती करने के लिए नाले,नदी से पानी का पटवन कर धान बोया था . और 10 दिन सावन बीत जाने के बाद बात भी बारिश किसानों के जरूरत अनुसार नहीं हो पा था. इसके बाद किसान मायूस हो गए थे, और अब पिछले 30 घंटे से बारिश जिले में हो रहा है, और अब किसानों को भी उम्मीदें जगने लगी है. लगातार बारिश से शहर से लगायत गांव तक बाजारों में सन्‍नाटा पसरा रहा. लोग घरों में कैद रहे. वहीं स्कूलों में आम दिनों कमी अपेक्षा बच्चों की उपस्थिति कर रही .

लोहरदगा में लगातार हो रही बारिश से सड़कें जलमग्न

लोहरदगा। जिले में लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से शहर की सड़कें तालाब में तब्दील हो गयी है. वहीं गांव देहात क्षेत्र में साल भर से धान की खेती को मूर्त रूप देने की तैयारी हेतु राहे बिठाए बैठे किसानों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है. किसान वर्ग दो दिन से हो रही झमाझम बारिश से काफी हर्षित हैं और जोर-शोर से धनरोपनी कार्य को पूरा करने हेतु अपने-अपने खेतों में कूद पड़े हैं. वहीं लगातार बारिश से शहरी क्षेत्रों में लोगों का जीवन दूभर हो गया है. वर्षा के चलते जहां बजारों में भीड़ कम रही है. वहीं स्कूलों में आम दिनों की अपेक्षा बच्चों की भीड़ कम रही . अधिकांश जगहों पर लोग घरों में दिखे.

लोहरदगा में मुक्ति धाम की मुख्य सड़क तालाब में तब्दील.

दो दिन की बारिश से चक्रधरपुर में जगह-जगह जल जमाव

चक्रधरपुर । पिछले दो दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश के कारण चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र में जगह-जगह जल जमाव हो गया है. जिससे सड़कों पर आवाजाही में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बरसात के पूर्व नालियों की सही तरीके से साफ-सफाई नहीं होने के कारण नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा है. जिससे लोगों को नालियों के बीच आवाजाही करनी पड़ रही है. चक्रधरपुर के गुदड़ी बाजार, चन्द्रो रोड, तम्बाकू पट्टी रोड, चांदमारी, टोकला रोड,प्रखंड कार्यालय के समीप, थाना रोड, झुमका मोहल्ला, कुंभा टोली समेत अन्य इलाकों के अलावे रेलवे क्षेत्र के आरई कॉलोनी, आरपीएफ बैरेक, पोर्टरखोली, रिटायर्ड कॉलोनी में भी जगह-जगह जल जमाव होने से लोगों को परेशानियां उठानी पड़ रही है.

बारिश से 'गांव' गदगद, 'शहर' परेशान

बारिश के बाद मेदिनीनगर का कुंड मुहल्ला में जल जमाव

मेदिनीनगर। पलामू जिले में गुरुवार से जारी मूसलाधार बारिश से जहां एक ओर किसान गदगद हैं, वहीं, इस बारिश में शहर वासियों की परेशानी बढ़ा दी है. लगातार बारिश के कारण शुक्रवार की सुबह तक शहर के कई इलाकों में पानी भर गया . निचली इलाकों में कई घरों में बारिश का पानी घुस गया, जिस कारण लोग परेशान दिखे. सड़कों पर भी कई फिर तक पानी जमा रहा. सड़कें पानी से लबालब भर चुकी हैं, जिससे राहगीरों को आवाजाही में कठिनाई हो रही है. मेदिनीनगर शहर के पहाड़ी मोहल्ला, कुंड मोहल्ला, मुस्लिमनगर, हमीदगंज, पुलिस लाईन रोड के कई घरों में बरसात का पानी भर गया है. इधर, लगातार बारिश के कारण शहर के बिजली व्यवस्था प्रभावित हुआ है. कल शाम तक मेदिनीनगर शहर के कई इलाके में अंधेरा छा गया था, जिसे जिसे दुरुस्त करने में बिजली मिस्त्री बुधवार की सुबह तक लगे हुए दिखे. बिजली व्यवस्था ठप रहने को कोयल नदी में बारिश का पानी आ जाने के कारण पेयजलापूर्ति भी प्रभावित हुआ है.

इधर बारिश से खुश किसान दो-तीन दिनों में अपने खेतों की जुताई कर धान का बिचड़ा लगाएंगे. मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और बारिश की संभावना जताई है.

सारंडा के दर्जनों गांवों में जल -जमाव से नारकीय स्थिति

किरीबुरु । सारंडा जंगल के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर जारी वर्षा व जल जमाव की वजह से कई क्षेत्रों में नारकीय स्थिति बन गई है. किरीबुरु शहर के फुटबॉल मैदान के पीछे रोड, मेन मार्केट के अलावे सारंडा के करमपदा, राजाबेड़ा, कुमडीह, काशिया-पेचा, बहदा, लेम्ब्रे, लिपुंगा आदि दर्जनों गांवों में जल जमाव से लोग परेशान हैं. इस जल जमाव की वजह से मलेरिया, डायरिया आदि मौसमी बीमारियों के बढ़ने की संभावना तेज हो गई है. इसके अलावे सारंडा के निचले क्षेत्रों में किसानों के खेतों में पानी भर जाने के बाद किसान खेतों को ट्रैक्टर, हल-बैल से जुताई अथवा धान का बीज की रोपाई करने से पूर्व खेतों को तैयार कर खर-पतवार निकालने के कार्य में लगे हैं.

धनबाद में बारिश ने बरपाया कहर, घरों में घुसा पानी

- झिलिया नदी का पानी घरों में घुसा, जान बचाने को भागे लोग
- आलम नगर का इलाका तालाब में तब्दील, दो सौ लोग प्रभावित
- कोयला उत्पादन बुरी तरह प्रभावित, जन जीवन अस्त-व्यस्त

धनबाद के आलमनगर में पानी निकालते बच्चे.

लगातार हो रही बारिश से सड़क का हाल बेहाल

रामगढ़ । लगभग 20 घंटे से रामगढ़ में रुक रुक कर लगातार बारिश हो रही है. ऐसे में लोगों का जनजीवन प्रभावित दिख रहा है. कई सड़कों में जलजमाव है. जल जमाव से लोग और आवागमन कर रहे हैं वाहन चालक परेशान है . रामगढ़ की कई सड़के जलमग्न हो चुकी है जिससे दुर्घटना की संभावना भी बढ़ गई है. इधर लगातार हो रही बारिश के बाद रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका का मंदिर स्थित भैरवी नदी भी उफान पर दिख रही है. लगातार बारिश के बाद भैरवी नदी का जलस्तर बढ़ गया है. जिससे वहां स्थित दुकानों को नुकसान पहुंचा है. नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद दुकानदार अपने-अपने दुकानों से सामान हटा लिए हैं कई दुकानें जलमग्न भी हो चुकी है. अगर बारिश की लगातार यही स्थिति रही तो पानी मंदिर परिसर तक भी जाने की संभावना है.

बारिश से औरंगा नदी उफान पर, किसान खुश

लातेहार। लातेहार एवं आसपास के क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों से रूक-रूक कर मूसलाधार बारिश हो रही है. बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. बारिश से किसानों के चेहरे खिले हैं. किसानों को हल व बैलों के साथ खेतों में देखा जा रहा है. जिन इलाकों में धान के बिहन तैयार हो गये थे, उन इलाकों में धनरोपनी की जा रही है. शहर की वाटर लाइफ लाइन मानी जाने वाली औरंगा नदी इन दिनों पूरे उफान पर है. नदी के दोनों पाटों में पानी पहुंच चुका है. हालांकि इस बारिश से क्षेत्र के कई स्थानों में जल जमाव हुआ है. अनुमंडल कार्यालय के सामने जल जमाव के कारण लोगों को कार्यालय आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इसी प्रकार शहर के पहाड़पुरी इलाके निचले बस्ती के घरों में पानी घुस गया है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चतुर्थ चन्द्र अस्त है. बेकार की बहस से दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है. घर में महिलाओं के स्वास्थ पर ध्यान दें. कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. मानसिक शांति के लिए शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें.

वृषभ भाई बहन के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी कार्य में मन नही लगेगा. मानसिक तनाव होगा. बेहतर होगा कहीं घूमने चले जाएं. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. मौज मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे.

मिथुन धन का खर्च गलत जगह हो सकता है. क्रोध से कार्य मे बाधा उत्पन्न होने की संभावना है. धन का आगमन होगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. यात्रा सुखद रहेगी.

कर्क धर्म से लाभ होगा. कोई बड़ा कार्य करने के लिए समय अनुकूल है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. संतान सुख की प्राप्ति संभव.

सिंह विदेश में बसे लोगों से लाभ हो सकता है. खर्च और जुबान दोनों पर नियंत्रण आवश्यक है. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधीनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. पिता से लाभ सम्भव है. शिवलिंग पर जलार्पण करें.

कन्या कुछ नया आमान लेने का समय है. घर में सजावट हो सकती है. साथ ही आय भाव में चन्द्र है. कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुडी निजी बातें आज सामने आ सकती हैं. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी

तुला किसी बड़े कार्य होने से मन खुश रहेगा. साथ ही प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे. माता दुर्गा को इत्र अर्पण करें.

वृश्चिक सत्कर्म करें. समय बहुत अनुकूल होगा. भाग्य साथ है. पर स्वयं अपने आप पर से नियंत्रण खो देंगे. मित्रों से मतभेद हो सकते हैं. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग है. इष्ट बल मजबूत करें. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु किसी से बिना वजह का विवाद हो सकता है. जुबान पर नियंत्रण आवश्यक है. व्यापार में लाभ होगा. कुछ मानसिक तनाव भी होगा. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है.

मकर जीवनसाथी से अनबन हो सकती है. व्यापार के लिए नया अनुबंध बन सकता है. साथ ही मांगलिक कार्यक्रमों की रूप रेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. पैसों का लेन देन संभव. खान-पान पर ध्यान दें. स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

कुंभ मौसमी बीमारियों से बचने की आवश्यकता है. विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमन हो सकता है. जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें.

मीन गलत दोस्तों से परहेज करें. शिक्षा में किसी से लाभ की संभावना है. शोध कार्य में निपुणता मिलेगी. साथ ही मन खुश होगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. बुरी संगत छोड़ दें, अन्यथा नुकसान होगा.

सौंपा ज्ञापन आरटीई की कठिन शर्तों और जमीन की बाध्यता संबंधित 2019 के संशोधन को रद्द करे सरकार

कोचिंग संस्थान चलाने के लिए सरकार नियमावली बनाये : पासवा

संवाददाता। रांची

झारखंड के निजी स्कूलों के संचालन में आ रही समस्याओं के निदान के लिए पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे, उपाध्यक्ष लालकिशोर नाथ शाहदेव और महासचिव डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने वित्त सह संसदीय मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, पशुपालन मंत्री दीपिका पांडेय सिंह,स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता,राजेश कच्छप से बारी-बारी से मुलाकात कर आरटीई की कठिन शर्तों को निरस्त करने की मांग की. इसके साथ ही साथ सरकारी स्कूलों के बच्चों की तरह निजी स्कूलों के बच्चों को भी पोशाक भत्ता सहित अन्य प्रोत्साहन राशि आवंटित कराने का आग्रह किया.

कोचिंग संस्थानों के संचालन के लिए नियमावली बनाने की मांग को लेकर भी ज्ञापन सौंपा.

मंत्री रामेश्वर उरांव को ज्ञापन सौंपते पासवा के अध्यक्ष आलोक दुबे.

- कोचिंग संस्थान चलाने के लिए सरकार नियमावली बनाये, ताकि बच्चों का भयादोहन बंद हो : पासवा
- सरकारी की तरह निजी स्कूल के बच्चों को पोशाक भत्ता एवं अन्य प्रोत्साहन राशि दे सरकार : शाहदेव
- एक ही नियमावली से संचालित हो निजी विद्यालय और सरकारी विद्यालय : डॉ राजेश गुप्ता छोटू

पासवा के पदाधिकारियों ने झारखंड में निजी विद्यालयों के संचालन में आ रही दिक्कतों के बारे में मंत्रियों को जानकारी दी. उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान स्थिति में यदि सरकार का समुचित सहयोग न मिला, तो राज्य में निजी स्कूलों के संचालन में परेशानी आएगी. या यों कहें निजी स्कूलों को बंद कर देना पड़ेगा. पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक दुबे ने बताया कि पासवा लगातार सीएम हेमंत सोरेन को झारखंड के निजी स्कूलों की समस्याओं को लेकर ध्यान आकृष्ट कराता रहा है. एक बार फिर पासवा के प्रतिनिधि सीएम से मिल कर निजी विद्यालयों के पक्ष में कोई निर्णय लेने का आग्रह करेंगे.

दुबे ने बताया कि झारखंड की शिक्षण व्यवस्था के आधार हैं निजी विद्यालय, लेकिन यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि पिछली सरकार ने संपूर्ण देश से अलग सिर्फ झारखंड में निजी विद्यालयों के लिए आरटीई कानून में 2019 में संवैधानिक संशोधन कर नई शर्त जोड़ दी थी. और ऐसी-ऐसी कठिन शर्तें जोड़ दी गईं हैं, जिनका अनुपालन किसी भी निजी विद्यालय के लिए संभव नहीं है और आश्चर्यजनक बात यह है कि ये सारी शर्तें सिर्फ निजी स्कूलों के लिए जोड़ी गई हैं, सरकारी स्कूलों के इस तरह की कोई शर्त नहीं है. देशभर में निजी स्कूलों के संचालन के लिए एक अलग कानून है और झारखंड में निजी विद्यालयों के संचालन के लिए पिछली सरकार द्वारा 2019 में संशोधन कर अजीब -अजीब शर्तों के साथ अलग कानून बना दिया गया है.

छापेमारी में पुलिस ने शराब की बरामद

कोडरमा। जिले के जयनगर पुलिस ने परसाबाद में गांजा बिक्री की गुप्त सूचना पर कटिया निवासी सुनील यादव के घर सह दुकान में डीएसपी दिवाकर कुमार के नेतृत्व में छापामारी अभियान चलाया गया. हालांकि छापामारी के दौरान गांजा बरामद नहीं हुआ, मगर पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी व देशी शराब बरामद की है.

आठ बाइक के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि तिलैया थाना अंतर्गत वाहन चोर गिरोह घूम रहा है. उक्त सूचना के आधार पर इस गिरोह को पकड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक कोडरमा द्वारा एक विशेष टीम का गठन कर कार्रवाई की गयी. छापामारी के क्रम में चार अपराधी जितेंद्र, भुनेश्वर, विकास, प्रकाश कुमार को गिरफ्तार किया गया है.

पेज एक का शेष

देश क्या कहीं से बुला लें नेता, देंगे मुंहतोड़ जवाब

नौकरी देना शुरू किया, तो मुझे ही जेल में डाल दिया : हेमंत ने कहा कि ये लोग कहते हैं कि झारखंड के बेरोजगार युवकों को नौकरी नहीं मिल रही है. इनको पता नहीं हैं. ये लोग गांव और प्रखंडों में जाकर देख लें कि बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है या नहीं. नौकरियां देने के मुद्दे पर कहा कि हमने सरकारी और गैरसरकारी मिलाकर लगभग डेढ लाख नौकरियां दी हैं. इस काम को और आगे बढाया जा रहा था, तो मुझे जेल में डाल दिया गया. अगर मैं पांच महीने जेल में नहीं रहता, तो दावे के साथ कह सकता हूं कि पांच लाख नौकरियां युवकों को दे चुका होता.

इनकी सरकार ने सहायक पुलिस कर्मियों की अनुचित बहाली की, हम एक्सटेंशन दे रहे : हेमंत ने दावा किया कि मेरी सरकार पर खुद भाजपा संगठन के लोग भरोसा करते हैं. उन्होंने बिना किसी का नाम लिये कहा, लेकिन भाजपा के विधायक अपने स्वार्थ के लिए सदन को चलने नहीं देना चाहते. सहायक पुलिसकर्मियों के मुद्दे पर कहा कि बीजेपी की पूर्व सरकार ने इनकी बहाली अनुचित तरीके से की. लेकिन इनको सबसे अधिक एक्सटेंशन देने का काम हमारी सरकार ने किया. आने वाले समय में सहायक पुलिस कर्मियों को विभिन्न पदों पर समायोजित करने पर हम विचार कर रहे हैं. जो वर्दी हमने इनको हड़ताल तोड़वाने के लिए पहनाई थी, उसी वर्दी का इस्तेमाल भाजपा के विधायक हड़ताल करवाने के लिए कर रहे हैं. हेमंत ने विपक्ष पर ताबड़तोड़ हमला करते हुए कहा कि हमसे हिसाब मांगने से पहले यह बताएं कि स्थनीय नीति को कोर्ट में कौन लेकर गए. ओबीसी आरक्षण किसने कम किया. हमने जो बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा, उस पर आप लोगों ने पिछले दरवाजे से क्या किया. आप पीठ में छूरा घोंपने वाले लोग हैं. हमने पारा शिक्षकों का 50%, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं का 50%, प्रखंड सहकारिता कर्मी का 25%, रसाईया का 100%, रोजगार सेवकों का 50%, अनुबंध कर्मियों के वेतन में और मानदेय में वृद्धि किया. इनलोगों का बस एक ही सिद्धात है, ये लोग खुद तो खाएंगे, मगर दूसरों की खाने की थाली छीन लेंगे.

ढुलमुल रवैया बंद करें...

गौर करने वाली बातें : हजारीबाग और पटना में नीट-यूजी 2024 पेपर लीक हुआ था. सीबीआई की शुरुआती जांच में पाया गया कि हजारीबाग और पटना के लगभग 155 छात्रों को इस घोटाले का लाभ मिला हो सकता है. सीबीआई की जांच पूरी नहीं हुई है, अदालत ने सरकार से पूछा कि क्या 571 शहरों के परिणामों में कोई असामान्यता पाई गई है. कोर्ट ने कहा कि भविष्य में अगर जांच में और अधिक लाभार्थी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

सुनवाई की जरूरी बातें : एग्जाम में कुल 180 सवाल हैं, प्रत्येक सवाल 4 अंक का है, जिससे कुल 720 अंक बनते हैं. गलत जवाब के लिए एक अंक काट लिया जाता है.

चंदा लो, धंधा दो के कथित आरोपों की ....

याचिकाओं में दावा किया गया था कि एसबीआई द्वारा जारी किए गए चुनावी बॉण्ड के आंकड़ों से पता चला है कि इनमें से अधिकांश को कॉरपोरेट घरानों द्वारा राजनीतिक दलों को चंदा लो और धंधा लो की व्यवस्था के रूप में दान दिया गया था. याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि ये समझौते सीबीआई, ईडी या आयकर विभाग सहित केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए या फिर आर्थिक लाभ के लिए किए गए हो सकतेहैं. इसलिए इनकी न्यायिक निगरानी में एसआईटी से जांच कराई जाए.

इस आधार पर खारिज की याचिका : सुनवाई के दौरान प्रशांत भूषण ने कहा कि अधिकांश इलेक्टोरल बॉण्ड के बदले दानदाताओं को कुछ न कुछ बदले में दिए गए हैं. कुछ लोगों को तो कॉन्ट्रैक्ट दिए गए और उनके द्वारा दान की गई रकम कुल कॉन्ट्रैक्ट रकम का एक फीसदी है. प्रशांत भूषण ने कहा, इन मामलों में न केवल राजनीतिक दल बल्कि प्रमुख केंद्रीय जांच एजेंसियां भी शामिल हैं. बकौल भूषण यह देश के इतिहास में सबसे बड़े वित्तीय घोटालों में से एक है. उन्होंने कहा कि कोर्ट ने भी फैसले में बिल्कुल यही आशंका जताई थी, और अब जो कुछ सामने आया है, वह बिल्कुल चौंकानेवाला है. इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, हमने पहले ही खुलासा करने का आदेश दे दिया है, अब सामान्य प्रक्रिया का पालन होने दीजिए. हम एक निश्चित बिंदु तक पहुंच गए हैं. सीजेआई ने पूछा कि एसआईटी इसमें अब क्या जांच कर सकती है?

मेरे खिलाफ ईडी रेड की तैयारी दिल...

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा था कि इंडिया गठबंधन सत्ता में आने पर जाति आधारित जनगणना कराएगा और किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी भी देगा.

राहुल पर हो सकता है हमला, विदेश में रची जा रही साजिश : शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को बीजेपी की केंद्र सरकार को घेरते हुए बड़ी बात कही. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला हो सकता है. राउत ने कहा कि राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के सदस्यों के खिलाफ साजिश रची जा रही है. संजय राउत ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में लोकतंत्र की आवाज उठा रहे हैं. राहुल गांधी ने सरकार को आईना दिखाने का काम किया है. इसलिए उन्हें फिर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, हम तैयार हैं. भले ही बीजेपी ने अपना बहुमत खो दिया हो, लेकिन लगता है कि असंवैधानिक काम करने की लत उनसे छूट नहीं रही है. राहुल गांधी और हम सभी के खिलाफ साजिश रची जा रही है. ये साजिश यहां नहीं बल्कि विदेश में बन रही है. संजय राउत यहीं नहीं रुके. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कुछ भी हो सकता है. कल राहुल गांधी पर हमला हो सकता है,

अधिवक्ता की दिनदहाड़े चाकू मारकर हत्या

कैसे दिया घटना को अंजाम : अधिवक्ता अपने घर सुखदेव नगर के मधुकम महुआ टोली स्थित अपने घर के पास खड़े थे. तभी एक युवक अचानक उसके पास आया और उन पर चाकू से कई वार कर फरार हो गया. आनन फानन में उसे रिम्स ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद से ही जिले के वकील आक्रोशित हैं और रांची पुलिस अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. अधिवक्ता गोपी कृष्ण को बेहद धारदार चाकू से कई बार वार किया गया. जिससे उसके पेट की आंत बाहर निकल गयी. वहीं, उसके सिर पर भी वार किया गया. इस वजह से उनकी मौत अस्पताल लाये जाने से पूर्व ही हो गयी थी. अधिवक्ता गोपाल कृष्ण पर हमला करने वाला अपराधी उन्हें जान से मारने के लिए इतना आतुर था कि उसने उनके सिर के बीचों-बीच चाकू घोंप दिया, जो उनके सिर में ही फंस गया. रिम्स के डॉक्टरों ने मृत अधिवक्ता के सिर से चाकू निकाला. हालांकि हत्या की असली वजह क्या है,इसकी अब तक स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है. पुलिस मामले की कई बिंदुओं को ध्यान में रखकर छानबीन कर रही है. घटना के वक्त आस-पास मौजूद लोगों से बातकर कई अहम जानकारियां जुटाई जा रही है.

फोटोकॉपी कराने घर से निकले थे गोपाल : बता दें कि सुखदेव नगर इलाका अपराधियों और ड्रग तस्करों का अड्डा बन गया है. अक्सर इस थाना क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं, लेकिन इस बार अपराधियों ने दुस्साहस दिखाते हुए सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी है. गोपाल कृष्ण के परिजनों ने बताया कि गोपाल शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे अपने घर से फोटोकॉपी कराने मधुकम स्थित हनुमान मंदिर के पास एक फोटोकॉपी दुकान पर गए थे. फोटोकॉपी दुकान के पास अचानक एक अपराधी हाथ में चाकू लेकर आया और उन पर हमला कर दिया. अपराधी ने अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के पेट, हाथ और पीठ पर चाकू से हमला कर दिया. लोगों के शोर मचाने पर अपराधी मौके से भाग निकला. स्थानीय लोगों ने अधिवक्ता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

महाधिवक्ता का डीजीपी को पत्र, वकील गोपाल कृष्ण के हत्यारों को जल्द पकड़ें : इस बीच, रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू की हत्या की घटना पर महाधिवक्ता राजीव रंजन ने संवेदना व्यक्त की है. घटना की जानकारी मिलने के बाद महाधिवक्ता ने राज्य के डीजीपी को अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के हत्यारों को जल्द पकड़ने और वकीलों के खिलाफ हिंसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई के लिए कहा है. महाधिवक्ता ने डीजीपी अनुराग गुप्ता से व्यक्तिगत रूप से कहा है कि अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के हत्यारे जल्द से जल्द पकडे जाएं और इस घटना की त्वरित जांच कर दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे डाला जाए.

कूदरत का कहर : कांग्रेस नेता राहुल, प्रियंका व वेणुगोपाल ने किया प्रभावित क्षेत्र का दौरा, की घोषणा- कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक मकान बनाएगी

वायनाड भूस्खलन में अब तक 300 की मौत, राहुल गांधी ने बताया भयानक त्रासदी

एजेंसी। वायनाड

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटना को शुक्रवार को ऐसी "भयानक त्रासदी" बताया, जो राज्य के किसी भी क्षेत्र में अब तक नहीं देखी गई है. उन्होंने कहा कि इस त्रासदी से अलग तरीके से निपटा जाना चाहिए. कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इस मामले को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के समक्ष भी उठाएंगे, क्योंकि "यह एक अलग तरह की त्रासदी है और इससे अलग तरीके से निपटा जाना चाहिए.'

उन्होंने कहा कि फिलहाल ध्यान शव एवं संभावित जीवित बचे लोगों को ढूंढने और यह सुनिश्चित करने पर है कि विस्थापित लोग शिविरों में बेहतर स्थिति में रहें और उनका पुनर्वास हो. गांधी ने कहा कि पुनर्वास बहुत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इस आपदा में जीवित बचे बहुत से लोगों ने उनसे कहा है कि वे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में वापस नहीं जाना चाहते. उन्होंने कहा, "इसलिए, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि उनका पुनर्वास किसी सुरक्षित क्षेत्र में किया जाए और उन्हें वापस जाने के लिए मजबूर न किया जाए. ये वे मुद्दे हैं जिन्हें हमने पहले ही केरल सरकार के समक्ष उठाया है." उन्होंने यह वादा भी किया कि कांग्रेस पार्टी वायनाड में 100 से अधिक मकान बनाएगी. गांधी जिला प्रशासन और पंचायत के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे. इस बैठक में गांधी के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता भी थे. अधिकारियों ने उन्हें भूस्खलन की घटनाओं में हुई मौतों एवं नष्ट हुए मकानों तथा लोगों की तलाश एवं बचाव के लिए अपनी रणनीतियों के बारे में जानकारी दी.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व केसी वेणुगोपाल शुक्रवार को वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया.

578 परिवार के 2,328 लोग विस्थापित

केरल के वायनाड में दो दिन पहले हुए भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर 300 हो गई है, जबकि 200 लोग अब भी लापता हैं. राज्य के राजस्व मंत्री के. राजन ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों तथा चलियार नदी से बहुत सारे मानव अंग बरामद किए गए हैं. मृतकों का पता लगाने के लिए आनुवंशिक परीक्षण किए जाने की आवश्यकता होगी. मंत्री ने बताया कि विभिन्न एजेंसियों और सशस्त्र बलों के 1,300 कर्मियों ने भारी मशीनरी की मदद के बिना, बारिश, हवा और कठिन भूभाग का सामना करते हुए क्षेत्र में संयुक्त खोज और बचाव अभियान चलाया. उन्होंने कहा, ''अब बेली ब्रिज बन चुका है और हम खोज एवं बचाव कार्यों में सहायता के लिए भारी मशीनरी भेजने में सक्षम हैं.' राजन के मुताबिक, जिले के 9,328 लोगों को 91 राहत शिविरों में स्थानांतरित किया गया है. उन्होंने बताया कि इनमें से चूरलमाला और मेप्पाडी में भूस्खलन के कारण विस्थापित हुए 578 परिवारों के 2,328 लोगों को नौ राहत शिविरों में पहुंचाया गया है. मंत्री ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस, स्थानीय स्वयंसेवक, नौसेना, तटरक्षक बल और वन विभाग के कर्मी भी चलियार नदी के किनारे शवों की तलाश करेंगे. इस बीच, मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि मलाप्पुरम से होकर बहने वाली चलियार नदी के हिस्से से मिले 143 शव और मानव शरीर के अंगों को वायनाड लाया गया है.

स्वास्थ्य टीम पीड़ित को प्रदान करेगी मनोवैज्ञानिक संबल

तिरुवनंतपुरम। विनाशकारी वायनाड भूस्खलन में बचे लोगों को मनोवैज्ञानिक संबल प्रदान करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य आपदा प्रबंधन टीम का गठन किया गया है. राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार को कहा कि त्रासदी के तुरंत बाद मनोचिकित्सकों, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं और परामर्शदाताओं की 121 सदस्यीय टीम गठित की गई थी. केवल स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र वाले विशेष दल के सदस्यों को ही राहत शिविरों में लोगों और विभिन्न अस्पतालों में भर्ती लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने की अनुमति दी जाएगी. टीम ने सभी अस्पतालों और राहत शिविरों में सहायता डेस्क स्थापित किए हैं. मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता पीड़ितों की चिंताओं को सुनेंगे और उन्हें सांत्वना देंगे. बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी.'

चाय दुकान चलाने वाली का बड़ा दिल

कोल्लम। वायनाड भूस्खलन हादसे के बाद व्यवसायी, मशहूर हस्तियां और संस्थाएं मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में लाखों-करोड़ों रुपये दान देने में जुटी हैं. इसी के बीच पीड़ितों की मदद के लिए एक चाय की दुकान चलाने वाली बुजुर्ग महिला भी आगे आई है. बुजुर्ग महिला ने अपनी सारी कमाई और पेंशन उन लोगों के लिए दान कर दी हैं जो इस हादसे में अपना सब कुछ खो चुके हैं. कोल्लम जिले के पल्लीथोट्टम निवासी सुबैदा अपना और अपने पति का पेट पालने के लिए एक छोटी सी चाय की दुकान चलाती हैं. उन्होंने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) को 10 हजार रुपये दान किए हैं. उन्होंने अपनी चाय की दुकान से होने वाली मामूली आय और दंपति को मिलने वाली कल्याणकारी पेंशन से धनराशि दान की है. उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ दिन पहले ब्याज चुकाने के लिए बैंक से राशि निकाली थी. लेकिन फिर हमने टीवी पर देखा कि वायनाड भूस्खलन में अपना सब कुछ खो चुके लोगों की मदद के लिए सभी से योगदान मांगा जा रहा है.' उन्होंने एक टीवी चैनल पर कहा, 'मेरे पति ने तुरंत मुझसे कहा कि मैं जाकर जिलाधिकारी को रुपये दे दूं. उन्होंने कहा कि इस समय लोगों की मदद करना अधिक जरूरी है, ब्याज तो बाद में भी चुकाया जा सकता है. इसलिए मैंने जिलाधिकारी कार्यालय जाकर रुपये जमा करा दिए. मैं वायनाड जाकर मदद नहीं कर सकती.'

ब्रीफ खबरें

पत्नी की हत्या में पति को मिली मौत की सजा

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी की एक अदालत ने एक व्यक्ति को दो साल पहले अपनी पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या करने और छह वर्षीय बेटी की गला रेतकर हत्या करने की कोशिश करने के अपराध में मौत की सजा सुनाई है. दोषी संजीत दास (46) ने नौ जून, 2022 को इस अपराध को अंजाम दिया था. उसने अपनी पत्नी सरस्वती की 33 बार चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी.

फिलीपीन में इमारत में आग लगने से 11 मरे

मनीला। फिलीपीन की राजधानी के भीड़भाड़ वाले चाइनाटाउन जिले में शुक्रवार को एक छोटी सी इमारत के एक हिस्से में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने कहा कि आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है. आग पर काबू पाने के लिए लगभग 14 फायर ट्रक दो घंटे से अधिक समय तक संघर्ष करते रहे. मरने वालों में कई कर्मचारी भी शामिल हैं.

नाइजीरिया में हिंसक प्रदर्शन में 13 की मौत

अबुजा। नाइजीरिया में आर्थिक संकट के खिलाफ व्यापक पैमाने पर जारी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 13 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई. एक मानवाधिकार समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. विरोध-प्रदर्शन ने कई राज्यों में हिंसक रूप ले लिया है, जिसके चलते कई जगह कर्फ्यू घोषित किया गया है. अधिकारियों ने बम धमाके में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की.

ईडी ने टीएमसी नेता को किया गिरफ्तार

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा से टीएमसी के एक नेता को करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने टीएमसी के देगंगा ब्लॉक अध्यक्ष अनीस उर- रहमान और उसके बड़े भाई को बृहस्पतिवार देर रात कोलकाता स्थित कार्यालय में करीब 14 घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया.

राजस्थान, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में भारी बारिश होने से निचले इलाके जलमग्न

बारिश-बाढ़ के प्रकोप से हाहाकार

लगातार न्यूज नेटवेर्क। रांची । मॉनसून की अति सक्रियता के बीच देशभर में तबाही मचाने वाली बारिश का दौर जारी है. बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में भारी बारिश होने से निचले इलाके जलमग्न हो गए. आंध्र प्रदेश, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में बरसात जनित हादसों में कई मकान धराशायी हो गए. आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले के चिन्नावंगली गांव में एक घर की छत गिर जाने के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई. कर्नाटक के मंगलुरु में पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन हो गया, जिससे वहां यातायात बाधित हो गया. वहीं केरल के वायनाड के साथ ही उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के बाद आई बाढ़ के बाद तलाश और बचाव अभियान शुक्रवार को भी युद्ध स्तर पर जारी रहा. वायनाड त्रासदी में जहां मृतकों की संख्या बढ़कर 205 तक पहुंच गई है, वहीं हिमाचल प्रदेश में अब तक आठ लोगों की मौत होने की पुष्टि हो चुकी है. मौसम विभाग ने राजस्थान और बंगाल सहित देश के विभिन्न हिस्सों में अगले 24 घंटों के दौरान ज्यादा बारिश होने की संभावना जताई है. इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटना को "भयानक त्रासदी" बताते हुए वादा किया कि कांग्रेस पार्टी वायनाड में 100 से अधिक मकान बनाएगी.

अभी राहत नहीं : मौसम विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों में और ज्यादा बारिश होने की संभावना जताई

बीकानेर

बीरभूम

मंडी

झारखंड के ऊपर कम दबाव क्षेत्र का असर राजस्थान पर

जयपुर। राजस्थान में बीते 24 घंटे के दौरान भारी से बेहद भारी बारिश हुई. बीकानेर जिले के खाजूवाला में सबसे अधिक 19 सेंटीमीटर बारिश हुई. मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार सुबह आठ बजकर 30 मिनट तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान सवाई माधोपुर के मलारना डूंगर में 14 सेंटीमीटर, खंडार (सवाई माधोपुर), चौमू (जयपुर) और श्रीमाधोपुर (सीकर) में 12 सेंटीमीटर, जमवारामगढ़ और पावटा (जयपुर) में 11 सेंटीमीटर बारिश हुई. बारिश प्रभावित क्षेत्र के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही. टोंक जिले के बोरखंडी कलां में एक स्थानीय बांध का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद निचले इलाकों में पानी भर गया. आगामी 24 घंटे के दौरान अजमेर, बीकानेर और जोधपुर संभाग के कई जिलों में मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी और कहीं अति भारी बारिश की प्रबल संभावना है. झारखंड के ऊपर कम दबाव का एक क्षेत्र बन गया है. इसके अगले 48 घंटे में और तीव्र होने तथा मध्यप्रदेश से होकर राजस्थान की ओर आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है. इसके प्रभाव से दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में तीन अगस्त से भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी की प्रबल संभावना है.

दक्षिण बंगाल में भारी बारिश उड़ानों का संचालन निलंबित

कोलकाता। दक्षिणी पश्चिम बंगाल में शनिवार तक कुछ जगहों पर और ज्यादा बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान, पानागढ़ और श्रीनिकेतन में शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटों में लगभग 200 मिमी बारिश दर्ज की गई. मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में पुरुलिया, पश्चिम बर्द्धमान और बीरभूम में शनिवार सुबह तक भारी बारिश तथा कोलकाता में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है. कोलकाता में पिछले 24 घंटे के दौरान 46 मिमी बारिश दर्ज की गई. मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बर्द्धमान और श्रीनिकेतन में सबसे अधिक 192 मिमी बारिश दर्ज की गई जबकि पानागढ़ में 186 मिमी बारिश हुई है. क्षेत्र के अन्य स्थानों में जहां भारी बारिश हुई, उनमें आसनसोल (148 मिमी), कैनिंग (138 मिमी), कल्याणी (135 मिमी), सूरी (126 मिमी) और कलाईकुंडा (100 मिमी)शामिल है. उत्तरी पश्चिम बंगाल के उप-हिमालयी जिलों में भी भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जहां कलिम्पोंग में पिछले 24 घंटों में 62 मिमी तथा दार्जिलिंग में शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 33 मिमी बारिश दर्ज की गई. वहीं काजी नजरूल इस्लाम हवाई अड्डे से उड़ानों का संचालन शुक्रवार को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया क्योंकि यहां रात भर लगातार बारिश होने से हवाई अड्डा परिसर व उसके आसपास जलभराव हो गया है.

आंध्र में छत गिरने से एक परिवार के चार की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले के चिन्नावंगली गांव में एक घर की छत गिर जाने के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई. अल्लागड्डा के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी शेख शरीफुद्दीन ने बताया कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात मिट्टी की छत गिर जाने के कारण ,गुरु शेखर रेड्डी (42), उनकी पत्नी दस्तागीरम्मा, उनकी दो नाबालिग बेटियों की मौत हो गई. घटना के वक्त सभी सो रहे थे. शरीफुद्दीन ने शुक्रवार को बताया कि हाल के दिनों में लगातार हुई बारिश के कारण, मिट्टी की छत कमजोर पड़ गई और रात को लगभग साढ़े बारह बजे घर मे सो रहे परिवार पर आ गिरी, जिसमें मलबे मे दबकर परिवार के सभी सदस्यों की मौत हो गई है. पुलिस ने बताया कि छत गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसी घटनास्थल की ओर दौड़े परंतु उनके वहां पहुंचने से पहले ही सभी लोग दम तोड़ चुके थे. रेड्डी की एक अन्य बेटी कडप्पा जिले मे रहकर पढ़ाई करती है और घटना के वक्त वह घर में मौजूद नहीं थी.

हिमाचल में बादल फटने की घटना में मरने वालों की संख्या हुई आठ

शिमला। हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद 45 से अधिक लापता लोगों को ढूंढने के लिए बचाव अभियान शुक्रवार को भी जारी है. तीन और शव के बरामद होने से कुल्लू के निरमंड, सैंज और मलाना, मंडी के पधर और शिमला जिले के रामपुर में अचानक आई बाढ़ की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है. अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मंडी के राजबन गांव में पांच शव मिले, कुल्लू के निरमंड में एक और शिमला के रामपुर से दो शव बरामद हुए हैं. राजबन में बरामद दो शवों की पहचान नौ वर्षीय अमन और आठ वर्षीय आर्यन के रूप में हुई है. लापता लोगों के संबंधी घटनास्थल पर डेरा डाले हुए हैं. हर बीतते घंटे के साथ उम्मीद समाप्त होती जा रही है. एक शोकाकुल महिला ने 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, 'मेरे ससुर और सास का शव मिल गया है, लेकिन मेरे बेटे, मेरे देवर, उनकी पत्नी और उनके छह वर्षीय बेटे और दो माह की बेटी का अब भी कुछ पता नहीं चला है.' अचानक आई बाढ़ में घरों के बह जाने की चीख सुनकर बाहर आए एक अन्य ग्रामीण ने कहा, 'मौत के डर से हम सब रात भर जगे रहे, क्योंकि सुरक्षित रहने के लिये हम पर्वत पर चढ़ गए थे.' मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हालात का जायजा लेने और पीड़ितों से बातचीत करने के लिये शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के साथ शिमला और कुल्लू जिले की सीमा पर स्थित समेज का दौरा किया.

उत्तराखंड : चिनूक, एमआई 17 भी बचाव कार्य में हुए शामिल

एजेंसी। रुद्रप्रयाग

बारिश से क्षतिग्रस्त केदारनाथ के पैदल मार्ग पर फंसे श्रद्धालुओं को निकालने के लिए जारी बचाव अभियान में शुक्रवार को भारतीय वायुसेना के चिनूक और एमआई17 हेलीकॉप्टर को भी शामिल किया गया. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बृहस्पतिवार सुबह शुरू हुए बचाव अभियानों में अब तक कुल पांच हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है. उन्होंने बताया कि इनमें कुछ लोगों को हेलीकॉप्टर के जरिए निकाला गया जबकि अन्य को राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कार्मिकों ने वैकल्पिक पैदल रास्तों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. उन्होंने कहा, 'भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ है, लेकिन पूरा सरकारी तंत्र, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और प्रदेश का आपदा प्रबंधन विभाग बचाव कार्यों में जुटा है. प्रधानमंत्री कार्यालय को किए गए मेरे अनुरोध के बाद भारतीय वायुसेना के चिनूक और एमआई17 हेलीकॉप्टर भी बचाव अभियान में शामिल हो गए हैं.' धामी ने 'पीटीआई' से कहा, 'अगर मौसम अच्छा रहता है तो फंसे हुए सभी श्रद्धालुओं को शाम तक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया जाएगा.'

कांग्रेस ने 'केदारनाथ यात्रा' कर दी स्थगित

देहरादून। भारी बारिश के कारण केदारघाटी में आई आपदा को देखते हुए उत्तराखंड कांग्रेस ने शुक्रवार को अपनी केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा यात्रा स्थगित कर दी. दिल्ली के बुराड़ी में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति के प्रस्तावित निर्माण के विरोध में कांग्रेस ने यह यात्रा 24 जुलाई को हरिद्वार में गंगा तट पर हर की पौड़ी से शुरू की थी. इस यात्रा का समापन तीन अगस्त को केदारनाथ मंदिर में होना था. उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने बताया कि 10 वें दिन शुक्रवार को रुद्रप्रयाग जिले के सीतापुर पहुंची यात्रा को कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने आपदा को देखते हुए स्थगित करने की घोषणा की. इससे पहले, सीतापुर पहुंचने पर माहरा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ध्वजारोहण कर पहले आपदा में जान गंवा चुके लोगों की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा.

कर्नाटक में पुत्तूर बाईपास रोड पर हुआ भूस्खलन

मंगलुरु। कर्नाटक के मंगलुरु में पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन हो गया, जिससे वहां यातायात बाधित हो गया. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुत्तूर बाईपास रोड को बंटवाल-मैसूरु रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग 275 के नाम से भी जाना जाता है. अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि पुत्तूर बाईपास रोड पर शुक्रवार को तड़के करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ, जिसके बाद मैसूरु और मंगलुरु जाने वाले वाहनों को पुत्तूर कस्बे से होकर गुजरना पड़ा रहा है. पुलिस के अनुसार, भूस्खलन होने के कारण वहां अभी तक किसी व्यक्ति या वाहन के फंसने की कोई सूचना नहीं है. भूस्खलन स्थल के दोनों तरफ अवरोधक लगा दिए गए हैं, जिससे पुत्तूर शहर से गुजरने वाले यातायात के मार्ग में बदलाव हुआ है. पुलिस भी यातायात नियंत्रित करने के प्रयास कर रही है.

स्वागत रूस से बंदियों की अदला-बदली के बाद रिहा हुए तीन अमेरिकी स्वदेश पहुंचे

मेरे लिए अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि : बाइडन

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका और रूस के बीच सोवियत इतिहास के बाद बृहस्पतिवार को हुई बंदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली के बाद रिहा तीन अमेरिकी मध्यरात्रि को स्वदेश लौटे, जहां राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उनका स्वागत किया. बंदियों की अदला-बदली के अंतर्गत मॉस्को ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार इवान गेर्शकोविच और मिशिगन के कॉर्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी पॉल व्हेलन और व्लादिमीर कारा मुर्जा सहित असंतुष्टों को रिहा कर दिया. उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत एक-दूसरे के यहां जेलों में बंद लगभग दो दर्जन लोग मुक्त किए गए. गेर्शकोविच, व्हेलन और अलसु कुर्माशेवा (जो अमेरिका-रूस की दोहरी नागरिकता वाली पत्रकार हैं) बृहस्पतिवार मध्यरात्रि में स्वदेश पहुंचे. राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण किए जाने के कारण शीतयुद्ध के बाद वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंध सबसे निचले स्तर पर आ गए थे, लेकिन इसके बावजूद बंदियों की अदला-बदली के लिए गुप्त बैठकें होती रहीं. बाइडन ने वापस लौटे अमेरिकी नागरिकों के परिवारों के साथ व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान इसे एक रणनीतिक उपलब्धि करार दिया. उन्होंने कहा, 'इस तरह के समझौते के लिए कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं. मेरे लिए अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है, चाहें वे देश में हो या विदेश में.' यह समझौता पिछले दो वर्षों में रूस और अमेरिका के बीच कैदियों की अदला-बदली के लिए की गई बातचीत की श्रृंखला में नवीनतम है, लेकिन अन्य देशों से महत्वपूर्ण रियायतों की आवश्यकता वाला पहला सौदा है, जिसे राष्ट्रपति बाइडन ने अपने प्रशासन के अंतिम महीनों में एक कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में घोषित किया था.

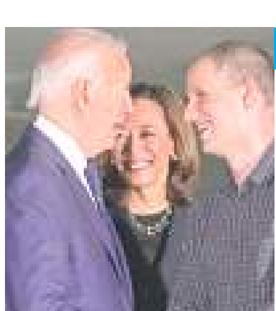

रूस ने अपने नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित की

रूस ने पश्चिम में गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए अपने नागरिकों की रिहाई पत्रकारों, असंतुष्टों और अन्य पश्चिमी बंदियों को मुक्त करने के बदले में सुनिश्चित कर ली. इस समझौते के तहत रूस ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक संवाददाता गेर्शकोविच को रिहा कर दिया, जिन्हें 2023 में गिरफ्तार किया था और जुलाई में जासूसी के आरोपों में दोषी ठहराया गया था. हालांकि, उन्होंने और अमेरिका ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था. इसके अलावा मिशिगन कॉर्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी व्हेलन को भी रिहा कर दिया गया है जो 2018 से जासूसी के आरोप में जेल में थे. रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी के पत्रकार अलसु कुर्मशेवा को भी समझौते के तहत रिहा किया गया है. उन्हें जुलाई में रूसी सेना के बारे में गलत जानकारी फैलाने के लिए दोषी ठहराया गया था. लेकिन इन आरोपों को उनके परिवार और नियोक्ता ने खारिज किया था.

कर्नाटक के सीएम ने कारण बताओ नोटिस जारी करने पर हमला बोला

राज्यपाल केंद्र सरकार की 'कठपुतली'

एजेंसी। मैसूरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर हमला बोला और उन पर केंद्र सरकार और भाजपा-जद(एस) की 'कठपुतली' के रूप में कार्य करने का आरोप लगाया. सिद्धरमैया ने उन्हें नोटिस जारी करने को 'अवैध और संविधान के विरुद्ध' बताया, जिसमें उनसे पूछा गया है कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा साइट आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी क्यों न दी जाए.

अधिवक्ता-कार्यकर्ता टीजे अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर राज्यपाल ने 26 जुलाई को नोटिस जारी कर मुख्यमंत्री को निर्देश दिया कि वे अपने (सिद्धरमैया) खिलाफ लगे आरोपों पर सात दिनों के भीतर जवाब दें कि उनके खिलाफ मुकदमे की अनुमति क्यों न दी जाए. कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यपाल को कारण बताओ नोटिस वापस लेने की सलाह दी थी. मुख्यमंत्री ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया. उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, 'मेरी इसमें (घोटाले में) कोई भूमिका नहीं है. मेरी भूमिका कहां है?' सिद्धरमैया ने केंद्र सरकार पर 'राजभवन का दुरुपयोग' करने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया. उन्होंने आरोप लगाया, 'राज्यपाल पूरी तरह से केंद्र सरकार, भाजपा-जनता दल (सेक्युलर) की कठपुतली के रूप में काम कर रहे हैं.' उन्होंने बैठक की अध्यक्षता के लिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को नामित किया था. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्यपाल को अब्राहम के पिछले रिकॉर्ड पर ध्यान देना चाहिए था. सिद्धरमैया ने कहा, 'अगर आप अब्राहम के पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो वह एक 'ब्लैकमेलर' है. उसकी शिकायत पर कार्रवाई करना गैरकानूनी है. वह इस तरह से कई लोगों के खिलाफ शिकायतें करता रहा है.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)